राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 215

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, रविवार, 12 जनवरी, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

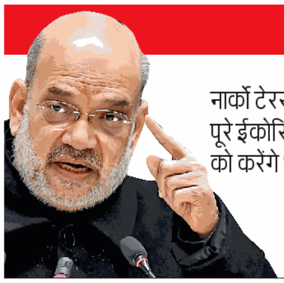

नार्को टेरर के पूरे ईकोसिस्टम को करेंगे ध्वस्त

>> 3

रविवार विशेष

सपनों में रंग भरते युवा

पेज-7

संपादकीय

आपसी झगड़े में उलझा आइएनडीआइए: आप और कांग्रेस के बीच जैसी तकरार हो रही है, वह गठबंधन की एकजुटता और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं। **संजय गुप्त** का आलेख।

छोटे कद वाले बड़े साहित्यकार: अपना कद बढ़ाने के लिए उन्होंने पूरे शहर में पोस्टर चिपका दिए कि वह बड़े साहित्यकार हैं। **रोहित कौशिक** का व्यंग्य।

पेज-8

विमर्श

पांडुलिपि मिशन को मिले जीवनदान: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में बुद्ध और उनके सिद्धांतों के बारे में भी चर्चा की। प्रधानमंत्री के आह्वान का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन को फिर से सक्रिय किया जाना चाहिए। **अनंत विजय** का आलेख।

पेज-9

सप्ताह का साक्षात्कार

टैक्स और विदेशी निवेश की नीति में तत्काल सुधार की जरूरत : सुरजीत भल्ला

अगले महीने की पहली तारीख को देश का आम बजट पेश होगा। कहा जा रहा है कि इस बार का बजट बीते कई सालों की तुलना में अलग होगा। ऐसे में देश के जाने-माने अर्थशास्त्री व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) भारत के कार्यकारी निदेशक रह चुके डा. सुरजीत भल्ला ने हाल ही में एक शोध-पत्र में दावा किया है कि बीते 10 वर्षों में मध्यम वर्ग पर टैक्स का बोझ बहुत बढ़ा है और यह अन्य विकासशील देशों की तुलना में ज्यादा है। आर्थिक विकास दर बढ़ाने को विदेशी निवेश भी जरूरी है। इन दोनों मामलों में तत्काल नीतिगत सुधार की जरूरत है। इस पर दैनिक जागरण की समाचार संपादक रुमनी घोष ने उनसे विस्तार से चर्चा की।

पेज-13

साकार होने लगा त्रेतायुगीन रामनगरी का स्वप्न

रमाशरण अवस्थी • जागरण

- भव्य मंदिर में प्रतिष्ठा द्वादशी पर रामलला का महाभिषेक
- उप्र के सीएम ने किया तीन दिनी वृहद आयोजनों का शुभारंभ
- इस दौरान 11 वैदिक विद्वान प्रतिदिन छह घंटे मंत्रों के जप के साथ यज्ञ कुंड में देंगे आहुति

अयोध्या में शनिवार को प्रतिष्ठा द्वादशी के अवसर पर भगवान रामलला का महाभिषेक किया गया। एएनआइ

अयोध्या : प्रतिष्ठा द्वादशी...जी हां यही है सनातनधर्मियों के पंचांग में जुड़ा एक पर्व। एक वर्ष पूर्व यह पर्व मिला था और शनिवार को उसे पाने की प्रसन्नता या यूं कहें एक स्वर्णिम संकल्प की सिद्धि के वार्षिकोत्सव का उल्लास फैला हुआ था। जन्मभूमि पर भव्य, दिव्य और नव्य राममंदिर का मार्ग प्रशस्त होते ही त्रेता युग जैसी अयोध्या का सपना साकार होने लगा था। अब जब रामनगरी मुड़कर देखती है तो मुदित होती है अपने भाग्य पर, इठलाती है अपने वैभव पर। सनातनधर्मी गौरवान्वित हैं धर्म की पुनर्प्रतिष्ठा पर। अयोध्या के विषाद को व्यतीत होने में समय लगा, लेकिन अब रामनगरी मानो उस काले अतीत को विस्मृत कर चुकी है। मोक्ष की नगरी में स्थान रखने वाली इस नगरी को मुक्त होने के लिए सैकड़ों वर्ष प्रतीक्षा करनी पड़ी। धर्मपथ, रामपथ और भक्तिपथ का सृजन होने से पहले उसे अग्निपथ पर चलना पड़ा। यह सनातन के संघर्ष का प्रमाण है, यह इतिहास के खुद को दोहराने का साक्ष्य है।

प्रतिष्ठा द्वादशी पर रामनगरी की आभा अलौकिक थी, क्योंकि रामलला का महाभिषेक होने वाला था। इस उत्सव के केंद्र में प्रतिष्ठित अंगद टीला से लेकर राम मंदिर का भव्य आगार सुबह से ही शिखर का स्पर्श करता है। आरंभ रामलला के पंचामृत अभिषेक से हुआ। रामलला की नयनाभिराम और चिन्मय-चैतन्य प्रतिमा वेद मंत्रों और घी, दूध, दही, शहद एवं सरयू जल से अभिषिक्त हो श्रद्धालुओं के हृदय को कहीं अधिक स्पंदित कर रही थी। जिन्हें सम्मुख होने का अवसर मिला था, वे तो आनंदित थे ही, जीवंत प्रसारण के माध्यम से पूरी दुनिया के राम भक्त नयनाभिराम राम के साक्षी बन कर कृत-कृत्य हो रहे थे। जल्द ही रामलला के पाटोत्सव का एक और आयाम प्रशस्त होता है, जब रामजन्मभूमि परिसर के यज्ञ मंडप में शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिन शाखा के 40 अध्यायों के 1975 मंत्रों से अग्नि देवता को आहुति प्रदान किए जाने का क्रम आरंभ होता है। यह क्रम तीन दिनों तक चलेगा और इसके तहत 11 वैदिक विद्वान प्रतिदिन छह घंटे मंत्रों के जप करने के साथ यज्ञ कुंड में आहुति देंगे। अन्य आयोजन भी होंगे जिनका शुभारंभ रामलला को नमन कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को किया। अंतिम स्पर्श पा रहे राम मंदिर का 161 फीट ऊंचा शिखर और 75 एकड़ से अधिक के रामजन्मभूमि परिसर से लेकर 50 हजार करोड़ की योजनाओं से श्रेष्ठतम बनाई जा रही रामनगरी बताती है कि सृष्टि के आरंभ से ही मानवता को अनुप्राणित करने वाले श्रीराम के प्रति आस्था का यह नूतन अध्याय किस शिखर को स्पर्श करने जा रहा है। भविष्य की शायद ऐसी ही संभावनाओं को भांप कर मैथिलीशरण गुप्त ने गत शताब्दी के पूर्वार्द्ध में ही कह दिया था, देख लो साकेत नगरी है यही स्वर्ग से मिलने गगन को जा रही।

विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में प्रेरणा बनेगा राम मंदिर : मोदी

इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर समस्त देशवासियों को बहुत-बहुत शुभकामना। सदियों के त्याग, तपस्या और संघर्ष से बना यह मंदिर हमारी संस्कृति और अध्यात्म की महान धरोहर है। मुझे विश्वास है कि यह दिव्य-भव्य राम मंदिर विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में एक बड़ी प्रेरणा बनेगा।

राम हैं तो राष्ट्र और राष्ट्र है तो राम : योगी

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, श्रीराम और राष्ट्र एक-दूसरे के पूरक हैं और एक के बिना दूसरे की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीराम हैं, तो राष्ट्र है और राष्ट्र है तो श्रीराम हैं। योगी पौष शुक्ल द्वादशी की उस तिथि की महिमा का बखान कर रहे थे, भारतीय पंचांग के अनुसार जिस तिथि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में एक वर्ष पूर्व रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी।

अयोध्या में शनिवार को रामलला का दर्शन-पूजन करते उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ। एएनआइ

नया तथ्य ▶ चुनाव से पहले लीक हुई दिल्ली आबकारी नीति पर कैग रिपोर्ट में दावा

नई आबकारी नीति से 2026 करोड़ का नुकसान, आप नेताओं ने ली घूस

- केजरीवाल सरकार ने फैसलों पर नहीं ली उपराज्यपाल की मंजूरी
- नीति में पारदर्शिता का अभाव था, अवैध निर्णय लेने पर जोर दिया गया

प्रतीकात्मक

नई दिल्ली, आइएएनएस : दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके मंत्रियों ने विवादित आबकारी नीति बनाते समय नियम-कायदों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे सरकारी खजाने को 2,026 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। विधानसभा चुनाव से पहले लीक हुई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आबकारी नीति में पारदर्शिता का अभाव था और कुछ पसंदीदा लाइसेंस धारकों को लाभ पहुंचाने के लिए अवैध निर्णय लेने पर जोर दिया गया। समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि विवादित नीति के लिए आप नेताओं ने रिश्वत ली।

विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लीक हुई यह रिपोर्ट आप के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। इसने कांग्रेस और भाजपा को आप पर हमला करने के लिए नया हथियार दे दिया है। भाजपा और कांग्रेस इस घोटाले को लिकरगेट बताती रही है। कैग के प्रमुख निष्कर्षों में से एक यह है कि दिल्ली में आपूर्ति की जा रही शराब की गुणवत्ता की जांच के लिए प्रयोगशालाएं स्थापित नहीं की गईं। इसके कारण शहर के लाखों निवासियों के स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो गया।

रिपोर्ट में बड़े पैमाने पर अनियमितता का जिक्र किया गया है, जैसे-कीमत तय करने में पारदर्शिता की कमी, लाइसेंस जारी और नवीनीकरण में नियमों का उल्लंघन, गड़बड़ियां करने वालों को दंडित न करना और उपराज्यपाल, कैबिनेट या विधानसभा से मंजूरी न लेना।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जो रिटेल शराब लाइसेंस छोड़े गए थे, उनके लिए सरकार ने फिर से टेंडर नहीं निकाला। इससे खजाने को लगभग 890 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। जोनल लाइसेंस धारकों को दी गई छूट से 941 करोड़ रुपये नुकसान हुआ। कोरोना प्रतिबंधों के आधार पर जोनल लाइसेंस धारकों को 144 करोड़ रुपये की लाइसेंस शुल्क छूट दी गई, जिससे राजस्व हानि हुई, जबकि अनुबंध में ऐसा प्रविधान नहीं था। वहीं, सुरक्षा जमा राशि को सही तरीके से नहीं वसूला गया, जिससे 27 करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ।

मंत्रियों के समूह ने विशेषज्ञ पैनल की सिफारिशों को किया नजरअंदाज

रिपोर्ट के अनुसार, मनीष सिसोदिया की अगुआई वाले मंत्रियों के समूह ने विशेषज्ञ पैनल की सिफारिशों को नजरअंदाज किया और अयोग्य कंपनियों को लाइसेंस के लिए बोली लगाने की अनुमति दी। इन अनियमितताओं के कारण केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य अधिकारियों पर मनी लांड्रिंग और भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए पांच फरवरी को मतदान होगा और आठ फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

आबकारी घोटाले के लिए केजरीवाल जिम्मेदार : अनुराग ठाकुर पेज>>2

और चौड़ी हुई विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में दरार

राज्य ब्यूरो, जागरण • मुंबई

- शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने किया एलान- मुंबई व नागपुर महानगर पालिका चुनाव अकेले लड़ेंगे
- राउत ने एक दिन पहले कहा था- आइएनडीआइए का गठन लोकसभा चुनाव के लिए हुआ था

संजय राउत। फाइल

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के विरुद्ध विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के दलों की लामबंदी का असर अब महाराष्ट्र में दिखाई देने लगा है। यहां महाविकास आघाड़ी (मविआ) के प्रमुख घटक शिवसेना (यूबीटी) ने एलान कर दिया है कि वह नागपुर एवं मुंबई महानगर पालिकाओं के चुनाव अकेले अपने दम पर लड़ेगी। इससे महाराष्ट्र में विपक्षी गुट की एकता पर सवालिया निशान लग गया है। दूसरे शब्दों में कहें तो विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में शामिल दलों के बीच दरार और चौड़ी होती जा रही है।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी मुंबई और नागपुर में आगामी नगर निगम चुनाव अकेले लड़ेगी, परिणाम भले ही कुछ भी हो। पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने हमें ये संकेत दिए हैं।

राउत के अनुसार, उन्होंने पार्टी की नागपुर इकाई के प्रमुख प्रमोद मनमोड़े से इस बारे में चर्चा की है। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि स्थानीय स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए यह फैसला लिया गया है, क्योंकि कार्यकर्ताओं को आम चुनाव और विधानसभा चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिलता। इससे पार्टी के विकास पर असर पड़ रहा है। हमें नगर निगम, जिला परिषद और नगर पंचायत में अपने दम पर लड़ना चाहिए और अपनी पार्टी को मजबूत करना चाहिए।

चुनावों के बाद आइएनडीआइए की बैठक नहीं होने पर राउत ने जताई निराशा पेज>>4

25 हजार रुपये हो सकता है सड़क हादसों में घायलों को समय से अस्पताल पहुंचाने वालों के लिए पुरस्कार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- गडकरी का दावा-समय पर अस्पताल पहुंचाए जाते तो 2024 में बच जाती 50 हजार लोगों की जान

नितिन गडकरी। फाइल

सड़क पर गलत खड़े वाहनों की फोटो भेजने वालों को जुर्माने की 10% राशि देने पर भी विचार

देश में हाईवे और एक्सप्रेसवे के बढ़ते नेटवर्क के साथ सड़क हादसों की रफ्तार भी बढ़ती जा रही है। प्रतिवर्ष सड़क हादसों में होने वाली मौतों का आकड़ा बढ़ते देख सरकार अब सड़क सुरक्षा, जागरूकता और सख्ती के नए जतन आजमाने जा रही है। इसी प्रयास में सरकार सड़क हादसों में घायल होने वालों को समय पर अस्पताल पहुंचाने वालों की प्रोत्साहन राशि बढ़ाकर 25 हजार करने जा रही है। इस समय प्रोत्साहन राशि पांच हजार रुपये है। इसके साथ ही कमीशन पर ऐसे जागरूक जनों भी तैयार करने की तैयारी है, जो सड़क पर गलत तरीके से खड़े वाहनों की जानकारी तुरंत यातायात पुलिस तक पहुंचाएंगे।

सड़क सुरक्षा पर शनिवार को नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में अभिनेता अनुपम खेर के साथ बातचीत में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि वर्तमान में हर दिन औसतन 474 लोग सड़क हादसों में जान गंवा रहे हैं। सड़क हादसों में होने वाली मौतें कोविड, किसी दंगे या युद्ध में होने वाली मौतों से भी अधिक हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में सड़क हादसों में एक लाख 80 हजार लोगों की जान गई, इनमें से 66 प्रतिशत लोगों की आयु 18 से 34 वर्ष थी। उन्होंने बताया कि 50 हजार लोग ऐसे थे, जिन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाया जाता तो उनकी जान नहीं जाती।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हम ऐसी व्यवस्था पर विचार कर रहे हैं कि यदि कोई गलत ढंग से सड़क पर खड़े वाहन की फोटो नंबर सहित भेजेगा और उस वाहन का चालान हो जाएगा। चालान की राशि का 10 प्रतिशत राशि कमीशन के रूप में सूचना देने वाले व्यक्ति को मिलेगा। इससे लोग सक्रिय और जागरूक होंगे।

पहली बार नए नियमों से होगी मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति

नई दिल्ली : फरवरी में सेवानिवृत्त हो रहे राजीव कुमार के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति नए कानून से होगी। इससे पहले सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर हैं जो निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति संबंधी नए कानून की पड़ताल करेगा। चयन समिति में सीजेआइ को सदस्य नहीं बनाने को लेकर इसकी वैधता को चुनौती दी गई है। (पेज-3)

'फर्जी नैरेटिव का गुब्बारा फूटने के बाद पवार ने की संघ की प्रशंसा'

मुंबई : महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राकांपा (शप) के प्रमुख शरद पवार ने आरएसएस की प्रशंसा यह एहसास होने के बाद की है कि कैसे यह संगठन 2024 के लोस चुनावों में विपक्ष के फर्जी नैरेटिव से पार पाने में सफल रहा। फडणवीस के अनुसार तब विपक्ष ने दावा किया था कि भाजपा संविधान बदलने व आरक्षण समाप्त करने को 400 सीटें जीतना चाहती है। (पेज-4)

वर्षा ने बढ़ाई मुश्किलें...

- दिल्ली में शनिवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और शाम को हल्की बारिश से ठंड और बढ़ गई
- आइजीआइ एयरपोर्ट पर उड़ानें रद नहीं, पर कुछ विलंबित हुईं

नई दिल्ली में शनिवार को मौसम ने एक बार फिर करवट ली और वर्षा हुई। इस दौरान कर्तव्य पथ पर इस तरह भीगते जाते दिखे लोग। वर्षा से ठंड और बढ़ गई है। प्रेट्र

समाचार पेज-7 पर

नई बहस

घंटे नहीं, काम की गुणवत्ता महत्वपूर्ण : आनंद महिंद्रा

महिंद्रा समूह के चेयरमैन ने कहा, काम के घंटों पर बहस गलत, ओयो के सीईओ ने कहा, काम के घंटों की अवधारणा सही नहीं

- बोले, अगर 10 घंटे भी काम करते हैं तो आप क्या आउटपुट दे रहे हैं

आनंद महिंद्रा। फाइल

नई दिल्ली, एएनआइ: वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर छिड़ी बहस के बीच कई दिग्गज उद्योगपति काम के घंटे बढ़ाने की सलाह दे रहे हैं। इन सबके बीच महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने शनिवार को कहा कि वह काम के घंटों की जगह काम की गुणवत्ता में विश्वास करते हैं। बता दें कि इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने सप्ताह में 70 घंटे के काम की सलाह दी है। जबकि हाल ही में लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने सप्ताह में 90 घंटे काम करने का सुझाव देते हुए हुए कहा है- पत्नी को कितना निहारोगे? रविवार को भी काम करो।

आनंद महिंद्रा ने यहां विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा बहस गलत है, क्योंकि यह काम घंटों पर जोर देती है। उन्होंने युवाओं से कहा, 'मैं नारायण मूर्ति (इंफोसिस के संस्थापक) और अन्य लोगों का बहुत सम्मान करता हूं। इसलिए, मैं इसे गलत नहीं समझूंगा, लेकिन मुझे कुछ कहना है। मुझे लगता है कि यह बहस गलत दिशा में जा रही है। मेरा मानना है कि हमें काम की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए, काम के घंटों पर नहीं। इसलिए यह 40, 48, 70 या 90 घंटे की बात नहीं है।'

महिंद्रा ने कहा, 'यह काम के आउटपुट पर निर्भर करता है। अगर 10 घंटे भी काम करते हैं तो आप क्या आउटपुट दे रहे हैं। आप 10 घंटे में दुनिया बदल सकते हैं।' यह बहस ऐसे समय छिड़ी है, जब कई देशों में चार दिन के वर्क वीक का प्रयोग चल रहा है।

इसी कार्यक्रम के दौरान ओयो के सह-संस्थापक और सीईओ रितेश अग्रवाल ने कहा कि काम के घंटों की अवधारणा सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'काम के लिए सही अवधारणा यह है कि आपको पूरे मन से काम करना चाहिए। हर कोई विकसित भारत मिशन के लिए पूरे मन से काम कर रहा है। कुछ लोग दिन में केवल चार घंटे में प्रोडक्टिव हो सकते हैं, जबकि कुछ लोगों को आठ घंटे लग सकते हैं। हर किसी का काम करने का अपना तरीका और रास्ता हो सकता है।'

वहीं, सीरियल उद्यमी रोनी स्क्रूवाला ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम सभी जानते हैं कि आपको एक संपूर्ण व्यक्ति होने की जरूरत है, अन्यथा आप प्रदर्शन नहीं कर सकते। इसलिए जीवन में कड़ी मेहनत बहुत जरूरी है।'

कन्नौज रेलवे स्टेशन पर बन रहे भवन का लेंटर ढहने से 40 दबे

कन्नौज : कन्नौज रेलवे स्टेशन पर बन रहे नए भवन का लेंटर कमजोर शटरिंग के कारण शनिवार दोपहर अचानक ढह गया। मलबे में 40 से अधिक मजदूर दब गए। देर शाम तक 23 घायल मजदूर बाहर निकाल लिए गए। घायलों को आटो और ई रिक्शा से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। आठ को गंभीर हालत में केजीएमयू लखनऊ व तिर्वा राजकीय मेडिकल कालेज रेफर किया गया। (पेज-5)

एलए में हवा की बदली दिशा से आग फैलने का खतरा बढ़ा

रायटर : अमेरिका के लास एंजिलिस (एलए) शहर से राहत की खबर है। बीते पांच दिनों से आग से जूझ रहे इस शहर में शुक्रवार-शनिवार रात तेज हवाओं का वेग कुछ कम हुआ पर उसकी बदली दिशा ने नए क्षेत्रों में आग फैलने की आशंका बढ़ा दी है। पांच दिनों में आग ने भीषण तबाही मचाई है, 11 लोगों की जान गई है और करीब 150 अरब डालर की संपत्ति का नुकसान हुआ है। (पेज-11)

केरल में दलित खिलाड़ी का आरोप, चार वर्षों में 62 लोगों ने किया दुष्कर्म

13 वर्ष की उम्र से कर रही थी दरिंदगी

10 आरोपित हिरासत में और पांच किए गए गिरफ्तार

पथनमथिट्टा, आइएएनएस : केरल में एक दलित किशोरी के चार वर्षों में कई बार दरिंदगी का शिकार होने का मामला सामने आया है। इस खिलाड़ी ने आरोप लगाया कि उसके साथ चार वर्षों में 62 लोगों ने विभिन्न स्थानों पर दुष्कर्म किए। उसे 13 साल की उम्र से दरिंदगी का दर्द झेलना पड़ा। वह दो महीने पहले ही 18 वर्ष की हुई है। इस मामले में अब तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया और 10 अन्य को हिरासत में लिया गया है।

यह मामला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा की गई काउंसलिंग के दौरान सामने आया। किशोरी के शिक्षकों ने उसके व्यवहार में आए बदलावों के बारे में समिति को बताया था। समिति ने पुलिस को सूचित किया। पीड़िता ने आपबीती बयां करते हुए बताया कि किस तरह 13 साल की उम्र से उसने दरिंदगी का सामना किया। उसके कोचों और वरिष्ठ खिलाड़ियों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। अपने प्रारंभिक बयान में 40 लोगों के नाम बताए जिनके मोबाइल नंबर उसने अपने पिता के मोबाइल पर सेव किए थे। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस को साक्ष्य मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि किशोरी के साथ उसके कोच, साथी खिलाड़ियों सहित कई लोगों ने दुष्कर्म किए। इलावनथिट्टा, कोन्नी और पथानमथिट्टा जिलों के स्थानीय पुलिस स्टेशनों में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण के कानून पाक्सो के तहत पांच एफआइआर दर्ज की गई हैं। जिला पुलिस प्रमुख ने विशेष टीम बनाई है।

****

2023 की तुलना में 2024 में राजधानी में लोगों के घरों में चोरी की घटनाएं अधिक दर्ज की गई। 2023 में 28,557 चोरी की वारदातें हुई तो वहीं 2024 में 29,011 चोरी की वारदातें हुई।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 12 जनवरी, 2025

आज का मौसम

आकाश में बादल छाए रहेंगे। सुबह में स्माग के साथ मध्यम स्तर का कोहरा हो सकता है। बहुत हल्की वर्षा हो सकती है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
12 जनवरी	17.0	11.0
13 जनवरी	20.0	08.0
नोएडा		
12 जनवरी	16.0	11.0
13 जनवरी	17.0	9.0
गुरुग्राम		
12 जनवरी	15.0	10.0
13 जनवरी	16.0	9.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

दिल्ली में 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी आरपीआइ अठावले

नई दिल्ली: रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आरपीआइ आठवले) दिल्ली में 15 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शेष सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों का समर्थन करेगी। केंद्रीय राज्य मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने कह कि दिल्ली की सत्ता से आम आदमी पार्टी को हटाना जरूरी है। उनकी पार्टी आप को हटाने और कांग्रेस को फिर से शून्य सीट पर समटेने के लिए विधानसभा चुनाव लड़ेगी। (वि. जागरण)

सर्दी के सितम ने लील ली 474 बेघरों की जानें

नई दिल्ली: सर्दी के सितम ने दिल्ली की सड़कों पर 474 बेघरों की जानें लील ली है। यह दावे सेंटर फार होलिस्टिक डेवलपमेंट (सीएचडी) ने किए हैं। सीएचडी के कार्यकारी निदेशक सुनील अलेडिया के अनुसार, दिल्ली पुलिस नेटवर्क (जिप नेट) द्वारा संकलित ये आंकड़े पिछले वर्ष 15 नवंबर से इस वर्ष 10 जनवरी के बीच के हैं। जिसमें पुलिस ने 80 प्रतिशत मामलों को अज्ञात पहचान के रूप में दर्ज की है। (जासं)

हर माह सड़क दुर्घटनाओं में हुई 125 लोगों की मौत

नई दिल्ली : राजधानी में पिछले साल गैंगस्टरों द्वारा व्यापारियों व प्रापर्टी के धंधे से जुड़े डीलरों से रंगदारी मांगने, उनके घरों, शोरूम व कार्यालयों पर फायरिंग की घटनाएं भले ही आए दिन मीडिया की सुर्खियों में रही लेकिन दिल्ली पुलिस द्वारा शनिवार को जारी अपराध के लेखाजोखा में तकरीबन सभी संगीन व गैर संगीन आपराधिक मामलों में कमी दिखाई गई है। सड़क दुर्घटना में बीते वर्ष बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2023 में दुर्घटना में 1432 लोगों की मौत हुई। जबकि 2024 में 1504 लोगों की मौत हुई। यानी हर माह सड़कों पर करीब 125 लोगों की मौत हुई। (जासं)

दिल्ली में चलती रहेंगी कल्याणकारी योजनाएं : शाह

झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन ▶ केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, झुग्गी वालों की सभी समस्याओं का किया जाएगा समाधान

केजरीवाल ने दिल्ली को नरक बना दिया, पांच फरवरी को आप-दा मुक्ति दिवस

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी विश्वास दिलाया है कि भाजपा की सरकार बनने पर दिल्ली में चल रही सभी जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी। कहा, भाजपा जनकल्याण की योजनाएं बंद नहीं, प्रारंभ करने वाली पार्टी है। आम आदमी पार्टी की सरकार को आप-दा बताया। कहा, अरविंद केजरीवाल ने 10 वर्षों में दिल्ली को नरक बना दिया है। पांच फरवरी दिल्ली के लिए आप-दा से मुक्ति का दिन है। उस दिन दिल्ली विधानसभा का चुनाव है। उन्होंने झुग्गीवासियों से उनकी समस्याओं के समाधान का वादा करने के साथ ही मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं।

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित "झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन" में शाह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने 26 सप्ताह तक झुग्गीवासियों के बीच जाकर उनका दुख-दर्द, वादाखिलाफी के खिलाफ उनमें व्याप्त आक्रोश को सुना और समझा है। उसकी सूची प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को दी गई है। भाजपा के घोषणापत्र में झुग्गीवालों की समस्याओं का समाधान होगा। भाजपा का घोषणा-पत्र पत्थर पर लकीर होता है। वह मोदी की गारंटी होती है, जो पूरी होकर ही रहती है। भाजपा का घोषणा-पत्र आप-दा के घोषणा-पत्र जैसा झूठे वादे वाला नहीं होता है। भाजपा जो कहती है, वो करके दिखाती है।

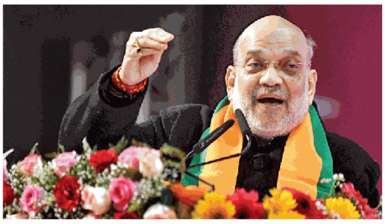

नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में भाजपा द्वारा आयोजित झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह। ध्रुव कुमार

नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में भाजपा द्वारा आयोजित झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन में उपस्थित उत्साहित लोगों की भीड़। ध्रुव कुमार

शाह ने कहा, झुग्गी बस्ती के लोग दिल्ली को अव्यवस्था से, असंवेदनशील सरकार से और झूठ बोलने वाली सरकार से मुक्ति दिला सकते हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन कर सत्ता में आने वालों ने सभी सरकारों के भ्रष्टाचार के रिकार्ड तोड़ दिए हैं। आप तो दिल्ली के लिए 'आप-दा' बनी है लेकिन केजरीवाल तो आप के लिए ही आपदा बन गए हैं। जहां-जहां केजरीवाल जाते हैं, दिल्ली वालों को वहां शराब की बोतलें दिखाई देती हैं। दिल्ली में नल खोलते ही गंदा पानी मिलता है, खिड़की खोलते ही बदबू आती है, बाहर निकलो तो टूटी सड़क, छठ मनाने जाओ तो प्रदूषित यमुना, यह सब 'आप-दा' ने किया है। इन्होंने झुग्गीवासियों, अन्ना हजारे और पंजाब को झांसा दिया। पंजाब के लोग आप और केजरीवाल का विश्वास नहीं करने की अपील कर रहे हैं। झूठ, फरेब, धोखा और वादाखिलाफी, यह चारों केजरीवाल के गुण हैं। प्रधानमंत्री द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए भेजे जा रहे छह हजार रुपये को रोकने का पाप आप ने किया है। मोदी ने दिल्ली में 68 हजार करोड़ रुपये की लागत से आधारभूत ढांचे का काम किया है, लेकिन केजरीवाल ने झुग्गियों की समस्या दूर नहीं की।

उन्होंने कहा, केजरीवाल अयोध्या में मंदिर की जगह शौचालय बनाने व जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की जगह मकान बनाने की मांग करते थे। भाजपा ने अयोध्या में मंदिर बनाने के साथ अनुच्छेद-370 हटाने के साथ ही शौचालय व गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान भी बनाए। केजरीवाल ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास योजना पर रोक लगा दी। पीएम मोदी ने झुग्गी वालों को पक्का मकान देने की गारंटी दी है। आप सरकार निश्शुल्क उपचार के लिए आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित केंद्र की अन्य योजनाओं को रोक रही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत दिल्ली में 73 लाख लोगों को निश्शुल्क अनाज मिल रहा है। दिल्ली में 2.60 लाख घरों में उज्ज्वला योजना से सिलिंडर पहुंचाए। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल झूठ फैला रहे हैं कि भाजपा सरकार आने पर गरीबों की झुग्गियां तोड़ी जाएंगी। सत्य यह है कि भाजपा गरीबों को मकान देती है। केजरीवाल की सरकार न होती, तो दिल्ली में सभी झुग्गी वालों के पक्के मकान मिल गए होते। वोट बैंक के लालच में केजरीवल रोज नए वादे कर रहे हैं, उन्होंने भाजपा का मुख्यमंत्री भी घोषित कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार केजरीवाल सीएम नहीं बन सकते हैं: सचदेवा

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने स्वयं को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर रहे हैं। साथ ही मनगढ़ंत कहानी सुना रहे हैं कि रमेश बिधूड़ी भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते हैं। भाजपा का मुख्यमंत्री का चयन केजरीवाल और उनके सूत्र नहीं भाजपा के विधायक एवं राष्ट्रीय नेतृत्व मिल कर करेंगे।

उन्होंने कहा, केजरीवाल जानते हैं कि वह चुनाव हार रहे हैं, इसलिए भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें चुनौती देता हूं कि अपने आप को वह मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने से पहले किसी वकील से कानूनी सलाह लें। उन्हें मालूम होना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते वे कभी भी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि दिल्ली विधानसभा के लिए भाजपा के सभी प्रत्याशी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। हमारी पार्टी पूरी तरह से लोकतांत्रिक है, जिसमें निर्वाचित विधायक अपने नेता का चुनाव करते हैं।

पूर्व सांसद व नई दिल्ली क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल दिल्ली का बेटा नहीं, दामाद है, जो दिल्लीवालों के पैसों से दहेज में शीशमहल बना लिया। उन्होंने कहा कि कैग की रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि किस तरह केजरीवाल सरकार ने शराब नीति का लाभ निजी लाभ के लिए उठाया।

करावल नगर से मोहन बिष्ट की जगह कपिल मिश्रा को टिकट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ भाजपा ने 29 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी की, पार्षदों पर विश्वास

▶ अब तक घोषित 58 प्रत्याशियों में सात महिलाओं को भी मिला टिकट

भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए अपने 29 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इससे पहले चार जनवरी को 29 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए थे। इस तरह से 70 में से 58 प्रत्याशी सामने आ चुके हैं। पार्टी ने विधायक मोहन सिंह बिष्ट का टिकट काटकर करावल नगर से प्रदेश उपाध्यक्ष कपिल मिश्रा को प्रत्याशी बनाया है। पूर्व मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना के पुत्र हरीश खुराना को मोती नगर से प्रत्याशी बनाया गया है। लक्ष्मी नगर के विधायक अभय वर्मा एक बार फिर से चुनाव मैदान में उतरेंगे। पांच महिलाओं को भी टिकट दिया गया है। पहली सूची में भी दो महिलाओं के नाम शामिल थे।

भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की अध्यक्षता में शुक्रवार रात को हुई थी जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य सदस्य शामिल हुए थे। बैठक में हुई चर्चा के बाद शनिवार रात 29 प्रत्याशियों की सूची जारी की गई। भाजपा के इस समय सात विधायक हैं।

हरीश खुराना। मोती नगर

कपिल मिश्रा। करावल नगर

पहली सूची में भाजपा विधायकों वाले पांच सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी गई थी। गांधीनगर से अनिल वाजपेई को छोड़कर अन्य सभी चार सीटों पर विधायकों को फिर से चुनाव मैदान में उतारा गया है। कपिल मिश्रा वर्ष 2015 में आप के टिकट पर करावल नगर से मोहन सिंह बिष्ट को हरा चुके हैं।। पार्टी ने कांग्रेस से भाजपा में आने वाले पूर्व विधायक नीरज बसोया को कस्तूरबा नगर से टिकट दिया है। आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाली पार्षद प्रियंका गौतम को पार्टी ने कोंडली से उम्मीदवार बनाया है। अब तक पार्टी ने सात महिलाओं को टिकट दिया है। भाजपा ने अब तक दो मनोनीत सहित 12 पार्षदों एवं तीन पूर्व पार्षदों पर विश्वास जताते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ाने का निर्णय लिया है। दूसरी सूची में नौ पार्षदों के नाम शामिल हैं। भाजपा ने पूर्वांचल पृष्ठभूमि वाले अभय वर्मा, कपिल मिश्रा, बजरंग शुक्ला, डा. पंकज सिंह, प्रद्युम्न सिंह को टिकट दिया है।

विधानसभा क्षेत्र-प्रत्याशी

1-नरेला-राज करण खत्री
2-तिमारपुर-सूर्य प्रकाश खत्री
3-मुंडका- गजेंद्र दराल
4-किराड़ी- बजरंग शुक्ला
5-सुल्तानपुर माजरा (अजा) - कर्म सिंह कर्मा
6-शकूरबस्ती-करनैल सिंह
7-त्रिनगर- तिलक राम गुप्ता
8-सदर बाजार-मनोज कुमार जिंदल
9-चांदनी चौक-सतीश जैन
10-मटिया महल- दीप्ति इंदौरा
11-बल्लीमरान-कमल बागड़ी
12-मोती नगर-हरीश खुराना
13-मादीपुर (अजा)- उर्मिला कैलाश गंगवाल
14-हरि नगर-श्याम शर्मा
15-तिलक नगर- श्वेता सैनी
16-विकासपुरी- डा .पंकज कुमार सिंह
17-उत्तम नगर-पवन शर्मा
18-द्वारका-प्रद्युम्न राजपूत
19-मटियाला- संदीप सहरावत
20-नजफगढ़-नीलम पहलवान
21-पालम-कुलदीप सोलंकी
22-राजेंद्र नगर- उमंग बजाज
23-कस्तूरबा नगर- नीरज बसोया
24-तुगलकाबाद-रोहतास बिधूड़ी
25-ओखला- मनीष चौधरी
26-कोंडली (अजा)-प्रियंका गौतम
27-लक्ष्मी नगर- अभय वर्मा
28-सीलमपुर- अनिल गौड़
29-करावल नगर-कपिल मिश्रा

राहुल गांधी कल कांग्रेस की ओर से चुनाव का बिगुल फूंकेंगे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ राहुल गांधी सीलमपुर में 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान जनसभा को करेंगे संबोधित

दिल्ली में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां लगातार तेज होती जा रही हैं। चुनाव आयोग की द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, मुख्य विपक्षी दल भाजपा और कांग्रेस ने भी तैयारी तेज कर दी हैं। इसी क्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जनसभा के आयोजन की तैयारी की गई है।

शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने प्रेस वार्ता में बताया कि पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर में सोमवार को अपराहन साढ़े तीन बजे राहुल गांधी 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान' जनसभा को संबोधित करेंगे। साथ ही कांग्रेस की ओर से विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकेंगे। काजी निजामुद्दीन ने कहा कि अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक की पैदल यात्रा की। इस दौरान उन्होंने समाज के हर वर्ग के लोगों से संवाद किया। उनकी समस्याएं जानीं। साथ ही उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए उनके सुझावों को कांग्रेस के घोषणापत्र में भी शामिल किया। काजी निजामुद्दीन ने कहा कि समय-समय पर राहुल गांधी ने दिल्ली के लोगों से भी जगह-जगह पहुंचकर संवाद किया है। चाहे आनंद विहार में आटो चालकों से बातचीत करना हो, चाहे सभी सब्जी मंडी में जाकर महिलाओं और दुकानदारों से बात करके सब्जियों के भाव और बेतहाशा महंगाई के बारे में बातचीत करना हो. चाहे दिल्ली यूनिवर्सिटी में जाकर के छात्रों से बात कर उनकी समस्याओं को जानना हो। राहुल हमेशा लोगों की समस्याओं को जानने के लिए लोगों के बीच में रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी राहुल द्वारा चुनावी कार्यक्रम की शुरुआत करने के बारे में लोग जानना चाहते थे।

केजरीवाल की सीईसी को लिखी चिट्ठी, कहा-मंत्री व सांसद बनवा रहे फर्जी वोट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र की वोटर लिस्ट में बड़े स्तर पर गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखी है। शनिवार को लिखी चिट्ठी में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद अपने घर के पते पर फर्जी वोट बनवा रहे हैं। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने फर्जी वोट बनाने का यह नया तरीका निकाला है। भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के पते पर 33 नए वोट बनने के आवेदन किए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है कि फर्जी वोट बनवाने वालों पर एफआइआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

इससे पहले आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने फिर भाजपा पर चुनावी घोटाला करने का बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने प्रेसवार्ता में एक सूची सामने लाकर दावा किया कि मोदी सरकार के मंत्रियों, भाजपा के सांसदों, पूर्व सांसदों समेत अन्य फर्जी पते पर बड़े स्तर पर फर्जी वोट बनवाए जा रहे हैं। आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मांग की कि चुनाव आयोग को संज्ञान लेकर इन आवेदनों को तुरंत रोक देना चाहिए।

केजरीवाल ने कहा, नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने फर्जी वोट बनाने का नया तरीका निकाला

संजय सिंह ने कहा कि भारत सरकार में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सरकारी बंगले के पते पर 26 वोट, केंद्रीय मंत्री कमलेश पासवान ने अपने पते पर 26 वोट बनवाने के आवेदन किए हैं। साथ ही, एक सांसद का पता मुखर्जी स्मृति न्याय है। इस पते पर 31 वोट बनवाने के आवेदन किए गए हैं। हरदोई से भाजपा के सांसद जय प्रकाश के पते पर 25 वोट बनवाने के आवेदन किए गए हैं।

आप और भाजपा ने दिल्लीवासियों को धोखा दिया है : काजी निजामुद्दीन

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी काजी निजामुद्दीन ने कहा, देश के विकास व लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस काम कर रही है। इसी के अंतर्गत दिल्ली के लोगों के लिए प्यारी दीदी योजना और जीवन रक्षा योजना की घोषणा की गई है। कांग्रेस शासित राज्यों में लोगों को बेहतर जीवन देने के लिए काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी दिल्ली में अलग-अलग वर्गों के लोगों से मिलकर महंगाई व उनकी परेशानी पर चर्चा कर रहे हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव भी न्याय यात्रा निकालकर दिल्ली के लोगों से समस्याओं पर चर्चा की है। दिल्ली के लोग आप सरकार और भाजपा के कुशासन से परेशान हैं। दोनों पार्टियों ने जनता को धोखा दिया है। इस अवसर पर प्रभारी सचिव सुखविंदर सिंह डैनी व दानिश अबरार, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र नाथ, पूर्व विधायक हरि शंकर गुप्ता, कांग्रेस के नेशनल मीडिया संयोजक अभय दूबे, प्रवक्ता रश्मि सिंह मिगलानी और आस्मा तस्लीम भी मौजूद थे।

दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के लिए केजरीवाल जिम्मेदार : अनुराग ठाकुर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

▶ कहा, 10 वर्षों की घोटालों की यात्रा 'आप' के 'पाप' की यात्रा है

▶ आम आदमी पार्टी के पास अब एक भी ईमानदार चेहरा नहीं रहा

नई आबकारी नीति पर कैग रिपोर्ट को लेकर भाजपा लगातार आम आदमी पार्टी पर हमलावर है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जहां इस रिपोर्ट को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पोल खोलने वाला बताया, वहीं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने प्रेसवार्ता कर केजरीवाल को घोटाले के लिए जिम्मेदार बताया। अनुराग ने कहा, कैग रिपोर्ट के अनुसार शराब घोटाले से दिल्ली सरकार को 2,026 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है। भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए राज्य सरकार कैग रिपोर्ट को विधानसभा में नहीं रख रही है।

अनुराग ठाकुर ने सिलसिलेवार तथ्य रखे। बोले, आम आदमी पार्टी ने पाठशाला बनाने की बात की थी, लेकिन पाठशाला की जगह मधुशाला बना दी। झाड़ू से दारू पर, स्वराज से शराब पर आ गए। 10 वर्षों की घोटालों की यात्रा 'आप' के 'पाप' की यात्रा है। आप सरकार के आठ मंत्री, 15 विधायक, एक सांसद और मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री जेल गए हैं। स्वतंत्रता के बाद देश की कोई और सरकार नहीं होगी जिसने इतने पाप किए होंगे जितने आप ने किए। इस कारण आप-दा का जाना जरूरी है। उन्होंने कहा, आप का चेहरा कौन है? मुख्यमंत्री आतिशी अपने को चेहरा नहीं मानतीं। अदालत के निर्देश के अनुसार केजरीवाल मुख्यमंत्री बन नहीं सकते।

कैग ने 10 बिंदुओं पर रिपोर्ट पेश की : अनुराग ने कहा, कैग ने 10 बिंदुओं पर रिपोर्ट पेश की है। नियमों का उल्लंघन हुआ, विशेषज्ञ पैनल की राय को मंत्रियों के समूह ने नजरअंदाज किया, शिकायत के बावजूद संस्थाओं को बोली लगाने की अनुमति दी गई।

कैग रिपोर्ट ने केजरीवाल की पोल खोली : नड्डा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि दिल्ली आबकारी नीति पर कैग रिपोर्ट ने जानबूझकर की गई चूक को उजागर किया है, जिससे खजाने को 2,026 करोड़ का नुकसान हुआ है। 'सत्ता के नशे में चूर, कुशासन में मस्त। लूट का 'आप' माडल पूरी तरह से प्रदर्शित है और वह भी शराब जैसी चीज पर।'

दफ्तर में तैयार कैग रिपोर्ट बता रही भाजपा : आप

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्लीवालों को सीएम चेहरा और एजेंडा बताने के बजाय भाजपा दफ्तर में तैयार कागज को कैग रिपोर्ट बता रही है, जबकि अभी तक सीएम, एलजी और विस अध्यक्ष तक ने नहीं देखा है।

पोस्टर, वीडियो व गीत से भाजपा साध रही आप पर निशाना

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली: भाजपा पोस्टर के बाद वीडियो और गाने के माध्यम से आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रही है। पार्टी प्रतिदिन अलग-अलग थीम पर आधारित दो से तीन पोस्टर जारी कर आप पर भ्रष्टाचार और दिल्लीवालों के साथ वादाखिलाफी का आरोप लगा रही है।

इसी कड़ी में शनिवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने "शीशमहल आपदा फैलाने का अड्डा" शीर्षक वाले गाने का वीडियो जारी किया। इसमें केजरीवाल पर भ्रष्टाचार और दिल्ली के करदाताओं के पैसों को लूट कर शीशमहल बनाने का आरोप लगाया गया है। वीडियों के बाद 'शीश महल वाले आप-दा ए आजम" शीर्षक से पोस्टर भी जारी किया। सांसद मनोज तिवारी ने 'बहाने नहीं बदलाव चाहिए, दिल्ली में भाजपा सरकार चाहिए" शीर्षक से भाजपा के लिए प्रचार गीत बनाया है। इसे पांच जनवरी को आयोजित प्रधानमंत्री की रैली में लांच किया गया था।

मतदान

पिछले विधान सभा चुनाव में 38 क्षेत्रों में दिल्ली के औसत से कम रहा था मतदान, नई दिल्ली, दक्षिणी पूर्वी दिल्ली के मतदाता रहे थे मतदान में अधिक फिसड्डी, चुनाव आयोग के सामने ऐसे विधानसभा क्षेत्रों में मतदान बढ़ाने की है बड़ी चुनौती

लोकतंत्र की जिम्मेदारी में अनियोजित वाले व अल्पसंख्यक आगे

रणविजय सिंह ● जागरण

नई दिल्ली : अनियोजित, पुनर्वासित व झुग्गी झोपड़ी बस्तियों के लोग भले ही पिछड़े हों लेकिन चुनाव में मतदान कर लोकतंत्र की जिम्मेदारी निभाने में सबसे आगे हैं। पिछले दिल्ली विधानसभा चुनावों के आंकड़े इस बात की तरफ इशारा कर रहे हैं। नई दिल्ली व दक्षिणी पूर्वी जिले के विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता मतदान में अधिक फिसड्डी रहे हैं। वहीं, अनियोजित, अल्पसंख्यक (मुस्लिम) बहुल क्षेत्रों के मतदाता लोकतंत्र की जिम्मेदारी निभाने में भारी पड़ते रहे हैं। उनसे सबक लेकर दिल्ली के अन्य क्षेत्रों के मतदाता भी मतदान में हिस्सा लेकर अपनी पसंद की सरकार चुनने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। कम मतदान वाले क्षेत्रों में मतदान बढ़ाना चुनाव आयोग के लिए भी बड़ी चुनौती है।

चुनाव आयोग ने दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय व जिला निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालयों को उन क्षेत्रों की पहचान कर मतदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया है जहां पिछले चुनाव में मतदान ज्यादा कम रहा था। वैसे पिछले तीन चुनावों में दिल्ली में ठीक मतदान रहा था। लेकिन वर्ष 2020 के चुनाव में इसके पिछले विधानसभा चुनाव के मुकाबले मतदान 4.87 प्रतिशत घट गया था। तब दिल्ली के 70 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 62.60 प्रतिशत मतदान हुआ था। जिसमें से 38 विधानसभा क्षेत्रों में दिल्ली के औसत मतदान से कम वोट पड़े थे। इसमें भी 17 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां 60 प्रतिशत से भी कम मतदान रहा था। जिसमें नई दिल्ली व दक्षिण पूर्वी जिले के ज्यादातर विधानसभा क्षेत्र शामिल थे। इसके अलावा उत्तरी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली व उत्तर पश्चिमी दिल्ली के भी दो-दो विधानसभा क्षेत्र शामिल रहे थे। दूसरी ओर 17 विधानसभा क्षेत्र ऐसे थे जहां 65 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। इसमें से पांच क्षेत्रों में 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ था। ये सभी मुस्लिम बहुल क्षेत्र हैं।

प्रतीकात्मक

यदि जिलेवार मतदान की बात करें, तो वर्ष 2015 के मुकाबले वर्ष 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में मत प्रतिशत कम होने के बावजूद उत्तर पूर्वी दिल्ली में 68.58 प्रतिशत व शाहदरा जिले में 65.82 प्रतिशत मतदान हुआ था। वहीं नई दिल्ली व दक्षिणी पूर्वी दिल्ली में 60 प्रतिशत से कम मतदान रहा था। चुनाव से जुड़े अधिकारी कहते हैं कि संभ्रांत परिवारों के लोग मतदान के लिए कम निकलते हैं। इस वजह से दोनों जिलों में मत प्रतिशत कम रहा था।

नई दिल्ली जिले में 788 मतदान केंद्रों में से 190 संवेदनशील

जासं, नई दिल्ली : विधानसभा चुनाव को लेकर नई दिल्ली जिले के अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्रों के 788 मतदान केंद्रों में से 190 को संवेदनशील माना गया है। इन केंद्रों पर दिल्ली पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों की भी तैनाती की जाएगी। इन मतदान केंद्रों के इलाके में पुलिस विशेष सतर्कता बरतेगी। जिला प्रशासन की ओर से तय संवेदनशील मतदान केंद्रों में सबसे अधिक 76 मतदान केंद्र पटेल नगर और 60 केंद्र राजेंद्र नगर विधानसभा में चिह्नित किए गए हैं। दिल्ली कैंट में 14 और ग्रेटर कैलाश में 40 ऐसे मतदान केंद्रों की पहचान की गई है। नई दिल्ली और आरके पुरम विस क्षेत्र में कोई केंद्र संवेदनशील नहीं है। इन मतदान केंद्रों में पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया।

बांग्लादेशियों के फर्जी कागजात मामले में आप विधायक को नोटिस

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ दक्षिणी जिला पुलिस ने फर्जी कागजात गिरोह को लेकर चल रही पूछताछ में शामिल होने को कहा

अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की जांच में मिले फर्जी कागजात मामले में दक्षिणी जिला पुलिस ने रिठाला से आप विधायक महेंद्र गोयल और उनके आफिस स्टाफ को नोटिस देकर पूछताछ में शामिल होने के लिए कहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों व उनके लिए फर्जी कागजात बनाने वाले गिरोह की पिछले महीने हुई गिरफ्तारी के बाद जांच में आप विधायक और उनके आफिस स्टाफ को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। दोनों में कोई जांच में शामिल होने नहीं आए। पुलिस दोनों को जल्द दोबारा नोटिस भेजेगी जांच में शामिल होने के लिए।

दिसंबर 2024 में दक्षिणी दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए फर्जी कागजात बनाने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया था। मामले में अवैध रूप से दिल्ली के विभिन्न इलाकों में रह रहे बांग्लादेशियों समेत कुल 12 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस मामले में फर्जी कागजात बनाने वाले रोहिणी से पकड़े गए गिरोह के साथ विधायक के आफिस स्टाफ की मिलीभगत की बात सामने आई है।

सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल करती है भाजपाः आप : इस मामले में आम आदमी पार्टी ने कहा कि यह भाजपा की मानक संचालन प्रक्रिया बन गई है कि चुनाव नजदीक आते ही विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल किया जाता है।

****

2004 से 2014 के बीच दस साल में नष्ट किए गए ड्रग्स का मूल्य 8,150 करोड़ रुपये था, जो पिछले 10 वर्ष में बढ़कर 56,861 करोड़ रुपये हो गया है।

नार्को टेरर के पूरे ईकोसिस्टम को करेंगे ध्वस्त : अमित शाह

वर्ष 2024 में जब्त हुआ 16,914 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ

क्रिप्टोकरेंसी और ड्रोन को बताया अभी भी चुनौती

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अगले दस दिनों में लगभग 8,600 करोड़ रुपये मूल्य के एक लाख किग्रा मादक पदार्थों को नष्ट किया जाएगा

नई दिल्ली में शनिवार को 'ड्रग्स की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ

नशामुक्त भारत के संकल्प को फिर दोहराते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो टूक कहा कि नार्को टेरर के पूरे ईकोसिस्टम को ध्वस्त करने के लिए हम संकल्पबद्ध हैं। मादक पदार्थों की जब्ती में मिली सफलता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमने जांच-पड़ताल में भी कई बदलाव करते हुए न सिर्फ ड्रग्स, बल्कि इसके साथ जुड़े आतंकवाद के तंत्र को भी उजागर किया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश की स्थानीय पुलिस व केंद्रीय एजेंसियों ने नार्को टेरर के कई मामलों का राजफाश किया है। उन्होंने कहा कि इन सफलताओं से संतुष्ट होने के स्थान पर हमें और अधिक गति व उत्साह से काम करना होगा। इसके साथ ही शाह ने डार्क वेब, क्रिप्टो करेंसी, आनलाइन मार्केटप्लेस और ड्रोन के उपयोग को चुनौती बताते हुए इनके अंकुश पर जोर दिया।

शाह शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ड्रग नष्टीकरण पखवाड़े का शुभारंभ, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के भोपाल जोनल यूनिट के नए कार्यालय परिसर का उद्घाटन और मानस-2 हेल्पलाइन के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विस्तार की शुरुआत भी की।

गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में देशभर के पुलिस बलों और एनसीबी को 16,914 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स जब्त करने में सफलता मिली है, जो आजादी के बाद का सबसे बड़ा आंकड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 में एक पूर्ण विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए नशामुक्त भारत की सिद्धि बहुत जरूरी है। मादक पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में केंद्र सरकार और राज्य सरकार को एक साथ एक मंच पर आना होगा।

शाह ने कहा कि आज हमने जब्त मादक पदार्थों के नष्टीकरण का पखवाड़ा भी शुरू किया है। इस अभियान के तहत अगले दस दिनों में लगभग 8,600 करोड़ रुपये मूल्य के एक लाख किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट किया जएगा। वर्ष 2004 से 2014 के बीच दस साल में नष्ट किए गए ड्रग्स का मूल्य 8,150 करोड़ रुपये था, जो पिछले 10 वर्ष में बढ़कर 56,861 करोड़ रुपये हो गया है। इसका अर्थ यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि ड्रग्स का उपयोग बढ़ रहा है, बल्कि अब उस पर कार्रवाई हो रही है। राज्यों से अनुरोध किया कि वे अपने यहां अवैध क्लैन्डेस्टिन लैब्स को नष्ट करते हुए सख्त कानूनी कार्रवाई करें।

हज यात्रा समझौते के लिए सऊदी की यात्रा पर रिजिजू

नई दिल्ली, प्रेट्र : अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू 2025 की हज यात्रा के लिए द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर के लिए शनिवार को सऊदी अरब की पांच दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए। भारत 10,000 तीर्थयात्रियों के लिए अतिरिक्त कोटा की मांग कर रहा है। रिजिजू का सोमवार को सऊदी अरब के मंत्री तौफीक बिन फावजान अल रबिया से मिलने का कार्यक्रम है।

रिजिजू ने एक्स पोस्ट में कहा, 'मैं हज 2025 पर द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करने और दो महान देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए सऊदी अरब का दौरा करने के लिए उत्सुक हूं।'

वह सऊदी परिवहन और लाजिस्टिक सेवा मंत्री सालेह अल जस्सर से भी मिलेंगे। उनके साथ हज उड़ान संचालन और तीर्थयात्रा से संबंधित बस और ट्रेन सेवाओं पर चर्चा करेंगे। रिजिजू भारतीय तीर्थयात्रियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले जेद्दाह हज टर्मिनल का भी दौरा करेंगे, जहां सरकार ने सुविधा के लिए एक कार्यालय स्थान समर्पित किया है।

उल्लेखनीय है कि 2025 के लिए भारत का हज कोटा सऊदी अरब द्वारा 1,75,025 तीर्थयात्रियों तय किया गया है। हालांकि सरकार इस वर्ष की तीर्थयात्रा के लिए अतिरिक्त 10,000 कोटा की मांग कर रही है।

ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला दूसरा देश हो सकता है इंडोनेशिया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो के भारत दौरे पर अहम बातचीत संभव
- भारत दौरे के बाद मलेशिया जाएंगे सुबियांतो, पर पाकिस्तान नहीं

बढ़ रही ब्रह्मोस मिसाइल की धमक। प्रतीकात्मक

फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया चीन का दूसरा पड़ोसी हो सकता है जिसके पास भारत निर्मित ब्रह्मोस मिसाइल की क्षमता होगी। इस बारे में भारत और इंडोनेशिया की सरकारों के बीच काफी लंबे अरसे से बातचीत चल रही थी, लेकिन अब वार्ता दूसरे स्तर पर पहुंच गई है। शुरुआत में ब्रह्मोस की कीमत को लेकर चिंतित इंडोनेशियाई सरकार का रक्षा मंत्रालय इस पर बात करने को तैयार हो गया है। भारत की तरफ से भी इंडोनेशियाई पक्ष को इस बात का पूरा आश्वासन दिया गया है कि वह इसकी कीमत को लेकर उसकी संवेदनाओं का पूरा ख्याल रखेगा। भारत बहुत ही आसानी से कर्ज उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करने को तैयार है। दोनों देशों के बीच इस बारे में बातचीत होने से राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के आगामी भारत दौरे के दौरान इस पर गंभीर विमर्श होने की संभावना बन गई है।

सुबियांतो इस वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत के राजकीय मेहमान होंगे। 1950 के बाद यह चौथा अवसर होगा जब इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के गणतंत्र दिवस पर राजकीय मेहमान होंगे। इंडोनेशिया के साथ भारत के बेहद पुराने सांस्कृतिक व ऐतिहासिक संबंध हैं। हाल ही में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम नरेन्द्र मोदी की सुबियांतो से द्विपक्षीय बैठक हुई थी। यहां बताते चलें कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत दौरे के बाद मलेशिया की यात्रा पर जाएंगे। हाल ही में पाकिस्तान की मीडिया में यह खबर प्रकाशित हुई थी कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति भारत के दौरे के बाद सीधे पाकिस्तान जाएंगे। भारत की यह कूटनीति रही है कि वह विदेशी मेहमानों को अपनी जमीन से सीधे पाकिस्तान नहीं जाने का आग्रह करता है। पूर्व में अमेरिका व खाड़ी देशों के प्रशासक भारत और पाकिस्तान का दौरा एक साथ करते थे। लेकिन भारत अब इसका विरोध करता है। संभवतः भारत के आग्रह को ध्यान में रख कर ही इंडोशनियाई राष्ट्रपति ने पाकिस्तान नहीं जाने का फैसला किया है।

इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री साफरी समसोद्दीन ने हाल ही में स्वीकार किया था कि भारत के साथ ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर बातचीत हो रही है। रक्षा मंत्री समसोद्दीन ने यह भी कहा था कि भारत के साथ रक्षा संबंधों के कई आयाम खुलने वाले हैं। दिसंबर, 2024 मे इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय से संबंधित एक उच्चस्तरीय टीम ने भारत का दौरा किया था। इस दौरान ब्रह्मोस को इंडोनेशिया की रक्षा जरूरतों के हिसाब से आंकने का काम किया गया था। सूत्रों का कहना है कि इंडोनेशिया की टीम ने ब्रह्मोस को इंडोनेशिया के लिए बिल्कुल सही करार दिया है। इंडोनेशिया ने अपनी वायु सेना को भी मजबूत बनाने का अभियान शुरू किया है। बताते चलें कि रूस की मदद से तैयार इस मिसाइल सिस्टम को लेकर भारत की बातचीत वियतनाम से भी चल रही है। फिलीपींस, इंडोनेशिया और वियतनाम तीनों देश चीन के साउथ चीन सी में पड़ोसी देश हैं और इन तीनों के साथ चीन का विवाद चल रहा है।

विकसित भारत युवा नेता संवाद में भाग लेंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार का पूरा दिन 'विकसित भारत युवा नेता संवाद' में भाग लेने वालों के साथ बिताएंगे। यह संवाद बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने के उनके प्रयासों का हिस्सा है। यह कार्यक्रम 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। इस दिन स्वामी विवेकानंद की जयंती है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मोदी पूरे देश के 3,000 'गतिशील युवाओं' से बातचीत करेंगे। उन्होंने एक्स कहा कि वह पूरा दिन 'अपने युवा मित्रों' के साथ बिताएंगे और दोपहर के भोजन के दौरान वे 'विकसित भारत' के निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। जिन युवाओं से वह मिलेंगे, उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और संस्कृति के लिए बहुत जुनून दिखाया है। इस संवाद का उद्देश्य विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए युवा मस्तिष्कों की ऊर्जा, रचनात्मकता और नेतृत्व को दिशा प्रदान करना है।

पहली बार नए नियमों के तहत होगी मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति

- अभी तक परंपरानुसार सबसे वरिष्ठ सदस्य को किया जाता था नियुक्त
- सीईसी की नियुक्ति वाले नए कानून की पड़ताल करेगा सुप्रीम कोर्ट
- मौजूदा सीईसी राजीव कुमार 18 फरवरी में होने जा रहे हैं सेवानिवृत्त

नई दिल्ली, प्रेट्र: फरवरी में सेवानिवृत्त होने जा रहे राजीव कुमार के बाद अगले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) की नियुक्ति नए कानून के अनुसार होगी। लेकिन इससे पहले सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर हैं जोकि निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति संबंधी नए कानून की पड़ताल करेगा। वजह, चयन समिति में भारत के चीफ जस्टिस को सदस्य नहीं बनाए जाने को लेकर नए कानून की वैधता को चुनौती दी गई है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और समयावधि) अधिनियम, दिसंबर 2023 में लागू हुआ। इसका पहली बार इस्तेमाल मार्च 2024 में ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू को निर्वाचन आयुक्त के रूप में नियुक्त करने के लिए किया गया था। उन्हें क्रमशः अरुण गोयल के इस्तीफे और अनूप चंद्र पांडे की सेवानिवृत्ति के बाद रिक्त पदों पर नियुक्त किया गया था। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार 65 वर्ष की उम्र होने के पर 18 फरवरी को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसलिए पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति नए कानून के तहत की जाएगी।

सीईसी और ईसी की नियुक्ति से संबंधित नया कानून लागू होने से पहले, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती थी। परंपरा के अनुसार, सबसे वरिष्ठ ईसी को सीईसी के पद पर पदोन्नत किया जाता था। मगर इस बार प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली समिति नए निर्वाचन आयुक्त को लेकर फैसला करेगी। ज्ञानेश कुमार और संधू में से ज्ञानेश वरिष्ठ हैं और उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक है।

नए कानून के अनुसार, कानून मंत्री की अध्यक्षता और दो केंद्रीय सचिवों की सदस्यता वाली खोज समिति पांच नामों का चयन करके चयन समिति को भेजेगी। इसके बाद प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति के समक्ष उन पांच नामों की सिफारिश करेगी। इस चयन समिति में प्रधानमंत्री, उनके द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष शामिल होंगे। कानून की धारा छह के अनुसार, चयन समिति को उन नामों पर भी विचार करने का अधिकार है, जिन्हें कानून मंत्री के नेतृत्व वाली समिति द्वारा सूचीबद्ध नहीं किया गया है।

यूएन-सीईबीडी का सदस्य बना भारत

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारत यूएन कमेटी आफ एक्सपर्ट्स आन बिग डाटा एंड डाटा साइंसेस फार आफिसियल स्टैटिस्टिक्स (यूएन-सीईबीडी) का सदस्य बन गया है। यह वैश्विक सांख्यिकीय क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद का प्रमाण है। यूएन-सीईबीडी को डाटा के लाभों और चुनौतियों के मामलों पर विचार करने के लिए गठित किया गया है। इसके कार्यों में सतत विकास लक्ष्यों की निगरानी और रिपोर्टिंग शामिल है। सांख्यिकी मंत्रालय ने शनिवार को कहा, समिति के सदस्य के रूप में भारत आधिकारिक सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए डाटा विज्ञान का उपयोग करने में वैश्विक मानकों को आकार देने में योगदान देगा।

विशेषज्ञ समिति में भारत की सक्रिय भागीदारी, इसकी अग्रणी पहलों को उजागर करेगी, जिसमें डाटा इनोवेशन लैब की स्थापना और नीति निर्माण के लिए सेटेलाइट इमेजरी और मशीन लर्निंग जैसे वैकल्पिक डाटा स्रोतों की खोज शामिल है। समिति में सदस्यता भारत के लिए डाटा विज्ञान में अपनी घरेलू प्रगति को अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ साझा करने का रणनीतिक अवसर है।

हरियाणा के स्कूलों में अब बच्चे पढ़ेंगे गीता ज्ञान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- पांचवीं से ऊपर के छात्रों को संतों और महान हस्तियों के जीवन के बारे में भी पढ़ाया जाएगा
- बच्चों को संस्कारवान बनाने और सांस्कृतिक ज्ञान प्रदान करने के लिए सरकार ने लिया फैसला

हरियाणा में स्कूली छात्र अब पाठ्यक्रम में श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक भी पढ़ेंगे। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बच्चों को संस्कारवान बनाने और सांस्कृतिक ज्ञान प्रदान करने के लिए आठवीं कक्षा तक गीता को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। पांचवीं कक्षा से ऊपर के छात्रों को मूल्य शिक्षा पाठ्यक्रम के तौर पर गीता के साथ संतों और महान हस्तियों के जीवन के बारे में भी पढ़ाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की तैयारी और स्कूल और उच्चतर शिक्षा में आमूल-चूल सुधार के लिए आयोजित बैठक में कहा कि गीता का अध्ययन छात्रों को नैतिकता, अनुशासन और आध्यात्मिकता की शिक्षा देगा। इससे उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास होगा। स्कूली पाठ्यक्रम में गीता को शामिल करने के लिए प्रदेश सरकार ने एक समिति भी बनाई हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गीता कोई धार्मिक पुस्तक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ज्ञान है। इसमें भगवान कृष्ण ने अर्जुन को जो ज्ञान दिया है, वह हम सभी अगर अपनी जिंदगी में उतार लें तो सफल हो सकते हैं और बहुत आगे बढ़ सकते हैं। यही कारण है कि सरकार गीता ज्ञान को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने जा रही है। गीता के श्लोकों के साथ बच्चों को विनायक दामोदर सावरकर, एपीजे अब्दुल कलाम, महात्मा बुद्ध, छत्रपति शिवाजी, सरोजिनी नायडू और एकलव्य पर आधारित पाठ पढ़ाए जाएंगे। पौराणिक नदी सरस्वती के इतिहास को स्कूलों तथा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में पहले ही शामिल किया जा चुका है।

कल्याणकारी केंद्रीय योजनाओं को 90 प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचाने वाले प्रधान होंगे सम्मानित

जितेंद्र शर्मा ● जागरण

- गणतंत्र दिवस पर 500 ग्राम प्रधानों को सम्मानित करेगा पंचायतीराज मंत्रालय
- 10 में छह योजनाओं के परिणाम को बनाया आधार, राज्यों से आएगा केंद्र सरकार के पास डाटा

इन 10 योजनाओं को बनाया गया है पैमाना

- हर घर जल योजना
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
- मिशन इंद्रधनुष
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
- प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
- प्रधानमंत्री पोषण योजना
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना

नई दिल्ली : तमाम योजनाओं को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच अक्सर भले ही खींचतान दिखाई देती हो, लेकिन पंचायतीराज मंत्रालय के एक प्रयास ने यह संकेत दे दिया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गईं कल्याणकारी योजनाएं सहकारी संघवाद के ढांचे को मजबूती देते हुए धरातल पर सफलता की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। यह महज दावे से इतर आंकड़ों में भी पुष्ट हो, इसके लिए गणतंत्र दिवस समारोह में उन ग्राम प्रधानों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जा रहा है, जिन्होंने अपनी ग्राम पंचायतों में केंद्र सरकार द्वारा चिह्नित 10 में से कम-से-कम छह केंद्रीय योजनाओं का लाभ 90 प्रतिशत या उससे अधिक लाभार्थियों तक पहुंचा दिया है। यहां आने वाले सभी प्रधान गणतंत्र दिवस समारोह में तो शामिल होंगे ही, साथ ही पंचायतीराज मंत्रालय द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा।

इस बार नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के लिए तीन श्रेणियों में ग्राम प्रधानों को आमंत्रित करने का निर्णय हुआ है। योजनाओं पर अमल सत्यापन विभिन्न तरीकों से कराते हुए यह नाम जिलों से होते राज्य और फिर राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार के पास आ रहे हैं। चूंकि, समारोह में सीमित स्थान ही प्रधानों के लिए आवंटित किया जा सकता है, इसलिए तय किया है कि इस श्रेणी में सिर्फ 500 प्रधानों को स्थान दिया जाएगा। राज्यों को यह बता दिया गया है कि ग्राम पंचायतों में योजनाओं की स्थिति के आधार पर अंक देकर स्वयं निर्धारित संख्या में उन प्रधानों के नाम केंद्र को भेज दें, जिन्हें गणतंत्र दिवस समरोह में आना है। इस प्रक्रिया में यह डाटा तैयार हो रहा है कि किन राज्यों में योजनाओं की क्या स्थिति है और कितनी ग्राम पंचायतों में योजनाएं सफलतापूर्वक धरातल पर उतर चुकी हैं।

रेलवे परियोजना के लिए जीएमआरटी को नहीं छेड़ेंगे : वैष्णव

पुणे, प्रेट्र : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि पुणे-नासिक रेल परियोजना के चलते 'विशाल मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप (जीएमआरटी)' को स्थानांतरित नहीं किया जाएगा। इसका एकमात्र विकल्प रेलवे परियोजना के मार्ग में बदलाव करना है। जीएमआरटी पुणे से लगभग 60 किमी दूर पुणे-नासिक राजमार्ग पर नारायणगांव के पास खोडाड गांव में स्थित है। अनुसंधानकर्ताओं ने पुणे-नासिक सेमी हाई स्पीड रेल परियोजना को केंद्र से सैद्धांतिक मंजूरी मिल जाने के बाद इस वैज्ञानिक केंद्र के संचालन में व्यवधान की आशंका व्यक्त की है।

वैष्णव ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नासिक और पुणे के बीच स्थित जीएमआरटी इस परियोजना के लिए एक चुनौती थी। यह सिर्फ भारत का दूरबीन नहीं है, बल्कि यह 23 देशों की संपदा है। स्थानांतरण का मतलब है वैज्ञानिक अनुसंधान के एक शक्तिशाली केंद्र को कमजोर करना। इसीलिए हमने जीएमआरटी को उसके स्थान से नहीं हटाने का फैसला किया।

विश्वस्त स्रोतों से ही होगी बिजली यंत्रों की आपूर्ति

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- नेशनल साइबर सिक्यूरिटी कोआर्डिनेटर ने दिए संकेत
- सप्लाई चेन स्थापित करने के मौजूदा नियम होंगे सख्त

प्रतीकात्मक

वर्ष 2020 में चीन की सेना की पूर्वी लद्दाख स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा क्षेत्र में घुसपैठ के बाद केंद्र सरकार ने दूरसंचार और दूसरे संवेदनशील क्षेत्रों में कल-पुर्जों व उपकरणों की आपूर्ति को लेकर नए नियम लागू किए थे। अब केंद्र सरकार इसका दायरा बढ़ाने जा रही है। नियमों को सख्त करने की शुरुआत बिजली क्षेत्र से करने की तैयारी है।

बिजली क्षेत्र में सिर्फ भरोसेमंद स्रोतों से सप्लाई चेन स्थापित करने के मौजूदा नियमों को ज्यादा सख्त बनाने पर विचार किया जा रहा है। यह जानकारी नेशनल साइबर सिक्यूरिटी कोआर्डिनेटर एमयू नायर ने फिक्की की तरफ से साइबर सिक्यूरिटी पर आयोजित सेमिनार में दी।

सरकार का यह फैसला सौर उर्जा सेक्टर से लेकर बैटरी निर्माण के मौजूदा घरेलू ढांचे को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। यह फैसला साइबर सुरक्षा के बढ़ते खतरे से देश के बिजली सेक्टर को पूरी तरह से से बचाने के उद्देश्य से किया जाएगा।

बताते चलें कि बिजली मंत्रालय ने दो जुलाई, 2020 को चीन से आयातित बिजली उपकरणों के आयात से पहले पूर्व अनुमति का नियम लागू किया। यह भी नियम है कि बाहर से जो बिजली उपकरण आयात होते हैं उनकी साइबर सुरक्षा को लेकर परीक्षण किया जाए, हालांकि इस दौरान देश में चीन से आयातित बिजली सेक्टर से जुड़े उत्पादों के आयात में लगातार वृद्धि हुई है।

शोध एजेंसी जीटीआरआइ की रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ सोलर सेक्टर में भारत को हर साल 30 अरब डालर के उपकरणों की जरूरत है। इसका बहुत बड़ा हिस्सा आयात करना होगा।

गोल्डमैन सैश की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2050 तक भारत के बिजली ट्रांसमिशन सेक्टर में 500 अरब डालर मूल्य का निवेश करना होगा जिसका बड़ा हिस्सा अत्याधुनिक ट्रांसफार्मरों के निर्माण से जुड़ा होगा। साथ ही साइबर सुरक्षा का खतरा पहले के मुकाबले अब ज्यादा व्यापक हो गया है। इसे देखते हुए केंद्र सरकार मौजूदा नियमों में बड़े संशोधन करने की तैयारी में है।

बिजली मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि नए संशोधन किसी देश के खिलाफ नहीं होगा बल्कि भारतीय बिजली सेक्टर को पूरी तरह से साइबर हमले के खतरे से मुक्त करने के उद्देश्य से किया जाएगा। संवेदनशील बिजली उपकरणों का निर्माण घरेलू स्तर पर करना इसका अहम हिस्सा होगा। सोलर एनर्जी सेक्टर में यह काम पहले से हो रहा है। बिजली स्मार्ट मीटर निर्माण में भी भारतीय कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। पर्याप्त ट्रांसफार्मरों के निर्माण में आत्मनिर्भर होना चुनौती है। अगले दो से तीन वर्षों में इसमें भी सुधार होगा।

सुधार

उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों की सेवा शर्तों को लेकर भी यूजीसी ने जारी किया मसौदा, छुट्टी में कटौती के बदले अर्जित अवकाश में से एक तिहाई छुट्टियों को क्रेडिट कराने की दी सुविधा

प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम 15 हफ्ते पढ़ाना होगा अनिवार्य

अरविंद पांडेय ● जागरण

- शिक्षकों को शोध और इनोवेशन जैसे गतिविधियों से जुड़ने की दी सलाह

नई दिल्ली : विश्वविद्यालयों सहित देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की भर्ती के लिए नए नियमों का मसौदा जारी करने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने उनके पढ़ाने के घंटों में भी बढ़ोतरी कर दी है। शिक्षकों को अब प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम 15 हफ्ते पढ़ाना अनिवार्य होगा। अभी प्रत्येक सेमेस्टर में उन्हें अधिकतम 13 हफ्ते ही पढ़ाना होता है। यूजीसी ने शिक्षकों को पढ़ाई के इन बढ़ाए गए दिनों में खुद को शोध और इनोवेशन जैसे गतिविधियों से जोड़ने की सलाह दी है। जिसका फायदा संस्थान के साथ छात्रों को भी मिलेगा जो नए माहौल में अपने सपनों को उड़ान दे सकेंगे।

शिक्षकों के कामकाज से जुड़े नए नियमों के मसौदे में यूजीसी ने जो व्यवस्थाएं की हैं, उनमें पढ़ाई के बढ़े घटों से शिक्षकों की छुट्टी के दिनों में होने वाले दो हफ्ते के नुकसान की भरपाई की गई है। शिक्षकों को एक साल में मिलने वाले अर्जित अवकाश (अर्न लीव) में से एक तिहाई अवकाश को क्रेडिट कराने की सुविधा दी गई है। कालेजों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को एक और विकल्प दिया गया है इसके तहत वे एक शैक्षणिक सत्र में कुल 10 हफ्ते तक की छुट्टी पर रह सकते हैं। हालांकि इसके अलावा उन्हें और कोई छुट्टी नहीं मिलेगी।

हालांकि वह विश्वविद्यालयों के शिक्षकों की तरह अपने अर्जित अवकाश में से एक तिहाई अवकाश को क्रेडिट करा सकते है। मौजूदा समय में एक सेमेस्टर छह महीने का होता है। एक महीने में चार हफ्ते होते है। ऐसे में एक सेमेस्टर में कुल 24 हफ्ते होते है। इनमें से शिक्षकों को कम से कम 15 हफ्ते अनिवार्य रूप से पढ़ाने के लिए कहा गया है।

गौरतलब है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाने वाले शिक्षकों का छात्रों के पढ़ाने के साथ ही एक बड़ा समय शोध, प्रशिक्षण, सेमिनार आदि गतिविधियों में जाता है। इसके साथ ही संस्थान उन्हें खुद पढ़ने के लिए भी पर्याप्त समय मुहैया कराता है। हाल ही में यूजीसी ने शिक्षकों की भर्ती के नए नियमों को लेकर भी मसौदा जारी किया है। जिसे लेकर पांच फरवरी तक सभी से सुझाव देने को कहा है।

शिक्षकों के लिए बनाई नई आचार संहिता

आयोग ने शिक्षकों से कहा है उन्हें छात्रों को विचार रखने का अधिकार देना चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। धर्म, जाति, राजनीति, आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक बनावटों पर ध्यान दिए बगैर उनके साथ न्यायपूर्ण व निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। छात्रों के साथ सम्मान से पेश आना चाहिए। किसी भी कारण से उनमें से किसी के प्रति प्रतिशोधात्मक व्यवहार न करें। अपने कक्षा के घंटों के अतिरिक्त भी छात्रों के लिए उपलब्ध रहें और बिना किसी पारिश्रमिक या पुरस्कार के छात्रों की मदद और मार्गदर्शन करें। लोकतंत्र, देशभक्ति, शांति के आदर्शों, सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण की आदि भावना को छात्रों के अंदर विकसित करें। छात्रों को अन्य छात्रों, सहकर्मियों या प्रशासन के विरुद्ध भड़काने से बचें। शिक्षकों से कहा है कि मौजूदा नियमों के अनुसार अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। निजी ट्यूशन या कोचिंग कक्षाओं सहित किसी भी अन्य रोजगार और प्रतिबद्धता को लेने से बचें, जो उनकी पेशेवर जिम्मेदारियों में हस्तक्षेप पैदा करें।

****

कह कर रहेंगे माधव जोशी

4 बांग्लादेशी घुसपैठियों को त्रिपुरा के खोवई जिले में गिरफ्तार किया गया है। बिना वैध दस्तावेज के भारत में घुसपैठ करने में सहायता के लिए एक भारतीय नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 12 जनवरी, 2025

पवार ने फर्जी नैरेटिव का गुब्बारा फूटने के बाद संघ की प्रशंसा की : फडणवीस

पलटवार ▶ महाराष्ट्र के सीएम बोले– राकांपा (शप) प्रमुख जान गए, संघ राष्ट्रवादी शक्ति

शरद बहुत बुद्धिमान नेता, प्रशंसा से पहले किया होगा हर पहलू का अध्ययन

राज्य ब्यूरो, मुंबई

देवेंद्र फडणवीस। फाइल

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राकांपा (शप) के प्रमुख शरद पवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रशंसा यह एहसास होने के बाद की है कि कैसे यह संगठन 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्ष द्वारा फैलाए गए फर्जी नैरेटिव (झूठी कहानियों) से पार पाने में कामयाब रहा।

फडणवीस के अनुसार तब विपक्ष ने दावा किया था कि भाजपा संविधान बदलने और आरक्षण समाप्त करने के लिए 400 सीटें जीतना चाहती है। भाजपा नेताओं ने बाद में माना कि इस कथन से पार्टी को कड़ी चोट पहुंची। दूसरी ओर हाल ही में शरद पवार द्वारा विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा महायुति के पक्ष में किए गए कार्यों की प्रशंसा की गई है। पवार की इस प्रशंसा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फडणवीस ने कहा कि जब विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे थे तो संघ से प्रेरित विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने अपनी भूमिका निभाई और लोकसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा गढ़ा गया फर्जी कहानी का गुब्बारा फोड़ दिया। शरद पवार बहुत बुद्धिमान हैं। उन्होंने निश्चित रूप से इस पहलू का अध्ययन किया होगा। उन्होंने महसूस किया कि आरएसएस कोई सामान्य राजनीतिक शक्ति नहीं बल्कि एक राष्ट्रवादी शक्ति है। फडणवीस ने आगे कहा कि किसी भी प्रतिस्पर्धा में, दूसरों की प्रशंसा करना अच्छा होता है। शायद इसीलिए पवार ने संघ की प्रशंसा की होगी।

शनिवार को नागपुर में एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए फडणवीस ने कहा कि जब जून 2022 में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया था, तब मैंने सरकार में शामिल होने के बजाय संगठन का कार्य करने की इच्छा जताई थी। लेकिन हमारे वरिष्ठ नेताओं ने हमें सरकार में शामिल होने के लिए कहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें संविधानेत्तर सत्ता की तरह व्यवहार न करने को कहा। यह पूछे जाने पर कि मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह में से कौन अधिक सख्त है, फडणवीस ने कहा कि मोदी बहुत अनुशासित राजनेता हैं, जबकि शाह को सुविधानुसार राजनीतिक निर्णय लेने के लिए कभी-कभी मना लिया जाता है। मोदी सुविधा के लिए कुछ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के आदेश पर उपमुख्यमंत्री बनने के फैसले से उन्हें कार्यकर्ताओं से काफी प्रशंसा मिली।

फडणवीस ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि 2024 के विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन को मिले भारी जनादेश के बाद अगर मुख्यमंत्री भाजपा का नहीं बनता तो लोग और पार्टी कार्यकर्ता खुश नहीं होते। उन्होंने कहा कि शिंदे ने कुछ ही मिनटों में सहमति जता दी थी कि मुख्यमंत्री भाजपा से होना चाहिए, जिसे 132 सीटें मिली हैं और वह 288 सदस्यीय सदन में बहुमत के करीब है।

नागपुर में विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से हुई मुलाकात पर फडणवीस ने कहा कि उन्होंने घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वह बदले की राजनीति नहीं करेंगे और सभी नेताओं ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। राकांपा (शरद पवार) गुट और राकांपा के करीब आने या फिर से एक होने की संभावनाओं पर फडणवीस ने कहा यदि आप 2019 से 2024 तक हुए घटनाक्रमों को देखें तो मुझे लगता है कि कभी भी और कुछ भी हो सकता है। उद्धव ठाकरे किसी अन्य पार्टी में चले जाते हैं और अजित पवार हमारे पास आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि पहले उद्धव ठाकरे मित्र थे और अब राज ठाकरे मित्र हैं।

रवींद्र चव्हाण बने महाराष्ट्र भाजपा के कार्याध्यक्ष

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

▶ भाजपा के प्रदेश अधिवेशन के पहले दिन केंद्रीय नेतृत्व ने संगठन में किया बड़ा फेरबदल

▶ बावनकुले पूर्णकालिक अध्यक्ष चुने जाने तक बने रहेंगे अध्यक्ष, राजस्व मंत्री की भी भूमिका निभा रहे

रवींद्र चव्हाण। फाइल

महाराष्ट्र भाजपा के प्रदेश अधिवेशन के पहले दिन भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए विधायक रवींद्र चव्हाण को प्रदेश भाजपा का कार्याध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। अध्यक्ष पद पर चंद्रशेखर बावनकुले अगला पूर्णकालिक अध्यक्ष चुने जाने तक बने रहेंगे।

हाल के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले को फडणवीस मंत्रिमंडल में राजस्व मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। दूसरी ओर महाराष्ट्र सहित पूरे देश में संगठन चुनाव एवं सदस्यता अभियान भी चल रहा है।

अब तक चंद्रशेखर बावनकुले पर सरकार एवं संगठन, दोनों की जिम्मेदारियां रही हैं। यहां तक कि उनके ही नेतृत्व में प्रदेश भाजपा ने विधानसभा चुनाव में रिकार्ड 132 सीटें हासिल की हैं। माना जा रहा है अब उनके सरकार में शामिल हो जाने के बाद संगठन की जिम्मेदारियां हलकी करने के उद्देश्य से उनके साथ एक कार्याध्यक्ष की नियुक्ति की गई है।

केंद्रीय नेतृत्व द्वारा इस नियुक्ति की घोषणा शिरडी में चल रहे भाजपा के प्रदेश अधिवेशन के पहले दिन की गई है। महाराष्ट्र भाजपा में पहली बार इस प्रकार कोई कार्याध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रवींद्र अब तक संगठन पर्व के प्रमुख थे। अर्थात प्रदेश में चल रहे संगठन चुनावों की जिम्मेदारियां देख रहे थे। शिरडी में रविवार को प्रदेश अधिवेशन के दूसरे दिन संगठन चुनावों के साथ-साथ अगले कुछ महीनों में होने जा रहे स्थानीय निकाय चुनावों की रणनीति भी तय की जाएगी। इस अधिवेशन का समापन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण से होगा।

ओडिशा का जिला, छत्तीसगढ़ में बवाल, नवीन ने लिखा विष्णु को पत्र

राज्य, नईदुनिया, रायपुर: ओडिशा की पंचायती राज संस्था के ब्लाक अध्यक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को लेकर हार्स ट्रेडिंग के आरोपों का मामला बढ़ गया है। नतीजतन, वहां के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखना पड़ा है। उन्होंने पत्र लिखकर ओडिशा के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री नबा दास के बेटे बिशाल दास सहित लगभग 35 लोगों को छत्तीसगढ़ पुलिस की हिरासत से मुक्त करने की मांग की। पटनायक ने अपने पत्र के माध्यम से ओडिशा के पूर्व मंत्री नबा दास के बेटे बिशाल दास को हिरासत में लिए जाने का विरोध जताया। पटनायक ने कहा कि ये घटना ठीक नहीं है, रिश्तों को खराब करने वाली है।
दरअसल, गुरुवार रात छत्तीसगढ़ की सरायपाली पुलिस ने पड़ोसी ओडिशा से आए 35 लोगों को हिरासत में लिया था। जो लोग हिरासत में लिए गए थे उनमें मंत्री पुत्र के साथ किरमिरा ब्लाक के सरपंच, समिति के सदस्य और पंच शामिल थे। किरमिरा में ब्लाक अध्यक्ष के खिलाफ शुक्रवार को अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी थी। इन 35 लोगों में दो ऐसे मतदाता भी थे जो हाल ही में भाजपा छोड़कर बीजद में आए थे। किरमिरा के ब्लाक अध्यक्ष का पद भाजपा के पास है। उनकी वोटिंग से वहां सत्ता परिवर्तन हो सकता था।

तेजस्वी बोले–थक चुके हैं नीतीश, उनके साथ जाने का मतलब पैर पर कुल्हाड़ी मारना

जासं, बगहा, (पश्चिमी चंपारण)

तेजस्वी यादव। फाइल

नीतीश कुमार। फाइल

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश के साथ जाना मतलब पैर पर कुल्हाड़ी मारना है। नीतीश अब थक चुके हैं। डीके सुपर सीएम हैं। वे ही सरकार चला रहे। बिहार में डीके टैक्स की वसूली हो रही है। हालांकि यह पूछने पर कि डीके कौन है, तेजस्वी यादव ने कहा–समय आने पर बताएंगे।

शनिवार को पश्चिमी चंपारण जिले में बगहा की तिरुपति चीनी मिल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट में पलायन, गरीबी व बेरोजगारी में बिहार टाप पर है। उन्होंने सरकार बनने पर माई-बहिन योजना के तहत महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह देने का वादा किया। कहा कि स्मार्ट मीटर से लोग परेशान हैं। अधिक बिजली बिल आ रहा है। मेरी सरकार बनी तो 200 यूनिट बिजली फ्री देंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रिटायर अधिकारियों के साथ सरकार चला रहे हैं। सीएम की प्रगति नहीं, दुर्गति यात्रा है। बिहार में 20 साल व केंद्र में 11 वर्ष से एनडीए की सरकार है। बावजूद बिहार काफी पिछड़ा है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बिहारवासियों पर बयान को लेकर तेजस्वी ने कहा कि उन्होंने कोई गाली नहीं दी। उनका बयान वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने को लेकर था।

नीतीश की वापसी के रास्ते कर चुके हैं बंद

बता दें, तेजस्वी यादव ने दिसंबर में पहले कहा था कि नीतीश कुमार के लिए महागठबंधन के रास्ते हमेशा के लिए बंद हो चुके हैं। हालांकि उसके कुछ दिन बाद नववर्ष के पहले दिन एक उनके पिता और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा था कि नीतीश आना चाहें तो महागठबंधन में कभी भी आ सकते हैं। उसके बाद नीतीश ने भी लगातार तीन दिन तक सफाई दी थी कि अब वह कहीं नहीं जा रहे हैं। हमलोग यही ठीक हैं।

संगठन में भागीदारी को पहुंच रहीं तीस प्रतिशत महिलाएं

राज्य, जागरण ● लखनऊ: कांग्रेस में पदाधिकारी बनने के लिए महिलाएं भी बढ़-चढ़कर अपनी दावेदारी पेश कर रही हैं। संगठन सृजन के लिए जिलावार की जा रही बैठकों में लगभग तीस प्रतिशत महिला नेता व कार्यकर्ता भी शामिल हो रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि संगठन में काम करने के लिए महिला कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ आगे आ रही हैं। संगठन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को ब्रज जोन की समीक्षा बैठकें की। शाहजहांपुर, बरेली, पीलीभीत, बदायूं, फर्रुखाबाद, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, आगरा, अलीगढ़, कासगंज, मथुरा व हाथरस के कार्यकर्ताओं की अलग-अलग हुईं बैठकों में क्षेत्र में उनकी सक्रियता को लेकर सवाल-जवाब किए गए। कार्यकर्ताओं से भविष्य के कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की गई और उनके सुझाव भी लिए गए।

हरियाणा में अब पंचायती राज चुनावों में अब बीसी–बी को भी दिया जाएगा आरक्षण

सुधीर तंवर ● जागरण

▶ बीसी–बी को पांच प्रतिशत आरक्षण के आदेश जारी

▶ बीसी–ए को आठ प्रतिशत आरक्षण पहले से दिया जा रहा

प्रतीकात्मक।

चंडीगढ़: हरियाणा में अब ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषद चुनावों में पिछड़ा वर्ग-ए (बीसी-ए) की तरह पिछड़ा वर्ग-बी (बीसी-बी) को भी आरक्षण दिया जाएगा। हालांकि बीसी-ए को जहां आठ प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है, वहीं बीसी-बी को पांच प्रतिशत आरक्षण से काम चलाना होगा। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं में पहले ही बीसी-बी के लिए पांच प्रतिशत सीटें आरक्षित की जा चुकी हैं।

विधि तथा विधायी विभाग की प्रशासकीय सचिव रितु गर्ग ने हरियाणा पंचायती राज संशोधन अधिनियम-2024 को लागू करने के आदेश जारी कर दिए हैं। अब स्थानीय निकायों के साथ ही भविष्य में पंचायती राज संस्थाओं में सभी पदों के लिए होने वाले चुनाव में बीसी-बी के प्रत्याशियों को पांच प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। प्रदेश में बीसी-ए की 18.93 प्रतिशत और बीसी-बी की 15.05 प्रतिशत आबादी है। आरक्षण के नियमों में बदलाव से अब बीसी (बी) को स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में और अधिक भागीदारी तथा अधिकार मिलेंगे। इससे उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और वे समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

इस वर्ष राज्य में होने हैं 34 स्थानीय निकायों के चुनाव

इस साल 34 स्थानीय निकायों के चुनाव होने हैं, जिनमें से अधिकतर में बीसी–बी के लिए वार्ड आरक्षित किए जा चुके हैं। पंचायती राज संस्थाओं की बात करें तो प्रदेश में वर्ष 2027–27 में पंच–सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों और जिला परिषद सदस्यों के चुनाव होंगे जिनमें बीसी–बी को आरक्षण मिल पाएगा। हालांकि इससे पहले अगर किसी पंचायती राज संस्था में उपचुनाव की नौबत आती है तो आरक्षण का नया नियम लागू होगा। किसी भी पंचायत में बीसी–बी की दो प्रतिशत आबादी होने पर पंचायत सदस्य की एक सीट इस वर्ग के लिए आरक्षित होगी। पंचायत में एससी और बीसी–ए के लिए 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित होने की स्थिति में बीसी–बी को आरक्षण नहीं मिल पाएगा।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

अरुणाचल में सेना की बुजुर्गों के लिए आध्यात्मिक यात्रा

ईटानगर: सेना ने अपने 'आपरेशन सद्भावना' और 'वाइब्रेंट वीलेज प्रोग्राम' के तहत अरुणाचल प्रदेश में पश्चिमी कामेंग और तवांग जिले के गांवों से 22 बुजुर्ग लोगों के लिए शुक्रवार को आध्यात्मिक यात्रा शुरू की है। रक्षा विभाग के जारी बयान में कहा गया है कि इस पहल का उद्देश्य सांस्कृतिक संरक्षण, आध्यात्मिक ज्ञान और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना है। (प्रेट्र)

अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव में 47 देशों के 147 पतंगबाज

अहमदाबाद: गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को चार दिन तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव का उद्घाटन किया। अहमदाबाद में साबरमती नदी के किनारे 11 से 14 जनवरी तक चलने वाले उत्सव में 47 देशों से 147 पतंगबाज भाग लेने पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पतंग बाजार में गुजरात की भागीदारी 65 प्रतिशत है। यहां से अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों को पतंग का निर्यात किया जाता है। (प्रेट्र)

सरपंच हत्या मामले में आठ के विरुद्ध मकोका

मुंबई: महाराष्ट्र के बीड जिले में मसाजोग सरपंच संतोष देशमुख की क्रूरतापूर्वक हत्या को लेकर जारी विवाद के बीच एसआइटी ने सभी आठ आरोपितों के विरुद्ध शनिवार को मकोका में मामला पंजीकृत किया। मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी भरोसेमंद वाल्मीक कराड के विरुद्ध मकोका नहीं लगाया गया है। वाल्मीक सरपंच हत्या मामले का मास्टरमाइंड है। (आइएएनएस)

तेलंगाना में पांच युवक कोंडा पोचम्मा जलाशय में डूबे

हैदराबाद: तेलंगाना के सिद्दिपेट में शनिवार को पांच युवक कोंडा पोचम्मा सागर जलाशय में डूब गए। हैदराबाद से सात लोग जलाशय तक आए थे। उनमें से पांच जलाशय में उतरे और डूब गए। दो अन्य फोटो ले रहे थे। वे कोंडा पोचम्मा मंदिर आए थे। दूसरे रास्ते से ये लोग जलाशय तक पहुंच गए। जलाशय में बाहरियों को प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। (प्रेट्र)

झारखंड में स्कूली छात्राओं की शर्ट उतरवाने का आरोप, जांच

जागरण संवाददाता, धनबाद

▶ सीसीटीवी खंगाला, अभिभावकों, छात्राओं और प्राचार्या से की पूछताछ

▶ प्राचार्या ने कहा– यहां पढ़ने वाली सभी हमारी बच्चियां, आरोप गलत

झारखंड में धनबाद के डिगवाडीह स्थित कार्मल स्कूल में गुरुवार को छात्राओं ने पेन डे मनाया था। एक दूसरे की शर्ट पर बधाई संदेश, मन के भाव व परीक्षा के लिए 'बेस्ट आफ लक' लिखा। इस मामले में कई अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने ब्लेजर पहनने दिया, छात्राओं की शर्ट उतरवा दी।

इधर, मामले के तूल पकड़ने और अभिभावकों की शिकायत पर धनबाद की उपायुक्त माधवी मिश्रा ने एसडीएम राजेश कुमार व डीईओ निशु कुमारी को इसके जांच के निर्देश दिए। पूरे प्रकरण में स्कूल की प्राचार्या देवश्री ने बताया कि सभी आरोप निराधार हैं। यहां पढ़ने वाली हमारी भी बच्चियां हैं, क्या हम इनके साथ ऐसा कर सकते हैं। छात्राओं को अच्छी शिक्षा देते हैं, अनुशासन का पाठ पढ़ाते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि हम छात्राओं को सामाजिक स्तर पर अपमानित करेंगे।

इधर, डीसी के निर्देश के बाद जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की टीम शनिवार को स्कूल पहुंची। एसडीएम एवं डीईओ ने सीसीटीवी खंगाला, अभिभावकों के आरोपों के मद्देनजर प्राचार्या से पूछताछ की।

एसडीएम राजेश कुमार ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सोमवार को अभिभावकों के सामने सीसीटीवी देखा जाएगा और रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपी जाएगी।

गर्भवती पत्नी को पाने के लिए युवक ने दायर की याचिका

राज्य, अहमदाबाद: गुजरात हाई कोर्ट में याचिका दायर कर एक युवक ने गर्भवती पत्नी को सौंपे जाने की गुहार लगाई। उसने ससुर व साली पर पत्नी को गुमराह कर झारखंड ले जाने का आरोप लगाया है। हाई कोर्ट ने नोटिस जारी कर मेहुल का पत्नी के साथ इंटरनेट मीडिया पर संपर्क कराने का निर्देश दिया है।

ब्रिटेन की नागरिकता रखने वाले मेहुल मेहता ओवरसीज सिटीजनशिप आफ इंडिया कार्ड धारक है। उसने वैवाहिक पोर्टल के माध्यम से झारखंड की तलाकशुदा युवती से जनवरी 2023 में विवाह किया था। अगस्त 2024 में उसकी साली अहमदाबाद आई और उसकी गर्भवती पत्नी को साथ ले गई। वहां जाने के बाद पत्नी से उसका संपर्क नहीं रहा। याचिका में युवक ने कहा है कि वह वैदिक रीति से गर्भ संस्कार कराना चाहता है तथा पत्नी की अहमदाबाद के अच्छे अस्पताल में डिलीवरी कराना चाहता है।

आखिर 'खाकी' को गुस्सा क्यों आता है?

जागरण संवाददाता, आगरा

▶ कमिश्नरेट में किया जा रहा है सर्वे, जवाब के आधार पर तय होगी केटेगिरी

▶ सहमत और असहमत पैटर्न पर पूछे गए हैं 10 सवाल, दिया जाएगा प्रशिक्षण

पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों को शिष्टाचार संवाद का प्रशिक्षण देते डा. नवीन गुप्ता। सौ. पुलिस

पुलिस कमिश्नरेट में शिष्टाचार व्यवस्था के लिए स्थायी समाधान भी खोजा जा रहा है। दुर्व्यवहार के साथ खाकी वर्दी वालों के गुस्से के कारणों को समझने के लिए पुलिसकर्मियों के बीच सर्वे कराया जा रहा है। पहले चरण में उन पुलिसजन को शामिल किया जा रहा है, जो सीधे जनता के संपर्क में रहते हैं। इस सर्वे में आने वाले जवाबों से पुलिसकर्मियों की मनोवृत्ति के आधार पर कैटेगिरी तय करके उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा।

जनता के साथ पुलिसकर्मियों के व्यवहार के संबंध में आने वाली शिकायतों को लेकर नए वर्ष में पुलिस आयुक्त जे.रविन्दर गौड ने शिष्टाचार व्यवस्था लागू की है। कांस्टेबल से अधिकारी तक के लिए जनता से शिष्ट व्यवहार के निर्देश दिए हैं। इस समस्या के व्यापक समाधान पर जोर दिया जा रहा है। इसमें पुलिसकर्मियों की मनोस्थिति और मनोवृत्ति का अध्ययन कराया जा रहा है। इसके लिए एसीपी ताज सुरक्षा अरीब अहमद को प्रभारी बनाया है। एसीपी अरीब अहमद ने बताया कि पुलिसकर्मियों के व्यवहार को लेकर कई चरणों में अध्ययन किया जा रहा है। प्रथम चरण में शहर में तैनात एक हजार पुलिसकर्मियों का सर्वे कराया जा रहा है। इनमें पुलिस कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर तक शामिल हैं। इस सर्वे से पुलिसकर्मियों के मनोवृत्ति (एटीट्यूट) का अध्ययन किया जाएगा। इसके बाद पारिवारिक कारणों को लेकर सर्वे कराया जाएगा। मनोविज्ञानियों के साथ मिलकर सर्वे में आने वाले जवाबों के अध्ययन के अनुसार प्रशिक्षण की रणनीति तैयार की जाएगी।

मणिपुर में भीड़ ने असम राइफल्स का अस्थायी शिविर ध्वस्त किया

इंफाल, प्रेट्र: मणिपुर के कामजोंग जिले में शनिवार को भीड़ ने असम राइफल्स के अस्थायी शिविर पर धावा बोल दिया और उसे ध्वस्त कर दिया। भीड़ ने लकड़ी परिवहन पर प्रतिबंध और उत्पीड़न को लेकर यह कदम उठाया है। होंगबेई क्षेत्र में शिविर पर हमला करने वाले लोग नगा बहुल जिले के कासोम खुल्लेन ब्लाक के थे। अधिकारियों ने बताया कि कासोम खुल्लेन में आवास निर्माण के लिए जा रही लकड़ी असम राइफल्स के जवानों ने रोक दी जिससे तनाव पैदा हो गया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए असम राइफल्स कर्मियों ने आंसू गैस के गोले का प्रयोग किया और हवाई फायर किए। भीड़ ने अर्धसैनिक बल को क्षेत्र से हटाने की मांग की। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। वहीं, मणिपुर के जिरिबाम जिले में प्रतिबंधित संगठन हमार पीपुल्स कन्वेशन (डेमोक्रेटिक) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। उग्रवादी के पास से विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है।

230 मीटर की दूरी पर पहुंचे 'स्पैडेक्स' के दोनों अंतरिक्षयान

▶ सही तरीके से काम कर रहे हैं दोनों अंतरिक्षयान

▶ भारत 'स्पैडेक्स' प्रयोग कर कीर्तिमान रचने को तैयार

बेंगलुरु, प्रेट्र: भारत अपने महत्वाकांक्षी स्पैडेक्स मिशन में सफलता हासिल के काफी करीब पहुंच गया है। इसरो ने शनिवार को कहा कि स्पेस डाकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) के तहत दोनों अंतरिक्षयान इस समय 230 मीटर की दूरी पर हैं। दोनों अंतरिक्षयान ठीक तरीके से काम कर रहे हैं। शुक्रवार को दोनों अंतरिक्षयान 1.5 किमी की दूरी पर थे।

डाकिंग के लिए दोनों अंतरिक्षयानों को 225 मीटर तक की दूरी तक लाना है। हालांकि, इसरो ने डाकिंग प्रयोगों के लिए कोई तारीख तय नहीं की है। 'स्पैडेक्स' मिशन के तहत भारत अंतरिक्षयान को 'डाक' और 'अनडाक' करने की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। इस सफलता के साथ ही भारत अमेरिका, रूस और चीन के बाद अंतरिक्ष 'डाकिंग' प्रौद्योगिकी में सक्षम दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

एक अंतरिक्षयान से दूसरे अंतरिक्षयान के जुड़ने को डाकिंग और अंतरिक्ष में जुड़े दो यानों के अलग होने को अनडाकिंग कहते हैं। यह प्रौद्योगिकी भारत के महत्वाकांक्षी मिशनों जैसे चंद्रमा से नमूने वापस लाने, भारतीय अंतरिक्ष केंद्र के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है।

इसरो ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, दोनों अंतरिक्षयान 230 मीटर की इंटर सेटेलाइट डिस्टेंस (आइएसडी) पर हैं। सेंसर का मूल्यांकन किया जा रहा है।

स्पैडेक्स डाकिंग प्रयोग को अब तक दो बार टाला जा चुका है। जब इस मिशन को लांच किया गया था, डाकिंग प्रक्रिया सात जनवरी को करने की योजना थी, लेकिन डाकिंग को नौ जनवरी तक टाल दिया गया। अंतरिक्षयानों को निर्धारित दूरी तक लाने में सफलता मिलने के कारण इसे फिर टाल दिया गया था।

****

पत्नी व चार बेटियों के हत्या में वांछित बदर पर इनाम, चस्पा किया पोस्टर

जासं, आगरा: बेटे अरशद के साथ मिलकर पत्नी और चार बेटियों की हत्या करने वाले मोहम्मद बदर की तलाश में लखनऊ पुलिस ने आगरा में पोस्टर चस्पा किए हैं। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखने के साथ उचित इनाम देने की घोषणा की गई है। आरोपित की आगरा, दिल्ली और अजमेर समेत कई जिलों में तलाश की जा रही है।

लखनऊ के होटल शरनजीत में बीते 31 दिसंबर की रात बदर ने बेटे अरशद के साथ मिलकर पत्नी असमा व चार बेटियों अल्शिया, रहमीन, अक्सा और आलिया की निर्मम हत्या कर दी थी। अरशद ने वारदात के बाद लाशों के साथ वीडियो बनाकर पड़ोसियों पर आरोप लगाए थे। पुलिस ने अरशद को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया था। पिता बदर फरार है। उसकी आखिरी लोकेशन कानपुर में थी। लखनऊ पुलिस ने शहर में बदर के पोस्टर चस्पा किए हैं। पोस्टर में बदर की दाढ़ी के साथ और बिना दाढ़ी -मूंछ के दो फोटो लगाए गए हैं।

चुनावों के बाद आइएनडीआइए की बैठक नहीं होने पर राउत ने जताई निराशा

प्रथम पृष्ठ से आगे

संजय राउत ने एक दिन पहले ही कांग्रेस पार्टी से 2024 के आम चुनाव लड़ने के लिए बने गठबंधन आइएनडीआइए को बचाने की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया था। उन्होंने निराशा व्यक्त की कि चुनावों के बाद से आइएनडीआइए की एक भी बैठक नहीं हुई है, जबकि यह बैठक कांग्रेस पार्टी को ही बुलानी है। राउत ने कहा कि यह सच है कि आइएनडीआइए का गठन लोकसभा चुनाव के लिए हुआ था और चुनाव के बाद इस गठबंधन की एक भी बैठक नहीं हुई। इसके लिए कांग्रेस जिम्मेदार है।

आइएनडीआइए को वर्तमान में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि दिल्ली में पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच टकराव बढ़ गया है। दोनों दल एक-दूसरे के विरुद्ध ताल ठोक रहे हैं। इससे पहले, भाकपा महासचिव डी राजा स्वीकार कर चुके हैं कि लोकसभा चुनावों के बाद आइएनडीआइए विभाजित हो गया है। संजय राउत द्वारा नागपुर और मुंबई के महानगरपालिका चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा के बाद महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने पत्रकारों से इस बात की जानकारी मिलने पर कहा कि शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव को अहसास हो गया है कि 2019 में भाजपा का साथ छोड़कर कांग्रेस-राकांपा के साथ जाना उनकी बहुत बड़ी गलती थी। इसका परिणाम अब उन्हें भुगतना पड़ रहा है। संभवतः इससे सबक लेकर ही अब उन्होंने कांग्रेस के साथ न चलने का फैसला किया है। संभवतः इसीलिए संजय राउत अब नागपुर एवं मुंबई जैसे स्थानीय निकायों के चुनाव अकेले लड़ने की बात कह रहे हैं। यहां बता दें कि दो दिन पहले उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी ने कांग्रेस को झटका देते हुए पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल की आप को समर्थन देने की घोषणा की थी।

66 किलो मारिजुआना जब्त की है ईडी ने त्रिपुरा में नार्कोटिक्स तस्करी से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले के तहत। अंतर-राज्यीय ड्रग्स कार्टेल के विरुद्ध राज्य में 10 जनवरी को छापेमारी की गई।

न्यूज गैलरी

तमिलनाडु में यौन अपराधों की सुनवाई करेंगी विशेष अदालतें

चेन्नई : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शनिवार को महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों की सुनवाई के लिए सात विशेष अदालतों की स्थापना की घोषणा की। हर जिले में एक विशेष समिति का भी गठन होगा। स्टालिन ने कहा कि यौन अपराधों के लिए दोषी कैदियों की समय से पहले रिहाई की अनुमति न देने के लिए तमिलनाडु जेल नियमों में उचित संशोधन किया जाएगा। (प्रेट्र)

एमएस विवि के प्रोफेसर पर छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप

अहमदाबाद : वडोदरा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अजहर ढेरीवाला पर एक छात्रा ने छेड़छाड़ करने व मतांतरण के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया है। विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर अजहर ढेरीवाला के खिलाफ पीड़िता ने छेड़छाड़ करने व मतांतरण के लिए दबाव डालने का आरोप करीब दो माह पहले लगाया। (राब्यू)

अहिल्या विवि के दस्तावेज में अब 'भारत' लिखा जाएगा

इंदौर : देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) ने अपने सभी आधिकारिक दस्तावेजों में इंडिया शब्द का उपयोग नहीं करने का निर्णय लिया है। इसके स्थान पर भारत शब्द का उल्लेख किया जाएगा। यह प्रस्ताव विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में लिया गया। कुलगुरु डा. राकेश सिंघई के अनुसार एक राष्ट्र-एक नाम भारत की अवधारणा के तहत कदम उठाया गया है। जल्द ही यह व्यवस्था लागू की जाएगी। डिग्री-अंकसूची-ट्रांसक्रिप्ट में भारत शब्द लिखा जाएगा। कुलगुरु डा. सिंघई के अनुसार इस निर्णय के बाद देश और विदेश में सभी पत्राचार और दैनिक कार्यों में 'भारत' का ही उपयोग होगा। बता दें, यह विश्वविद्यालय राज्य सरकार द्वारा 1964 में स्थापित किया गया था। (नईदुनिया प्रतिनिधि)

शाहजहांपुर में चाइनीज मांझा ने काटी सिपाही की गर्दन

शाहजहांपुर : प्रतिबंधित चाइनीज मांझा ने शाहजहांपुर में एक सिपाही की जान ले ली। अधिक रक्तस्राव होने के कारण अस्पताल में कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। अमरोहा के सिपाही शाहरुख हसन दोपहर को राजकीय मेडिकल कालेज जाने के लिए निकले थे। रास्ते में अजीजगंज में एक पतंग कटकर गिरी तो दूसरे छोर पर खड़ा लड़का उसे खींचने लगा। इतने में वहां से गुजर रहे शाहरुख देख नहीं सके और चाइनीज मांझा उनकी गर्दन में फंस गया। (जासं)

बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर को यूजीसी से मान्यता

पटना : बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विभिन्न स्तर के कोर्स संचालन की मान्यता प्रदान कर दी है। कुलसचिव रजनीकांत ने बताया कि अब विश्वविद्यालय को शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान में स्नातक के साथ डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडी) जैसे शैक्षणिक पाठ्यक्रम प्रारंभ कर सकेगा। 2025-26 से नामांकन की प्रक्रिया अप्रैल में प्रारंभ हो जाएगी। (जासं)

सहकारिता बैंक धोखाधड़ी में सीईओ समेत चार गिरफ्तार

पटना : बिहार में वैशाली शहरी विकास सहकारिता बैंक में ऋण वितरण के नाम पर 85 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी में ईडी की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। पहले दिन राजद के उजियारपुर विधायक सह पूर्व मंत्री आलोक मेहता समेत देशभर के 19 ठिकानों पर छापेमारी के बाद शनिवार को दूसरे दिन इस प्रकरण से जुड़े चार लोगों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया है। सहकारिता बैंक के सीईओ विपिन तिवारी को वाराणसी, उनके श्वसुर राम बाबू शांडिल्य को गिरफ्तार किया गया है। इस राशि से लाभ पाने वाले नितिन मेहरा और संदीप सिंह को भी ईडी ने गिरफ्तार किया है। (राब्यू)

कन्नौज रेलवे स्टेशन के निर्माणाधीन भवन का लेंटर ढहा, 40 से अधिक मजदूर दबे

हादसा ▶ 23 घायलों को अस्पताल पहुंचाया, मलबे में चल रही बाकी की तलाश

चार घंटे बाद पहुंची एसडीआरएफ, दमकल टीम बनी रही तमाशबीन

जागरण संवाददाता, कन्नौज

रेलवे स्टेशन पर बन रहे नए भवन का लेंटर कमजोर शटरिंग के कारण शनिवार दोपहर अचानक ढह गया। मलबे में 40 से अधिक मजदूर दब गए। देर शाम तक 23 घायल मजदूर बाहर निकाल लिए गए। घायलों को आटो और ई रिक्शा से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। आठ को गंभीर हालत में किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) लखनऊ और तिर्वा राजकीय मेडिकल कालेज रेफर किया गया।

घटना के चार घंटे बाद एसडीआरएफ की टीम पहुंची। अभी करीब 20 मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका है। काम का ठेका सपा सरकार में मंत्री रहे नारद राय के साले रामविलास राय की फर्म आशुतोष इंटरप्राइजेस को दिया गया था। घटना के बाद उनका मोबाइल फोन नंबर बंद है। रेलवे ने घटना की जांच के लिए उच्चस्तरीय कमेटी बना दी है। हादसे में मामूली घायलों को 50 हजार और गंभीर घायलों को 2.5 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

अमृत योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर निर्माण कार्य चल रहा है। इसमें 7.76 करोड़ से मुख्य भवन का निर्माण कराया जा रहा है। तीन दिनों से लगातार लेंटर की ढलाई हो रही थी। शनिवार दोपहर में 50 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे। लिफ्ट मशीन से सीमेंट का मसाला ऊपर ले जाया गया, उसी दौरान शटरिंग में लगाई गईं बल्लियां चटकने लगीं और लेंटर का आधे से अधिक हिस्सा भरभराकर ढह गया।

तेज धमाका व चीख पुकार सुनकर जीआरपी के सिपाही पहुंचे। नगर पालिका के कर्मचारियों ने किसी तरह मलबा हटाकर बचाव कार्य शुरू किया। बैकहो लोडर और हाइड्रा मशीन मंगाकर मलबा हटाने का काम शुरू हुआ। ऊपरी मंजिल पर काम कर रहे 23 मजदूरों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया। घटना के तुरंत बाद समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण, डीएम शुभ्रान्त कुमार शुक्ल भी पहुंच गए। जिले की सभी एंबुलेंस व उन्नाव, हरदोई और फर्रुखाबाद से दमकल टीमें बुलाई गईं। संसाधन न होने के कारण दमकल टीमें मूकदर्शक ही बनी रहीं।

शाम को 4:42 बजे उप्र एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की टीम गैस कटर लेकर पहुंची। इसके बाद लेंटर की सरियों का जाल काटा गया। करीब पांच बजे मंडलायुक्त के. विजयेन्द्र पांडियन और आइजी जोगेन्द्र कुमार, एसपी जीआरपी आगरा अभिषेक वर्मा भी पहुंच गए। देर शाम मंडल रेल प्रबंधक इज्जतनगर बीना सिन्हा भी पहुंचीं। रात तक बचाव कार्य जारी था। डीएम ने बताया कि 23 घायलों में से तीन की हालत गंभीर, लेकिन खतरे से बाहर है। अन्य मजदूरों के दबे होने की आशंका है।

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में शनिवार को रेलवे स्टेशन के निर्माणाधीन भवन का लेंटर ढहने के बाद मौके पर जुटे पुलिसकर्मी, अग्निशमन दल तथा लोग। प्रेट्र

जांच टीम

पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि जांच टीम में मुख्य इंजीनियर प्लानिंग एंड डिजाइन, अपर मंडल रेल प्रबंधक इज्जतनगर, मुख्य सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल शामिल हैं।

उज्जैन में ढहाए गए तकिया मस्जिद सहित 250 मकान

▶ महाकाल-महालोक को विस्तारित करने के लिए किया गया है जमीन का अधिग्रहण, दिया जा चुका है मुआवजा

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैन : उज्जैन में महाकाल महालोक के विस्तार कार्य के लिए शनिवार को तकिया मस्जिद और उसके आसपास के 250 मकानों को प्रशासन ने ध्वस्त करा दिया। इन निर्माणों वाली जमीन का अधिग्रहण मुआवजा देकर पहले ही किया जा चुका है। 12 घंटे चली कार्रवाई में छह बुलडोजर और चार पोकलेन से ध्वस्तीकरण किया गया।

उज्जैन के कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार की ओर से ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के नवविस्तार क्षेत्र महाकाल महालोक को और विस्तारित करने की कड़ी में रोप-वे के तीसरे बोर्डिंग स्टेशन और मल्टीलेवल कार पार्किंग जैसे कई निर्माण किए जाने हैं। इसके लिए आसपास की 2.135 हेक्टेयर जमीन खाली कराई जा रही है। इस जमीन का अधिग्रहण करके संबंधित लोगों को शासन से 66 करोड़ रुपये का मुआवजा स्वीकृत किया जा चुका है। 32 करोड़ रुपये 156 लोगों के खाते में जमा भी किए जा चुके हैं। सात मकानों पर कोर्ट का स्टे है। बता दें कि महाकाल महालोक के ठीक सामने तकिया मस्जिद और उससे सटी जमीन के अधिग्रहण की प्रक्रिया 2022 में शुरू की गई थी। लोगों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी।

उज्जैन में जमींदोज की गई तकिया मस्जिद। नईदुनिया

सुकमा में हिंसा छोड़ 43 लाख के नौ इनामी नक्सलियों ने चुनी शांति की राह

▶ नक्सलियों के आधार क्षेत्र में नए कैंप खोलकर चलाए जा रहे सर्च अभियान

नईदुनिया न्यूज, सुकमा: छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में शनिवार को कुल 43 लाख के इनामी नौ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें दो महिला नक्सली शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण के समक्ष समर्पण कर सभी मुख्यधारा में लौटे हैं। समर्पित नक्सलियों में रनसाय, प्रदीप पर आठ-आठ लाख, कवासी सोना, नवीन, मड़कम जोगा व मुचाकी देवा पर पांच-पांच लाख, माड़वी सुक्की पर तीन लाख, करतम वेल्ली व माड़वी राकेश पर दो-दो लाख का इनाम है। एक वर्ष में नक्सलियों के आधार क्षेत्र में नए कैंप खोलकर लगातार सर्चिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इससे नक्सलियों पर दबाव बन रहा है। नक्सली प्रभावित होकर मुख्यधारा से जुड़कर विकास में भागीदार बनना चाह रहे हैं।

नक्सली रनसाय ने बताया कि एक वर्ष में सुरक्षा बल के कई कैंप खुलने से गांव में विकास कार्य हुए हैं। सड़क, बिजली, पानी, स्कूल व आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं प्रारंभ हुई हैं। फोर्स के आपरेशन बढ़े हैं और कई नक्सली मारे गए हैं। वह कई वर्ष तक संगठन में रहा, पर अब वह शांतिपूर्ण तरीके से जीवन जीना चाहता है इसलिए उसने हथियार छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। रनसाय पर 16 से अधिक बड़ी घटनाओं के मामले पुलिस में दर्ज हैं।

नक्सलियों का लगाया प्रेशर आइईडी फटा, सीआरपीएफ जवान घायल

बीजापुर थाना क्षेत्र के महादेव घाट में पदस्थ केंद्रीय रिजर्व बल (सीआरपीएफ) के जवान राकेश कुल्लो शनिवार की सुबह नक्सलियों की बिछाई गई आइईडी में हुए विस्फोट की चपेट में आकर घायल हो गए। वह झारखंड के निवासी हैं। जवान के पैर व आंख में गंभीर चोट पहुंची है। घायल जवान को जिला अस्पताल बीजापुर में उपचार के बाद रायपुर रेफर किया गया है।

सांसद पप्पू यादव का बिहार बंद आज

राज्य ब्यूरो, जागरण, पटना : पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा रद करने की मांग कर रहे छात्रों के समर्थन में रविवार को बिहार बंद का आह्वान किया है। उन्होंने दावा किया कि बीपीएससी अभ्यर्थियों और दुकानदारों के साथ चंद्रशेखर रावण की पार्टी, ओवैसी की पार्टी और सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी आंदोलन को समर्थन देने का निर्णय लिया है। शनिवार को पटना के होटल मौर्य में आयोजित प्रेस वार्ता में पप्पू यादव ने कहा कि बीपीएससी मुद्दा नहीं है। मुद्दा है देश की परीक्षाओं का पेपर लीक होना। बिना सरकार और पदाधिकारी के मिलीभगत से पेपरलीक नहीं हो सकता है।

सांसद ने कहा कि 31 मार्च से जो सदन चलेगा, उसे हम लोग नहीं चलने देंगे। हम लोगों ने 150 पेज का पटना हाई कोर्ट में पीटिशन (आवेदन) भी फाइल किया है। हमारी मांग है कि बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा को कैंसिल किया जाए और इसे दोबारा आयोजित किया जाए। इसके अलावा छात्रों के ऊपर जो केस हुआ है उसे हटाने के लिए भी अलग से कोर्ट में केस किया गया है।

ग्रेनेड से हुआ था बारामुला सैन्य शिविर में हमला, तीन आतंकी गिरफ्त में

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

▶ पुलिस ने धमाके की गुत्थी सुलझाई, तीन आतंकियों में दो बाप-बेटे

▶ गुलमर्ग में तलाशी अभियान में सुरक्षाबलों ने हथियार बरामद किए

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले में सात जनवरी को एक सैन्य शिविर में धमाके की आवाज टायर फटने की नहीं थी, बल्कि यह ग्रेनेड हमला था। इसकी गुत्थी सुलझा ली गई है।

पुलिस ने हमले में लिप्त तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आतंकी बाप-बेटे हैं। तीनों से पूछताछ जारी है। इस बीच, गुलमर्ग के साथ सटे कुंजर क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने एक तलाशी अभियान में एक एके-47 राइफल, एक मैगजीन व 30 कारतूस और अन्य साजो सामान बरामद किया है।

सात जनवरी की रात को आतंकियों ने श्रीनगर-बारामुला राष्ट्रीय राजमार्ग पर पट्टन के हामरे स्थित सेना की 163 टेरीटोरियल आर्मी के शिविर पर ग्रेनेड से हमला किया था। इसमें कोई जनहानि नहीं हुई थी। पुलिस और सेना ने ग्रेनेड हमले की पुष्टि करने के बजाय जोर देकर इससे इन्कार करते हुए कहा था कि टायर फटा है। इस बीच, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। बारामुला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फिरोज याहिया ने आतंकियों के नाम बताने से इन्कार किया है, लेकिन बताया है कि इनमें एक पूर्व आतंकी और उसका बेटा भी शामिल है। पूर्व आतंकी ने कुछ वर्ष पहले मुख्यधारा में शामिल होने के लिए सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद वह कुछ समय तक जेल में रहा। कुछ समय पहले वह फिर आतंकी हैंडलरों के संपर्क में आया।

पकड़ा गया इनका तीसरा साथी कुख्यात नशा तस्कर है और दो वर्ष से पुलिस को उसकी तलाश थी। एएसपी ने बताया कि ये कुछ अन्य वारदातों में भी शामिल हो सकते हैं। इन तीनों की निशानदेही पर एक हथगोला, एक एसाल्ट राइफल, कुल 277 कारतूस समेत एक पिस्तौल भी बरामद की गई है।

राजस्थान में मतांतरण के आरोप में पुलिस ने पांच संदिग्धों को पकड़ा

जासं, उदयपुर : राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के परतापुर कस्बे में मतांतरण के प्रयास का मामला सामने आया है। यहां सज्जनगढ़ क्षेत्र के इटावा में पांच व्यक्तियों ने एक-एक लाख रुपये का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करवाने का प्रयास किया, जिन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। जांच अधिकारी एएसआई जयपाल सिंह के अनुसार मौके से पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

हिंदूवादी संगठनों मौके पर पहुंच संदिग्धों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, उसके बाद धर्मांतरण का मामला सामने आया। स्थानीय निवासी लवजी ने पुलिस में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई। प्रत्यक्षदर्शी मोटाभाई ने रिपोर्ट में बताया कि गुरुवार रात संतपुरा मोहल्ले में पांच से आठ व्यक्ति धर्मांतरण करवाकर ईसाई प्रार्थना करवा रहे थे। एक व्यक्ति सभी को एक-एक लाख रुपये देने की बात कर रहा था। इसके अलावा ईसाई धर्म स्वीकार करने पर हर महीने रुपये, घरेलू सामान, कपड़े देने की भी बात कह रहा था।

अभिनेता टीकू तलसानिया को मस्तिष्क आघात, स्थिति नियंत्रण में

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : हिंदी सिनेमा में बीते करीब चार दशकों से सक्रिय अभिनेता टीकू तलसानिया को शनिवार की सुबह अस्पताल में भर्ती किए जाने की खबरें सामने आईं। शुरुआती रिपोर्ट्स में उन्हें दिल का दौरा बताया गया। हालांकि, बाद में उनकी पत्नी दीप्ति तलसानिया ने मीडिया से बातचीत में बताया कि उन्हें मस्तिष्क आघात (ब्रेन स्ट्रोक) हुआ है। दरअसल, टीकू शुक्रवार की रात अभिनेत्री रश्मि देसाई की गुजराती फिल्म माम तने नई समझय की स्क्रीनिंग में पहुंचे थे। वहीं उन्हें कुछ समस्याएं महसूस हुईं और फिर वह अपने घर चले आए। परेशानी और बढ़ती हुई देख शनिवार की सुबह उन्हें मुंबई स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती किया गया। शनिवार को अभिनेत्री रश्मि देसाई ने भी टीकू तलसानिया की सेहत को लेकर मीडिया से बातचीत की।

टीकू तलसानिया

डल्लेवाल की सेहत नाजुक, एसकेएम में एकता के लिए जल्द बैठक की मांग

जागरण संवाददाता, संगरूर

▶ दोनों गुट बैठक कर केंद्र सरकार के खिलाफ बनाएंगे संयुक्त रणनीति

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) गैर राजनीतिक ने शुक्रवार को खनौरी में दूसरे गुट राजनीतिक की ओर से सौंपे गए एकता प्रस्ताव पर शनिवार को चर्चा की। इस दौरान एसकेएम (गैर राजनीतिक) ने एकता प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत के मद्देनजर जल्द बैठक करने की अपील दूसरे गुट से की। एसकेएम गैर राजनीतिक की ओर से इस संबंध में दूसरे गुट को पत्र भी लिखा गया है। अगले एक-दो दिन में दोनों गुटों की बैठक हो सकती है। इसमें केंद्र के खिलाफ संयुक्त रणनीति बनाई जाएगी।

खनौरी में शनिवार को भाकियू सिद्धूपुर के नेता सुखजीत सिंह हरदोझंडे, हरियाणा के किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़, लखविंदर सिंह औलख व इंद्रजीत सिंह कोटबुढ़ा ने दूसरे गुट को पत्र भेजने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दूसरे गुट ने 15 जनवरी को पटियाला में बैठक रखी गई है, लेकिन डल्लेवाल की पल-पल नाजुक होती सेहत के मद्देनजर हमने यह बैठक जल्द करने को कहा है। उन्होंने कहा कि आज तेलंगाना के खम्मन में डल्लेवाल के आमरण अनशन के समर्थन में किसानों ने 12 घंटे की सांकेतिक भूख हड़ताल की है। 12 जनवरी को हरियाणा के हिसार से किसानों का एक बड़ा जत्था डल्लेवाल के समर्थन में खनौरी आएगा।

डल्लेवाल की मेडिकल रिपोर्ट की सार्वजनिक

शनिवार को डल्लेवाल का आमरण अनशन 47वें दिन भी जारी रहा। डल्लेवाल की मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि डल्लेवाल की हालत दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट में उनके शरीर में कीटोन का स्तर 6.53 आया है जो साधारण हालात में 0.02-0.27 के बीच में होना चाहिए। यूरिक एसिड 11.64 है जो 3.50-7.20 के बीच में होना चाहिए।

बिहार में थानेदार ने स्वर्ण कारोबारी को बंधक बना छीने 64 लाख

जागरण संवाददाता, छपरा : बिहार में सारण जिले के मकेर थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार ने छपरा से मुजफ्फरपुर जा रहे कार सवार स्वर्ण कारोबारी से मारपीट कर बंधक बना 64 लाख रुपये छीन लिए। मामले में सारण पुलिस ने थानाध्यक्ष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उनका साथ देने के आरोप में फरार वाहन चालक होमगार्ड के जवान अनिल कुमार सिंह की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

शनिवार को वरीय एसपी डा. कुमार आशीष ने बताया कि रोहन कुमार कारोबार के सिलसिले में 64 लाख रुपये कैश लेकर मुजफ्फरपुर जा रहे थे। इसी क्रम में रेवा घाट से पहले मकेर थाने की गाड़ी ने ओवरटेक कर रोक लिया। गाड़ी में शराब होने की सूचना की बात बताकर चेक करने लगे। चेकिंग के क्रम में ही थैले में रखे 64 लाख रुपये ले लिए। रुपये लेने के बाद कारोबारी को जबरन एक गांव की तरफ ले गए और आधा रुपये दे दिए। इस दौरान धमकी देते हुए कहा कि अगर तुम लोगों ने किसी को बताया तो गांजा और शराब के केस में फंसा देंगे।

जमात के नाम पर राजस्थान में शहबाज को मिला था प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, जागरण ● रांची

▶ ट्रांजिट रिमांड पर आतंकी शहबाज को रांची से ले गई दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल

▶ रांची के नकटा जंगल में आतंकी प्रशिक्षण शिविर की थी योजना

झारखंड के लोहरदगा के सेन्हा थाना क्षेत्र स्थित चितरी गांव से गिरफ्तार आतंकी संगठन अलकायदा इन इंडियन सब कंटिनेंट (एक्यूआइएस) का संदिग्ध आरोपित शहबाज अंसारी को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल शनिवार को ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ले गई। अंसारी रांची के चान्हो थाना क्षेत्र के पकोरियो गांव का रहने वाला है। उसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस व झारखंड एटीएस की पूछताछ में उसने बताया है कि उसे अगस्त, 2024 में उसके गांव का एनामुल अंसारी अपने साथ यह कहकर राजस्थान ले गया था कि वहां उसे जमात में शामिल कराएगा। उसने बताया कि वह अक्सर रांची व आसपास के क्षेत्रों की जमात में जाता था इसलिए जमात के नाम पर एनामुल के कहने पर वह राजस्थान भी चला गया।

एनामुल ने उसे वहां ले जाकर राजस्थान के भिवाड़ी जिले के पहाड़ी इलाके में संचालित आतंकी प्रशिक्षण कैंप में शामिल करा दिया। उसे हथियार चलाने में हजारीबाग से गिरफ्तार फैजान मदद करता था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जब वहां छापेमारी की थी तब वहां से छह संदिग्ध पकड़े गए थे। पूर्व में गिरफ्तार संदिग्धों ने यह स्वीकारा था कि उनकी योजना रांची के चान्हो के नकटा जंगल में आतंकी प्रशिक्षण शिविर बनाने की थी। इसके पीछे यह उद्देश्य था कि झारखंड के संदिग्धों को राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा और जंगल में वह आसानी से प्रशिक्षण ले सकेंगे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उक्त प्रशिक्षण कैंप का भी सत्यापन किया था, जिसके बारे में संदिग्धों ने पुलिस को जानकारी दी थी।

नई शुरुआत

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री उमर की पोस्ट पर दी प्रतिक्रिया, बोले- मैं भी सोनमर्ग के दौरे को लेकर उत्साहित, उमर ने जेड मोड़ सुरंग के लोकार्पण को लेकर तैयारी का जायजा लिया, सुरंग बनाने वाले श्रमिकों से मिलेंगे पीएम

पर्यटन और स्थानीय आर्थिक को मजबूत करेगी सोनमर्ग की सुरंग

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर

श्रीनगर-कारगिल-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जेड मोड़ सुरंग के उद्घाटन का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पीएम ने शनिवार को सुरंग और इसके आसपास के हिमाच्छदित वातावरण की तस्वीरें और वीडियो भी अपने एक्स हैंडल पर साझा कर कहा कि सोनमर्ग की यह सुरंग कश्मीर में पर्यटन व स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी। पीएम ने यह प्रतिक्रिया मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के जेड मोड़ सुरंग के उद्घाटन की तैयारियों के निरीक्षण के बाद उनकी एक्स पर साझा पोस्ट पर दी है। बता दें कि समुद्रतल से 8,650 फीट की ऊंचाई पर स्थित इंजीनियरिंग की उत्कृष्टता का उदाहरण जेड़ मोड़ सुरंग का पीएम मोदी 13 जनवरी को उद्घाटन करेंगे।

13 जनवरी को करीब 11:45 बजे पीएम जेड मोड़ सोनमर्ग सुरंग देश को समर्पित करने के साथ वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री उन श्रमिकों से भी मिलेंगे जिन्होंने सबसे कठिन परिस्थितियों में काम किया है। समारोह में केंद्रीय भूतल परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहेंगे।

13 जनवरी को करीब 11:45 बजे पीएम जेड मोड़ सोनमर्ग सुरंग देश को समर्पित करने के साथ वहां उपस्थित जन समूह को संबोधित भी करेंगे

434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-करगिल-लेह राजमार्ग सर्दियों में हिमपात के कारण अक्सर बंद हो जाता है

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में जेड मोड़ सुरंग स्थल का एक हवाई दृश्य। एएनआइ

उमर ने सुरंग के भीतरी हिस्से में जाकर निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री उमर ने जेड मोड़ सुरंग का दौरा कर उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सुरंग के भीतरी हिस्से में जाकर वहां किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए किए उपायों का निरीक्षण किया और सभास्थल का भी जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक में समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। उन्होंने जेड मोड़ सुरंग के दौरे की तस्वीरें एक्स हैंडल पर पोस्ट कर लिखा कि पीएम के दौरे की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए सोनमर्ग का दौरा किया। जेड मोड़ सुरंग खुलने से सोनमर्ग पूरे साल खुला रहेगा। श्रीनगर से कारगिल/लेह तक की यात्रा का समय भी कम हो जाएगा। इस पोस्ट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी रिपोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी।

हिमपात के कारण बंद हो जाता

434 किलोमीटर लंबा श्रीनगर-करगिल-लेह राजमार्ग सर्दियों में हिमपात के कारण अक्सर बंद हो जाता है। इससे लद्दाख का शेष दुनिया से जमीनी संपर्क टूट जाता है। कारगिल व लेह में सैन्य साजो सामान की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में सिर्फ हवाई संपर्क ही विकल्प रहता है। परियोजना के तहत दो सुरंगों का निर्माण शामिल है। एक सुरंग जेड मोड़ है जो कश्मीर में जिला गांदरबल के अंतर्गत गगनगीर और सोनमर्ग के बीच है। दूसरी सुरंग जोजि ला है, जो 14 किलोमीटर लंबी है। वह जोजि ला की तलहट्टी में बालटाल से लेकर जोजि ला के पार मिनीमर्ग द्रास तक है। जेड मोड़ सुरंग का नींव पत्थर अक्टूबर 2012 में तत्कालीन सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री डा. सीपी जोशी ने रखा था।

श्रीनगर तक रेल सेवा शुरू होने से पहले कटड़ा स्टेशन में बढ़ रहीं सुविधाएं

जागरण संवाददाता, कटड़ा

▶ स्टेशन परिसर में स्वचालित सीढ़ियां लगाने से लेकर रंग-रोगन और साफ-सफाई जारी

कश्मीर जाने वाली पहली वंदे भारत ट्रेन के लिए श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन को सजाने के साथ वहां सुविधाओं को बढ़ाया जा रहा है। संभावना है कि 26 जनवरी तक वंदे भारत को हरी झंडी दे जाएगी। कटड़ा स्टेशन परिसर में एस्केलेटर्स (स्वचालित सीढ़ी) लगाने का काम जारी है। प्लेटफार्म नंबर एक से कश्मीर के लिए ट्रेन रवाना होगी। रेलवे, प्रशासन व श्राइन बोर्ड के अधिकारियों की निगरानी में तैयारियां जारी हैं। कटड़ा से कश्मीर तक ट्रैक बनकर तैयार है। सभी तरह के महत्वपूर्ण परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

कटड़ा से रामबन जिले तक सुरक्षा तंत्र मजबूत किया है। ताकि यात्री कश्मीर का ट्रेन सफर भयमुक्त और आरामदायक कर सकें। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार श्रीनगर से कटड़ा के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में भी वहां के मौसम की चुनौतियों का ध्यान रखा गया है।

ट्रेन से दिल्ली से कश्मीर का सफर करने वाले यात्री सीधे कश्मीर नहीं पहुंचेंगे बल्कि उन्हें श्री माता वैष्णो देवी रेलवे स्टेशन कटड़ा पर उतरना पड़ेगा। सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक सवारी की गहनता से जांच होगी। प्लेटफार्म नंबर एक को कश्मीर जाने वाली ट्रेन के लिए समर्पित किया है। ट्रेन के भीतर सवारियों के साथ सुरक्षा के सभी तरह के इंतजाम होंगे। ट्रेन के भीतर सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। यात्री कड़ी सुरक्षा के बीच कटड़ा रेलवे स्टेशन से कश्मीर रवाना होंगे। इस महत्वपूर्ण ट्रैक पर पड़ने वाले सभी टनल, पुल आदि पर अत्याधुनिक एचडी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

****

आस्था के साथ आर्थिकी भी मार रही हिलोर

तंबुओं का शहर सजा तो तमाम उत्पादों व सुविधाओं का बाजार भी लगे, लाखों हाथों को काम

टेंट, बांस-बल्ली से लेकर सब्जी व खाद्यान्न तक का बढ़ा कारोबार

ज्ञानेंद्र सिंह ● जागरण

महाकुंभनगर : दिव्य, भव्य व नव्य महाकुंभ के लिए पावन संगम की रेती पर तंबुओं का स्थायी शहर सज गया है, इसके साथ ही तमाम उत्पादों व सुविधाओं का बाजार भी। इससे लाखों हाथों को रोजगार मिल रहा है। सोमवार को पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व से महाकुंभ का श्रीगणेश हो रहा है। अगले दिन अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति है। मात्र ढाई माह में बसे इस शहर की आबादी इस समय ही लगभग दो करोड़ पहुंच गई है, जिसमें 30 लाख के करीब कल्पवासी ही हैं। एक करोड़ से ज्यादा संत-महात्मा आ चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के 72 जिलों से आई पुलिस, 12 जिलों से आए पीएसी जवानों, आठ राज्यों से 38 कंपनियों के अर्धसैनिक बलों के जवान, 65 जिलों से आए होमगार्ड व पीआरडी जवानों के साथ ही नौ राज्यों से चार लाख श्रमिक भी हैं। इस महाकुंभ नगर को बसाने में छह राज्यों उप्र, मप्र, बिहार, गुजरात, पंजाब व हरियाणा से दो करोड़ टन बल्ली, उप्र, बिहार के साथ पूर्वोत्तर के राज्यों से 165 लाख टन बांस, तीन राज्यों केरल, तमिलनाडु व ओडिशा से 15 लाख टन रस्सी व रस्सा, आठ शहरों कानपुर, मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, नोएडा से 10 लाख टन कील, नौ शहरों बरेली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बुलंदशहर, रामपुर, बिजनौर व उत्तराखंड के रुद्रपुर से प्लाई व मैट इस महाकुंभ नगर में खप चुका है। छह राज्यों उप्र, मप्र, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब से 24 टेंट कंपनियों ने तीन लाख 60 हजार टेंट, तंबू व कनात लगाए हैं। इसमें महाराजा, दरबारी, स्विस काटेज, ईपी टेंट, फैमिली टेंट तक शामिल है। प्लाई रूम भी इस बार काफी बने हैं। वहीं 75 जर्मन हैंगर लगे हैं। उप्र के 33 जिलों के साथ ही मध्य प्रदेश, बिहार, बंगाल व ओडिशा तक से पुआल (पराली) मंगाया गया है। कुर्सी, मेज, बेड, बिस्तर, रजाई-कंबल भी कई शहरों से आया है। प्रसाधन के सामान सिंदूर, चूड़ी, बिंदी, चंदन यहां शुभ मानकर खरीदा जाता है, इसलिए कई राज्यों से ये सामान भी आ गए हैं। जनेऊ भी भारी मात्रा में आया है। बर्तनों और कपड़े की दुकानें लग गई हैं।

महाकुंभ में 750 से ज्यादा छोटे-बड़े जर्मन हैंगर लगाए गए हैं। ये दिल्ली, गुजरात, पंजाब से मंगाए गए हैं। सबसे बड़ा हैंगर परेड में गंगा पंडाल का है, जिसमें 10 हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। इसके अलावा होर्डिंग्स और फ्लेक्स भी काफी संख्या में लगाए जा रहे हैं। टायलेट, सिस्टन, कमोड कंपनियों की भी चांदी हो गई है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में लंबी दूरी का चक्कर लगाने के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते बन रहा है। एकसाथ कई पीपा पुल देखना और उस पर चलना भी बहुतों के लिए नया अनुभव वाला है। मेला अब श्रद्धालुओं से तेजी से बसने की ओर बढ़ गया है। गिरीश श्रीवास्तव

सब्जी से लेकर खाद्यान्न तक का बढ़ा उठान

विश्व के सबसे बड़े जन समागम में सब्जी से लेकर खाद्यान्न तक का उठान काफी बढ़ गया है। वैसे तो मेला प्रशासन की ओर से राशन की दुकानें खोली गई हैं मगर काफी लोग बाजार से भी खाद्यान्न ले रहे हैं। आटा, दाल और चावल से लेकर अन्य खाद्यान्न की बिक्री के लिए कई ब्रांडेड कंपनियां उतर चुकी हैं। कई शहरों से नाविक तो ई-रिक्शा और आटो वाले भी आ चुके हैं। चाय-नाश्ते की दुकानों के साथ रेस्टोरेंट भी खुल गए हैं।

संगम का पवित्र किनारा और इसके किनारे पर बिखरे आस्था और भक्ति के कई रंग, कहीं साधना में लीन साधु-संत हैं और कहीं भक्ति और भजन का माहौल है। प्रयागराज के महाकुंभ के इन्हीं अनोखों व अनेक रंगों को करीब से देखने के लिए सिर्फ देश के कोने-कोने से ही नहीं, बल्कि विदेश से भी लोग पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को महाकुंभ मेला क्षेत्र में संगम घाट पर विदेशी श्रद्धालु नजर आए। प्रेट्र

शनिवार को निर्मल अखाड़े का छावनी प्रवेश हुआ। रथ, बग्घी वनघोड़ों पर सवार साधु-संत निकले। अखाड़े के संत अनोखे अंदाज में नजर आए। इसी क्रम में बच्चे के साथ सेल्फी लेते अखाड़े के एक संत। एएनआइ

आक्रांताओं को सनातन का जवाब है अक्षय वट

जागरण संवाददाता, महाकुंभनगर

- जहांगीर ने जड़ से काट कर जला दिया था, लोहे के तवे से ढक दिया था
- तारीख-ए-हिंद पुस्तक में शम्स उल्ला ने प्रमुखता से किया है उल्लेख

अक्षय वट की महिमा का पुराणों में बखान है। अग्निपुराण, पद्मपुराण, वायुपुराण, ब्रह्मपुराण में अक्षय वट के बारे में जानकारी मिलती है। महाकुंभ 2025 में इसका दर्शन श्रद्धालुओं को कराने के लिए योगी सरकार ने बड़ी पहल की है। अक्षय वट का अस्तित्व एक तरह से आक्रांताओं को सनातन का जवाब है, क्योंकि मुगल शासक जहांगीर ने हिंदुओं पर अत्याचार तो किए ही थे, अक्षय वट को जड़ से मिटा देने का कुप्रयास किया था। हकीम शम्स उल्ला कादरी द्वारा 1878 में उर्दू में लिखी गई पुस्तक तारीख-ए-हिंद में इसका उल्लेख प्रमुखता से किया गया है।

शम्स उल्ला कादरी ने लिखा है कि जहांगीर ने अक्षय वट (अखय वढ़ लिखा गया) को कटवा दिया था। उसकी जड़ वाले स्थान को लोहे की मोटे चादर वाले तवा से ढकवा दिया था ताकि वृक्ष दोबारा न निकले, लेकिन इसकी कोंपलें फिर भी पनप गईं। यह भी लिखा कि हिंदुओं में इसकी बड़े तीर्थ के रूप में मान्यता है। कादरी ने पुस्तक में लिखा है कि किले के पास दो नदियां आकर मिलती हैं। किले के भीतर से एक सोता (स्रोत) निकला था जहां से एक और धारा निकलती थी, संभवतः यह सरस्वती है।

तारीख-ए-हिंद की पांडुलिपि अभिलेखागार में दुर्लभ संग्रह है। इसके पन्नों पर अक्षय वट के बारे में बहुत गहराई से उल्लेख किया गया है। अक्षय वट हिंदुओं की आस्था का केंद्र है, इसे मानते हुए ही शम्स उल्ला कादरी ने पुस्तक में प्रमुखता से जहांगीर और उसके द्वारा हुए प्रहार की घटना का उल्लेख किया था।
-गुलाम सरवर, प्रभारी अधिकारी क्षेत्रीय अभिलेखागार

संगम किला स्थित अक्षयवट। जागरण आर्काइव

इतिहासकार प्रो. योगेश्वर तिवारी कहते हैं कि जहांगीर ने अक्षय वट को कटवाया ही नहीं बल्कि जड़ समेत जला भी दिया था। उसने हिंदुओं का कत्ल-ए-आम कराया था। जहांगीर ने अक्षय वट पर यह प्रहार तब किया था जबकि उसे मालूम था कि यह हिंदुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

मान्यता है कि जब धरती पर प्रलय आई थी, सबकुछ जलमग्न हो गया था तब अक्षय वट ही ऐसा था जिसे जलजला डुबो नहीं पाया था।

'एसटीएफ' की नजर गैर सनातनियों पर, दुकानदारों के आधार कार्ड की जांच

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

- महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा के नेतृत्व में फोर्स सक्रिय, 1500 संत कर रहे जांच
- तीन दिन में बिना आधार कार्ड के मिले 32 दुकानदार मेला क्षेत्र से किए गए बाहर

गैर सनातनियों के महाकुंभ मेला क्षेत्र में प्रवेश रोकने की मांग लगातार उठती रही है। अपनी परंपरा व पवित्रता को आधार बनाकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष सहित तमाम संतों ने उन गैर सनातनियों का प्रवेश महाकुंभ में रोकने की मांग उठाई थी, जो खाने-पीने की चीजों में थूक लगाकर बेचते थे। मेला क्षेत्र में सिर्फ हिंदू, सिख, बौद्ध व जैन धर्मावलंबियों की दुकानें लगाने पर जोर दिया गया था। इसके लिए अब संतों ने अपनी तरफ से संत टास्क फोर्स (एसटीएफ) का गठन कर दिया है। दिगंबर अनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा के नेतृत्व में संत मेला क्षेत्र में दुकानदारों का आधार कार्ड जांच रहे हैं। तीन दिनों की जांच में 32 दुकानदार बिना आधार कार्ड के मिले। संतों ने उन्हें मेला क्षेत्र से बाहर कर दिया।

संत टास्क फोर्स में 1500 संत शामिल हैं। ये मेला क्षेत्र के शिविरों-दुकानों के आसपास नजर बनाए हैं। संदिग्ध व्यक्ति के मिलने पर उसे पकड़कर पुलिस को दिया जाएगा। महाकुंभ मेला क्षेत्र के हर सेक्टर में फल, चाय, पूजन सामग्री, कंबल सहित खाने-पीने की तमाम दुकानें लगी हैं। काफी संख्या में ठेला में सामान रखकर लोग मेला क्षेत्र में आते हैं। संतों की टास्क फोर्स समस्त दुकानदारों का आधार कार्ड जांच रही है। कंप्यूटर बाबा का कहना है कि महाकुंभ पर दुनियाभर के लोगों की नजर है। भक्तिभाव से ओतप्रोत होकर देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु प्रयागराज आएंगे। इसे देखते हुए मेला क्षेत्र में गलत व्यक्तियों के प्रवेश रोकने, पुलिस-प्रशासन की सहायता करने के लिए संतों की टास्क फोर्स बनाई गई है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में एक दुकानदार का आधार कार्ड देखते महामंडलेश्वर कंप्यूटर बाबा। जागरण

नाबालिग लड़की को जूना अखाड़े ने किया अस्वीकार, महंत का निष्कासन

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

- आगरा के एक व्यवसायी ने अपनी बेटी को किया था दान

संगम क्षेत्र में कुछ दिन पहले हुए एक दान ने देश-विदेश में नई बहस छेड़ दी। हर कोई आश्चर्यचकित था कि यह कैसे हुआ। वह दान था बेटी का। आगरा के एक व्यवसायी ने दान की परंपरा को अपने तरीके से निभाते हुए अपनी 13 वर्षीय बेटी को जूना अखाड़े में सौंप दिया था। दान लेने वाले महंत कौशल गिरि ने लड़की को जूना अखाड़ा में शामिल कराने और साध्वी बनाने का दावा किया था, लेकिन शुक्रवार को इसमें एक नया मोड़ आ गया। जूना अखाड़े ने इसे नियम विरुद्ध मानते हुए कौशल गिरि को सात वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया। लड़की को अस्वीकार करते हुए माता-पिता के साथ घर भेज दिया। हालांकि, पिता-पुत्री घर नहीं पहुंचे हैं। उनके परिवार वालों ने इस पर कुछ कहने से इन्कार कर दिया है।

छह जनवरी को जूना अखाड़ा के महंत कौशल गिरि को आगरा के एक व्यवसायी ने बेटी दान कर दिया था। शुक्रवार दोपहर जूना अखाड़ा की आमसभा बुलाई गई। इसमें कहा गया कि अखाड़े में 22 वर्ष से कम किसी को शामिल होने पर रोक है। विमर्श के बाद तय हुआ कि लड़की को उसके माता-पिता के साथ भेज दिया जाए।

भगीरथ प्रयास से भव्य स्वरूप में संगम

जागरण संवाददाता, महाकुंभ नगर

- सीएम योगी के निर्देश पर गंगा में डेढ़ माह तक हुई ड्रेजिंग से दो हेक्टेयर भूमि संगम तट पर अतिरिक्त मिली

महाकुंभ नगर में आस्था का जनसमुद्र उमड़ना शुरू हो गया है। इसके अनुरूप ही यहां सारे प्रबंध भी किए गए हैं। संगम समेत गंगा और यमुना के स्नान घाटों को संवारा गया है। गंगा में ड्रेजिंग कराकर न सिर्फ संगम तट के स्नान घाटों को व्यवस्थित किया गया है, बल्कि प्रवाह भी बेहतर कर दिया गया है। इस काम के लिए सिंचाई विभाग के साथ ही आइआइटी गुवाहाटी के विशेषज्ञों की टीम लगाई गई। परिणाम सार्थक निकला। संगम तट स्नान घाट का क्षेत्रफल अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया। सिर्फ संगम तट पर लगभग दो हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि मिल गई। इससे संगम तट का स्वरूप भव्य हो गया है। अब घाटों पर हर घंटे लगभग 12 लाख श्रद्धालु पुण्य की डुबकी लगा सकेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिव्य-भव्य महाकुंभ को आयोजित कराने के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने कड़ी मेहनत से जो सफलता प्राप्त की है, सचमुच भगीरथ प्रयास की याद दिलाती है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद शास्त्री ब्रिज से लेकर संगम तट तक मां गंगा तीन धाराओं में विभाजित हो गई थीं। इससे महाकुंभ के आयोजन में कठिनाई आ रही थीं। 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की अनुमानित संख्या को देखते हुए संगम तट पर गंगा को एक धारा में प्रवाहित करने की रणनीति तैयार की गई। आइआइटी गुवाहाटी के विशेषज्ञ टीम की मदद ली गई। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर संगम क्षेत्र के गंगा प्रवाह के विस्तार के लिए तीन विशाल ड्रेजिंग मशीनों को लगाया गया। शुरुआत में गंगा का तेज प्रवाह इस कार्य में सबसे बड़ी बाधा बन रहा था। इससे ड्रेजिंग मशीनों को तेज धारा में स्थिर रखना और नदी की दोनों धाराओं को बीच की धारा में मिलाना कठिन हो रहा था।

ड्रेजिंग कराने से त्रिवेणी तट का क्षेत्रफल बढ़ने से महाकुंभ में पावन संगम की दिव्यता और भव्यता देखते बन रही है। लगभग डेढ़ माह तक ड्रेजिंग कराने से से संगम को यह नव्य स्वरूप मिल सका है।
-विजय किरन आनंद, महाकुंभ मेलाधिकारी

महाकुंभ की भव्यता से चकाचौंध डिजिटल संसार

अमरीश मनीष शुक्ल ● जागरण

- हर दिन महाकुंभ में बन रहे हजारों वीडियो, लाखों में मिल रहे दर्शक

महाकुंभनगर : शाम के लगभग पांच बज रहे थे। महाकुंभ क्षेत्र में बीआइपी घाट के पास हजारों की भीड़ के बीच एक बच्ची बिलख रही थी, आंखों से आंसुओं की धार। आसपास खड़े लोग उसे देख तो रहे थे पर कोई नजदीक नहीं जा रहा था। कुछ पल में स्पष्ट हुआ कि एसडीएम शिवानी सिंह महाकुंभ मेले में परिवार से बिछड़ी एक बच्ची की शार्ट फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। बच्ची बाल अभिनेत्री है। वीडियो सुरक्षा विषय पर बनाया जा रहा है। यूट्यूबर सौरभ अखाड़ा क्षेत्र में मिले। वह नागा संन्यासियों पर फ्रेम लगा रहे थे। बोले, एक छोटा वीडियो बनाया था, उसे 20 लाख दर्शक मिले हैं। लोग नागा के बारे में और अधिक जानना चाह रहे हैं, इसलिए अब डाक्यूमेंट्री बना रहा हूं। पर्यटन विभाग की डायरेक्टर सुचिता की पूरी टीम मुंबई से आई है। शहर के ऐतिहासिक स्थलों की डाक्युमेंट्री बना रही हैं। विदेशी नागरिकों के कैमरे भी इस क्रम को आगे बढ़ाते हैं, महाकुंभ के अध्यात्म को वे दुनिया के जाने कितने देशों तक अपने वीडियो से पहुंचाते हैं।

नागा साधु को मोबाइल कैमरे में रिकार्ड करता विदेशी। जागरण

शहर से लेकर संगम तक कहीं ड्रोन उड़ रहे, कहीं अत्याधुनिक कैमरे से खूबसूरत दृश्य रिकार्ड किए जा रहे हैं। मोबाइल कैमरों की तो गिनती ही नहीं है। 13 किलोमीटर परिक्षेत्र में फैले महाकुंभ के हर घाट पर आपको ऐसे शूटिंग के दृश्य रोकेंगे जरूर। यह इन्फ्लुएंसर की दुनिया है... अपने आप में अलग एक डिजिटल संसार। जो दर्शक देखना चाहते हैं, वह उन्हें दिखा रहे हैं। पूरी दुनिया महाकुंभ को देखना चाहती है।

संगम तट और महाकुंभ की आभा ने यहां अघोषित फिल्म सिटी का रूप दे दिया है। हजारों इन्फ्लुएंसर के कैमरे यहां का कण-कण कैद कर रहे हैं। हर दिन बनने वाले हजारों वीडियो और करोड़ों लोगों तक उनकी पहुंच यह बताने के लिए पर्याप्त है कि अध्यात्म के मेले ने एक अदृश्य फिल्म सिटी को जन्म दिया है जो पुनर्जागरण कर रहा है सनातन का। आने वाली पीढ़ियों को महाकुंभ की दिव्यता, भव्यता और डिजिटलीकरण का बोध कराएंगी।

इन वीडियो व डाक्यूमेंट्री की धूम : महाकुंभ नगर में फिल्माई गईं हजारों डाक्यूमेंट्री और लाखों वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हैं। इनमें कई वीडियो को लाखों दर्शक मिल चुके हैं।

इनमें तारों का शहर, कुंभ कल्चर, घाटों की दुनिया, दिव्यकुंभ-भव्य कुंभ, शिखर पर अध्यात्म, अखाड़ों का रहस्य, हिंदू धर्म और कुंभ मेला, कुंभ नगरी, अखाड़ों का नगर प्रवेश प्रसारित हैं। द कुंभ मेला, सनातन की झलक, पूर्ण महाकुंभ, एकता का महायज्ञ, स्नान के नियम, किन्नर अखाड़े का संघर्ष, महाकुंभ है....भी देखे जा रहे हैं।

वर्ग पहेली-2866

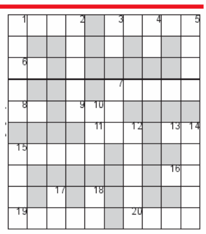

बाएं से दाएं
1. फंसना (4) I 3. एक भारतीय फिल्म निर्देशक (5) I 6. शरीर, तन (2) I 7. बदलाव, हेर-फेर, घुमाव (5) I 8. धूल का अत्यंत छोटा टुकड़ा (2) I 9. श्रेष्ठ पुरुष, अगुआ, एक फिल्म का नाम (3) I 11. स्वीकार कराना, राजी करना (3) I 13. सर्वदा, प्रतिदिन (2) I 15. जनेऊ संस्कार (5) I 16. पार्थिव शरीर (2) I 19. रचनाओं का समूह (5) I 20. प्रसिद्धि प्राप्त, ख्याति लब्ध (4) I

ऊपर से नीचे
1. सिखाने वाला (5) I 2. प्रसिद्धि प्राप्त करना (2,3) I 3. प्यारा (2) I 4. स्थिति, अवस्था (2) I 5. नमक-सा स्वाद (4) I 7. सिद्ध होना, कच्चा न रहना (3) I 10. रोकना, बंद करना (3) I 12. इज्जत जाना, मान-सम्मान खोना (2,3) I 14. तमाशा देखने वाला (5) I 15. भलाई, किसी का अच्छा करना (4) I 17. पेड़ के दो भाग होते हैं- जड़ और .....(2) I 18. अपशब्द (2) I

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

म			स	त	त		स	हा	रा
ह			ह		पो		र		
ज	ल	ध	र		भू	मि	का		
		व		भू	मि		र	ख	ना
आ	दा	ल	त			र			स
ढे			म			वि	वे	च	ना
ष	ड	गी		र	मा		द		
		लो	ल	सा		चे	ना	खा	रे
		प		त		य			ह
स	ह	न		ल	ग	न			स्य

जागरण सुडोकू-2866

1		3		6			4	
4					9	7		3
		9		1		2		
	7	2		4			8	
3					2	4		7
		8	1			3		
	3			7	1		2	8
	1					6		
8		7	6					1

कल का हल

4	8	5	1	6	2	7	9	3
6	1	7	8	3	9	4	2	5
9	3	2	7	4	5	6	1	8
3	6	1	9	8	7	5	4	2
2	7	9	6	5	4	3	8	1
8	5	4	3	2	1	9	6	7
7	2	6	5	9	8	1	3	4
5	9	8	4	1	3	2	7	6
1	4	3	2	7	6	8	5	9

सनातन का वैभव

हिंदू संगठनों के सेवा कार्यों के बारे में मिल रही जानकारी, देश में 2009 से आयोजित किए जा रहे इस प्रकार के मेले

महाकुंभ से पहले मुंबई में चल रहा 'हिंदू आध्यात्मिक सेवा कुंभ'

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

मुंबई : प्रयाग में 13 जनवरी से शुरू होने वाले विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक मेले महाकुंभ से पहले मुंबई में हिंदू संगठनों का सेवा कुंभ चल रहा है। इसमें देश, विदेश में विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा चलाए जा रहे लाखों सेवा प्रकल्पों की जानकारी मिल रही है।

हिंदू स्पिरिचुअल एंड सर्विस फाउंडेशन (एचएसएसएफ) द्वारा नौ से 12 जनवरी तक आयोजित सेवा कुंभ का उद्घाटन गुरुवार को श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरि महाराज ने किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं एचएसएसएफ के राष्ट्रीय संयोजक गुणवंत सिंह कोठारी के अनुसार प्रख्यात हिंदू विचारक एस. गुरुमूर्ति से 2005 में उनके विदेश दौरे के दौरान किसी अप्रवासी भारतीय ने प्रश्न किया कि हम अनेक क्षेत्रों में सेवा कार्य करते हैं, लेकिन हमारे इन कार्यों को हिंदू सेवा के नाम से क्यों नहीं जाना जाता?

गुरुमूर्ति ने स्वदेश लौटने के बाद इस बारे में हिंदू संगठनों से चर्चा की। चर्चा से निष्कर्ष निकला कि सेवा क्षेत्र में काम कर रहे सभी हिंदू संगठनों को साथ लाया जाए ताकि देश के लोगों को इन सेवा कार्यों के बारे में पता भी चल सके और संगठित रूप से सेवा कार्यों को आगे बढ़ाया जा सके।

इन संस्थाओं को जोड़ने का प्रयास शुरू हुआ। अब तक एचएसएसएफ के तहत विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कर रही चार हजार से अधिक हिंदू संस्थाओं को जोड़ा जा चुका है। इन संस्थाओं को जोड़ने के अलावा इनके कार्यों को देश के सामने लाना भी उद्देश्य था। इसके लिए बारी-बारी इन संस्थाओं को मेले के रूप में प्रस्तुत करने की योजना बनाई गई। योजना के तहत अब तक 33 मेलों का आयोजन किया जा चुका है। चार करोड़ से अधिक लोगों से संपर्क किया जा चुका है।

इसी कड़ी में इन दिनों मुंबई के गोरेगांव क्षेत्र में चल रहे हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले में मुंबई के चिन्मय मिशन, एस्कान, श्री सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई में बाहर से आनेवाले कैंसर पीड़ितों को आश्रय प्रदान करनेवाली नाना पालकर स्मृति समिति एवं श्री अशोक सिंघल रुग्ण सेवा सदन एवं घर से भागे बच्चों को पुनः उनके घर पहुंचानेवाली समतोल फाउंडेशन एवं माई होम इंडिया जैसी करीब 200 संस्थाएं शामिल हैं। देश के विभिन्न नगरों में इस प्रकार के मेले 2009 से आयोजित किए जा रहे हैं।

मुंबई में आयोजित हिंदू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले का प्रवेश द्वार। जागरण

4 करोड़ से अधिक लोगों से संपर्क किया जा चुका है

देशभर में 100 से ज्यादा स्कूल चला रहा मिशन

कोठारी बताते हैं कि एस्कान ने पालघर के 80 से अधिक गांवों को कुपोषण मुक्त करने में सफलता पाई है। मुंबई में इन दिनों चल रहे ऐसे ही मेले में भाग ले रहे मुंबई के ही चिन्मय मिशन के स्वामी स्वात्मानंद बताते हैं कि मिशन देशभर में 100 से ज्यादा स्कूल चला रहा है, जिनमें एक लाख से अधिक बच्चे पढ़ रहे हैं।

आज का भविष्यफल : 12 जनवरी 2025 रविवार

के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : पौष मास शुक्ल पक्ष चतुर्दशी का राशिफल
राहुकाल : सायं 04:30 मिनट से 06 बजे तक। दिशाशूल : पश्चिम।

कल 13 जनवरी 2025 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पूर्व
विशेष : शाकंबरी जयंती, प्रयागराज कुंभ का प्रथम स्नान। भद्रा : सायं 04:30 मिनट तक। विक्रम संवत 2081 शके 1946 दक्षिणायण, दक्षिणगोल, हेमंत ऋतु पौष मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा 27 घंटे 57 मिनट तक, तत्पश्चात् प्रतिपदा आर्द्रा नक्षत्र 10 घंटे 38 मिनट तक, तत्पश्चात् पुनर्वसु नक्षत्र वैधृति योग 28 घंटे 39 मिनट तक।

मेष : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
वृष : व्यावसायिक मामलों में सफलता मिलेगी। पुरुषार्थ सार्थक होगा।
मिथुन : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। दांपत्य जीवन सुखमय होगा।
कर्क : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
सिंह : मन अशांत रहेगा। व्यर्थ की परेशानी और उलझनें रहेंगी।
कन्या : जारी प्रयास सार्थक होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
तुला : आर्थिक मामलों में सुधार होगा। उच्च अधिकारी का सहयोग मिलेगा।
वृश्चिक : सुखद परिवर्तन का योग है। स्नानदान आपके लिए हितकर होंगे।
धनु : सुखद यात्रा का योग है। शासनसत्ता का सहयोग मिलेगा।
मकर : रिश्तों में निकटता आएगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
कुंभ : आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। रिश्तों में प्रगति होगी।
मीन : दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा के क्षेत्र में जारी प्रयास सार्थक होगा।

****

400 से ज्यादा राहत व बचाव कर्मी ने अभियान शुरू किया था। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के एसपी ने बताया कि भारी मशीनों, क्रेनों और गैस कटर की मदद से खोज एवं बचाव अभियान गुरुवार दोपहर को शुरू हुआ।

रविवार विशेष

सपनों में रंग भरते युवा

भारत युवाओं का देश है। दुनिया की सर्वाधिक श्रम शक्ति भारत के पास है। सुखद यह कि हमारे युवाओं की योग्यता और मेधा की दुनिया कायल है। इस युवा शक्ति के भरोसे ही देश अमृत काल में विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है और 2047 के लिए इस संकल्प पर चल पड़ा है। इस बार 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस पर रविवार विशेष में पढ़ें ऐसी कहानियां जो युवाओं को प्रेरित करती हैं।

घर बैठे साफ्टवेयर से जान पाएंगे दिमाग स्वस्थ है या अस्वस्थ

किसी व्यक्ति का दिमाग स्वस्थ है या नहीं, यह जानना अब अत्यंत सरल हो जाएगा। अमृतसर के छात्र ने एक ऐसा साफ्टवेयर तैयार किया है, जिसके माध्यम से घर बैठे ही लोग मस्तिष्क संबंधी बीमारियों के विषय में जान सकेंगे। इसके लिए न तो एमआरआइ मशीन की आवश्यकता होगी और न ही सीटी स्कैन की। अमृतसर स्थित गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के एमसीए के विद्यार्थी युद्धनंदन भारद्वाज ने यह नवाचार किया है। युद्धनंदन ने डेढ़ वर्ष के कठिन परिश्रम के पश्चात 'न्यूरो आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस क्लीनिक' नामक साफ्टवेयर तैयार किया है।

दरअसल, न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर यानी मस्तिष्क रोगों से पीड़ित मरीज की जांच के लिए वर्तमान में परंपरागत तरीके ही हैं। खास तौर पर तनाव के शिकार मरीज की जांच के लिए कोई मशीनी मानक नहीं है। वर्तमान में डाक्टरों की ओर से फिंगर टाइपिंग, नोयस रिफ्लेक्शन, माइटी, स्पीच टेस्ट, मेमोरी और शरीर के टेस्ट मैनुअली किए जाते हैं। अब युद्धनंदन के साफ्टवेयर के जरिये यह स्वतः किए जा सकेंगे। युद्धनंदन ने यह साफ्टवेयर विशेष तौर पर तनावग्रस्त मरीजों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। इसके अतिरिक्त पार्किंसन, अधरंग व मस्तिष्क संबंधी किसी भी रोग का यह साफ्टवेयर आकलन करने में सक्षम है। युद्धनंदन के अनुसार उन्होंने इस साफ्टवेयर को इस तरह डिजाइन किया है कि रोगी के मस्तिष्क की स्कैनिंग के पश्चात कुछ ही देर में एक पीडीएफ फाइल तैयार होगी, जिसमें रोग उसकी संपूर्ण जानकारी उपलब्ध होगी। अब तक 100 मरीजों की इस साफ्टवेयर के माध्यम से जांच की जा चुकी है। इनमें से कई मरीज तनावग्रस्त पाए गए। युद्धनंदन के अनुसार, साफ्टवेयर तैयार हो चुका है। अब वेबसाइट लांच की जा रही है। **(अमृतसर से नितिन धीमान)**

युद्धनंदन साफ्टवेयर के बारे में जानकारी देते हुए ● स्वयं

अधरंग पीड़ितों के लिए माइटी अजना नामक साफ्टवेयर विकसित किया

23 वर्षीय युद्धनंदन अमृतसर के मजीठा रोड स्थित व्हाइट एवेन्यू के रहने वाले हैं। इससे पूर्व उन्होंने अधरंग पीड़ित मरीजों के लिए माइटी अजना साफ्टवेयर बनाया था। इसके माध्यम से मरीज बिना हाथ-पैर की सहायता के सिर्फ आंखों से ही कंप्यूटर पर काफी हद तक काम कर सकते हैं।

पांच वर्षों में खड़ी की फूड प्रोसेसिंग यूनिट, 350 लोगों को दिया रोजगार

हौसले हों बुलंद तो जोश, जुनून और मेहनत की बदौलत कोई भी कठिन से कठिन कार्य संभव है। हजारीबाग के राम नगर निवासी 34 वर्षीय संगीत सुनील सिन्हा ने कुछ ऐसा कर दिखाया है जिससे वह लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं। उन्होंने कम उम्र में न सिर्फ अपने सपने और आकांक्षाओं को पूरा किया बल्कि उनके प्रयास ने 200 महिलाओं के जीवन में रंग भर दिया है। उन्हें आर्थिक रूप से सबल और आत्मनिर्भर बना दिया। ऐसे, उन्होंने महिलाओं सहित करीब 350 लोगों को अपनी कंपनी में रोजगार दिया है।

घर की दहलीज के अंदर सिमटी रहने वाली इन महिलाओं को इन्होंने रोजगार दिया। इससे महिलाओं के घर की माली हालत तो बदली ही, इनके बच्चों की शिक्षा पर भी असर दिखा। युवा संगीत सुनील सिन्हा की सफलता की पटकथा की शुरुआत पांच साल पहले हुई थी, जब उन्होंने 30 कर्मियों के साथ हजारीबाग के डेमाटांड़ में सिद्धिदात्री आहार प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की। पांच साल में उनकी कंपनी राज्य की सबसे बड़ी फूड प्रोसेसिंग यूनिट बन गई। कंपनी का दायरा इतना बड़ा हो गया कि यहां एक दिन में 30 टन आलू प्रोसेस होता है। नौ टन चिप्स तैयार होता है। 20 टन नमकीन प्रतिदिन तैयार किया जा रहा है। पड़ोसी देश श्रीलंका, नेपाल, भूटान व बांग्लादेश के लोग भी यहां के नमकीन व चिप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। वर्तमान में यहां 350 कर्मी काम कर रहे हैं, जिनमें 200 महिलाएं हैं। काम के माध्यम से कंपनी के जीवन में नया रंग भरा है। यहां सौ से अधिक तकनीकी दक्ष कर्मी यहां काम करते हैं।

पिता को आदर्श मानते हैं संगीत: संगीत सिन्हा अपने पिता सुनील सिन्हा को आदर्श मानते हैं। बताते हैं कि पढ़ाई के बाद वह आस्ट्रेलिया जाना चाहते थे। लेकिन, पिता ने कहा कि यहीं कुछ करो तो फिर वह यहीं रुक गए। काफी समय तक रिसर्च करने के बाद झारखंड में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने का निर्णय लिया। **(हजारीबाग से विकास कुमार)**

हजारीबाग में स्थित फूड प्रोसेसिंग यूनिट में पैकिंग का काम करती महिलाएं ● स्वयं

घर से आने-जाने के लिए महिलाओं को दी बस की सुविधा

महिलाएं यहां सशक्त हुईं तो उनकी सुरक्षा और सुविधा का ध्यान भी संगीत सिन्हा पूरी तरह से रखते हैं। महिलाओं को बस से आने-जाने की सुविधा दी जाती है। सुबह काम शुरू होने के पहले बस उनके दरवाजे पर लाने जाती है तो शाम में काम खत्म होने के बाद उन्हें घर तक सुरक्षित छोड़ने जाती है। साथ ही प्लांट के अंदर ही उनके खाने तक की व्यवस्था रहती है।

कंप्यूटर दीदी कुपवाड़ा के गांव की बदल रहीं तस्वीर

कुपवाड़ा के गांव में स्थित कंप्यूटर संस्थान में युवाओं को कंप्यूटर की जानकारी देते हुए ● स्वयं

अनुच्छेद 370 हटे दो वर्ष हो चुके थे। आतंक और अलगाववाद पर जम्मू-कश्मीर में नकेल कसी गई है। डिजिटल क्रांति और साक्षरता के साथ विकास भी तेज रफ्तार पकड़ रहा है, लेकिन कश्मीर में दूरदराज के इलाके बुरी तरह पिछड़े थे। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा से 35 किलोमीटर दूर एक छोटे से गांव दारिल में कंप्यूटर शिक्षा एक समय हौवा जैसी थी। गांव की पढ़ी लिखी युवती गजाला मंजूर जब किसी काम से कस्बे में आती तो वहां कंप्यूटर सिखाने के केंद्र उसे बड़ा प्रभावित करते। गजाला ने स्वयं उच्च शिक्षा प्राप्त की, लेकिन कंप्यूटर शिक्षा में वह अनजान थी। गांव का पिछड़ापन उन्हें बहुत खलता। ऐसे में उन्होंने डिजिटल गांव बनाने का संकल्प लिया। गजाला ने न केवल कंप्यूटर सीखकर अपना जीवन बदला बल्कि सैकड़ों बेरोजार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया। यही नहीं स्कूलों में भी कंप्यूटर शिक्षा के प्रति बच्चों में रुझान बढ़ाया है। गांव के लोग अब गजाला को कंप्यूटर दीदी नाम से पुकारते हैं।

वर्ष 2021 में ग्रामीण विकास आजीविका अभियान की सहायता से गजाला ने गांव में कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया। यहां से प्रशिक्षण लेकर सैकड़ों विद्यार्थी आत्मनिर्भर हो चुके हैं। केंद्र में गरीब बच्चों के लिए निश्शुल्क कंप्यूटर शिक्षा का भी बंदोबस्त है। गजाला को गांव व पड़ोसी इलाकों में शिक्षा के ढांचे को परिवर्तित करने तथा पारंपरिक शिक्षा के साथ युवाओं में डिजिटल की तरफ आकर्षित करने के लिए कई चुनौतियां झेलनी पड़ीं। आज गांव पूरा डिजिटलाइज है। दुकानों में अधिकांश लोग पैसे का लेन-देन आनलाइन ही कर रहे हैं।

गजाला के अनुकरणीय कार्य ने पूरे जिले में मिसाल कायम की। वह युवाओं की रोल माडल हैं। उनका काम युवाओं के लिए एक रोड मैप है, खासकर उनके लिए जो डिजिटल दुनिया में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

खंड विकास अधिकारी, बिलाल अहमद डार

घर-घर जाकर महत्व बताया

गजाला मंजूर बताती हैं कि कंप्यूटर शिक्षा सीखाने के लिए विशेषकर लड़कियों को प्रेरित करना इतना आसान नहीं था। तब घर-घर जाकर इसके महत्व की जानकारी दी। इलाके में ज्यादातर गुज्जर समुदाय के लोग रहते हैं, लेकिन प्रयास सफल रहा और अब हमारे सेंटर में गुज्जर लड़कियों की संख्या सबसे अधिक है।

गजाला ने अपने सफर को साझा करते हुए कहा, मुझे खुशी है कि आज न केवल मेरे गांव बल्कि आसपास कई पड़ोसी गांव के युवा आत्मनिर्भर हो चुके हैं। कुछ वर्ष पहले तक गांव में इसकी कोई कल्पना ही नहीं कर सकता था। पढ़े लिखे लोग भी कंप्यूटर नहीं चला पाते थे। इनमें कई सरकारी नौकरियां भी करते थे। 4,000 से अधिक आबादी वाले गांव में सरकारी व निजी स्कूल भी हैं, लेकिन बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा देने में नाकाम रहे हैं। आर्थिक तंगी भी आड़े आती थी। हमारा गांव कस्बे से 35 किमी दूर है। मैंने सोचा कि अगर कंप्यूटर सेंटर गांव में ही स्थापित कराऊं तो बड़ी पहल होगी। सबसे पहले मैंने कंप्यूटर में डिप्लोमा कोर्स किया। कोर्स खत्म करते ही कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया। जिससे प्रशिक्षण लेकर अब बड़ी संख्या में युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। **(श्रीनगर से रजिया नूर)**

बर्फबारी व वर्षा के साथ उत्तर भारत में और बढ़ी ठंड

एनसीआर, पंजाब, हरियाणा में हल्की वर्षा से गिरा तापमान, हल्की वर्षा के साथ कोहरे को लेकर अलर्ट

टीम जागरण, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर शनिवार सुबह घने कोहरे की चादर से लिपटा रहा। दृश्यता कम होने के साथ बादल भी रहे। वहीं शाम को हल्की बारिश से ठंड बढ़ गई। सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस था, जो शाम को वर्षा के बाद गिर कर 7.7 डिग्री सेल्सियस हो गया। अधिकतम तापमान भी सामान्य से तीन डिग्री नीचे 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के पहाड़ों पर बर्फबारी भी हुई। साथ ही पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी हल्की बारिश हुई। इस कारण से उत्तर भारत में ठिठुरन बढ़ गई है। कोहरा होने से दिल्ली में कुछ स्थानों पर दृश्यता 50 मीटर तक रही। आइजीआइ एयरपोर्ट पर शनिवार को कोहरे के प्रभाव से उड़ानें रद नहीं हुईं, लेकिन कुछ उड़ानें विलंबित रहीं। ट्रेनों की चाल पर कोहरे का असर सबसे ज्यादा रहा। दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश में ट्रेनें घंटों लेट चल रही हैं। इस कारण से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। दिल्ली में रविवार को भी हल्की वर्षा होने की संभावना है। वहीं उप्र के आंचलिक विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी डा.अतुल कुमार सिंह ने अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण रविवार को राज्य के कुछ जिलों में बूंदाबांदी हो सकती है।

शनिवार को कश्मीर के अधिकांश इलाकों में तापमान लगातार जमाव बिंदु शून्य से नीचे रहा। पहलगाम -7.6 डिग्री के साथ घाटी का सबसे ठंडा क्षेत्र रहा। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान कई इलाकों में बर्फबारी व बारिश की संभावना जताई है। हिमाचल में शनिवार को रोहतांग, बारालाचा, शिंकुला व कुंजुम में हल्का हिमपात हुआ। वहीं प्रदेश के अधिकतर स्थानों पर बादल छाये रहे, जिससे अधिकतम तापमान में पांच से 11.4 डिग्री तक की गिरावट आई है। ताबो में अधिकतम तापमान में 11.4, धर्मशाला में 9.4, भुंतर में आठ, मंडी में 7.3, शिमला में 5.6 डिग्री की गिरावट आई। मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के ऊंचे स्थानों पर हिमपात व निचले क्षेत्रों में भी आंधी के साथ वर्षा की संभावना जताई है। उत्तराखंड में पहाड़ से मैदान तक बादल मंडरा रहे हैं और हिमालय की चोटियों पर हिमपात का सिलसिला शुरू हो चुका है।

पंजाब-हरियाणा में कोहरे के साथ हुई वर्षा : पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से शनिवार को पंजाब के छह जिलों वर्षा हुई। इस दौरान तेज हवा भी चली, जिससे दिन भर कड़ाके की ठंड रही। कई जिलों में घनी धुंध भी छाई रही। दृश्यता 20 मीटर तक दर्ज की गई। वर्षा के बाद दिन के तापमान में छह डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज हुई। गुरदासपुर 3.8 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ पंजाब में सबसे ठंडा रहा।

हिमाचल में शनिवार को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात से शीतलहर बढ़ी है। अटल टनल रोहतांग के नार्थ पोर्टल (लाहुल स्पीति की ओर) की पहाड़ियों में हिमपात के बाद इस तरह का दृश्य बन गया। जागरण

असम के कोयला खदान हादसे में मृत संख्या चार हुई

गुवाहाटी, प्रेट्र : असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। खदान में फंसे तीन श्रमिकों के शव शनिवार को बचाव अभियान के दौरान खदान से बरामद किए गए। अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं। पहला शव बुधवार को खदान से निकाला गया था।

एक अधिकारी ने बताया कि ये चारों उमरंगसू में सोमवार को खदान में अचानक पानी भर जाने के बाद फंसे नौ मजदूरों में शामिल थे। उल्लेखनीय है कि 340 फीट गहरी खदान से पानी निकालने का काम ओएनजीसी और कोल इंडिया द्वारा लाई गई विशेष मशीनों से गुरुवार से जारी है। अधिकारी ने बताया, ''बचाव अभियान शनिवार सुबह फिर से शुरू हुआ और फंसे हुए खनिकों की तलाश के छठे दिन तीन शव बरामद किए गए। उधर, छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में एक लौह संयंत्र में ढहे साइलो के मलबे से शनिवार को 42 घंटे के अभियान के बाद तीन श्रमिकों के शव बरामद किए गए हैं।

50 वर्ष में जम्मू-कश्मीर में सबसे ज्यादा सूखा रहा 2024 का साल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अब कश्मीर में स्पष्ट नजर आने लगा है। वर्ष 2024 में कश्मीर में वर्षा हुई, लेकिन मात्र 870.9 मिलीमीटर। किसी एक कैलेंडर वर्ष में हुई औसत बारिश को अगर मानक बनाया जाए तो वर्ष 2024 बीते 50 वर्ष में जम्मू-कश्मीर में सबसे सूखा वर्ष रहा है। इससे पहले वर्ष 1974 में औसत बारिश 802 मिलीमीटर हुई थी। जम्मू-कश्मीर में वार्षिक सामान्य औसत बारिश 1232.3 मिमी है। वर्षा में आ रही कमी से मौसम और कृषि विज्ञानी चिंतित हैं। उनके मुताबिक आने वाले समय में इससे जम्मू-कश्मीर में गंभीर जलसंकट और खाद्यान्न संकट पैदा हो सकता है।

कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यरत डा. संदीप ने कहा कि मौसम में लगातार बदलाव आ रहा है। बारिश में कमी हो रही है, नदी-नालों में जलप्रवाह कम हो रहा है। आने वाला समय बहुत ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। बारिश में लगातार कमी से कृषि और बागवानी पूरी तरह प्रभावित होगी। कश्मीर में जो भी फसलें और फल हैं, उनके लिए जमीन में नमी ज्यादा चाहिए। यह नमी कम हो रही है। इसका असर बागवानी और कृषि उत्पादों पर पर हो रहा है। हम किसानों को ऐसे बाग विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिन्हें सिंचाई के लिए कम पानी चाहिए। मौसम विज्ञानी फैजान आरिफ कैंग बताते हैं कि बारिश में भारी कमी का खामियाजा प्रदेश विशेषकर घाटी के जलस्त्रोतों के जलस्तर में कमी आ गई है। झेलम नदी का जलस्तर मात्र 0.75 फीट है जो सामान्य से पांच फीट तक कम है।

ग्लेशियरों में 28 प्रतिशत की कमी आ चुकी : कश्मीर के प्रसिद्ध भूविज्ञान प्रो शकील अहमद रमशू ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का असर अब स्पष्ट नजर आने लगा है। झेलम और चिनाब समेत जम्मू-कश्मीर की सभी नदियों में जलस्तर की मौजूदा स्थिति इसका सुबूत है।

▸ **बेहद कम वर्षा होने से जलसंकट और खाद्यान्न संकट को लेकर किसान और विज्ञानी चिंतित**

अल्लू अर्जुन को जमानत शर्तों में छूट, अब कर सकेंगे विदेश यात्रा

हैदराबाद, प्रेट्र : 'पुष्पा 2' भगदड़ मामले में हैदराबाद की एक अदालत ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को बड़ी राहत देते हुए उनकी जमानत की शर्तों में ढील दी है। इससे अब उन्हें हर रविवार को जांच अधिकारी के सामने पेश होने से छूट मिल गई है।

अदालत ने उन्हें इस शर्त के साथ निर्दिष्ट देशों में विदेश यात्रा करने की अनुमति भी दी है कि उन्हें आवश्यकतानुसार चिक्कड़पल्ली थाने के एसएचओ के सामने पेश होना होगा।

उन्हें यह भी निर्देश दिया गया है कि उन्हें अपनी हर यात्रा के लिए अपने यात्रा कार्यक्रम के बारे में एसएचओ को सूचित करना होगा और आरोप पत्र दायर होने तक गंतव्य देश में अपने ठहरने के स्थान का विवरण भी देना होगा।

अदालत ने 10 जनवरी के अपने आदेश में कहा कि शेष जमानत शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। उल्लेखनीय है कि अदालत ने यह फैसला अल्लू अर्जुन द्वारा जमानत शर्तों में ढील देने की मांग वाली याचिका के बाद लिया है।

मप्र में डीआइजी की 'सीख', कहा- कभी पूर्णिमा को गर्भधारण न करें

नईदुनिया प्रतिनिधि, शहडोल

▸ **तीन माह पूर्व 'मैं भी हूं अभिमन्यु' अभियान के दौरान दिया था बयान, अब वीडियो इंटरमेट मीडिया पर हुआ बहुप्रसारित**

मध्य प्रदेश के शहडोल पुलिस रेंज की डीआइजी सविता सुहाने का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर बहुप्रसारित हो रहा है। वीडियो पिछले साल तीन अक्टूबर का बताया जा रहा है। इसमें सविता सुहाने छात्राओं से कह रही हैं कि कभी भी पूर्णिमा को गर्भधारण न करें। सूर्य को जल चढ़ाने से ओजस्वी संतान पैदा होती है। लैंगिक समानता के जागरूकता कार्यक्रम में इस बात को कहने के औचित्य को लेकर काफी प्रतिक्रियाएं भी आ रही हैं।

डीआइजी ने यह बात ज्ञानोदय हायर सेकंडरी स्कूलमें 'मैं भी हूं अभिमन्यु' अभियान के तहत कही थी। अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं और बच्चों में लैंगिक समानता व महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना जगाना था। यह अभियान नौ अक्टूबर तक चला था। वीडियो बहुप्रसारित होने और इंटरनेट मीडिया पर मिल रही प्रतिक्रियाओं के बाद अब सविता सुहाने इसे उनकी छवि खराब करने का प्रयास कह रही हैं। उन्होंने कहा कि भाषण के कुछ अंश तीन माह बाद इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं, यदि स्कूलों में यौन शिक्षा की बात हो सकती है तो गर्भधारण की बात कहां गलत है।

सवा घंटे के भाषण में यह बात शामिल थी और यह धर्मशास्त्रों में प्रमाणित है। अभिमन्यु के बारे में बताते समय बालिकाओं को यह बताया गया है कि बच्चों में संस्कार गर्भ के समय से आ जाते हैं। पूरा वीडियो सुनने के बाद कोई इस बात की आलोचना नहीं कर सकता। मैं इस विषय पर अनेक बार बोल चुकी हूं और सरकार ने मुझे इसके लिए सम्मानित भी किया है। वीडियो के कुछ अंश प्रसारित कर मेरी छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है जबकि मेरा उद्देश्य पवित्र है।

डिजिटल अरेस्ट कर धोखाधड़ी के करोड़ों हवाला के जरिए भेजे गए विदेश

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता: डिजिटल अरेस्ट का भय व अन्य हथकंडे आजमाकर 180 करोड़ से अधिक की ठगी वाले गिरोह के तार दुबई से जुड़े होने के सुबूत मिले हैं। कोलकाता पुलिस सूत्रों के अनुसार मामले में गिरफ्तार लोगों ने ठगी के करोड़ों रुपये हवाला के जरिए दुबई समेत कई देशों में भेजे हैं। कोलकाता पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड चिराग कपूर उर्फ चिंतक राज को गुरुवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया था। उससे पूछताछ में इसका पता चला है। चिराग को शुक्रवार को ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाकर बैंकशाल अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 22 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस गिरोह के 10 सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गिरोह में कई बड़े लोगों के शामिल होने का अनुमान है। उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में पता चला है कि चिराग व अन्य आरोपितों ने डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर देशभर में 1,000 से अधिक लोगों को ठगा।

****

बंगाल से तीन और बांग्लादेशी घुसपैठिये गिरफ्तार किए गए

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

भारत-बांग्लादेश सीमा से सटे बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बनगांव इलाके से पुलिस ने तीन घुसपैठियों को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों ने अवैध तरीके से भारत में प्रवेश किया था और फर्जी तरीके से पासपोर्ट हासिल कर विदेश जाने की फिराक में थे। शुक्रवार को बनगांव शहर के बनगांव-बागदा रोड के आसपास संदिग्ध तरीके से घूमते देखे जाने पर पुलिस ने उनसे पूछताछ की तो गोलमोल जवाब देने लगे। भारतीय नागरिक होने का कोई वैध दस्तावेज भी पेश नहीं कर पाए। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। शनिवार को अदालत में पेश करने पर उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। मालूम हो कि बंगाल में फर्जी पासपोर्ट रैकेट का पता लगाने के लिए पुलिस की सघन जांच चल रही है। इस रैकेट में बांग्लादेशियों के जुड़े होने का संदेह है।

तस्करों ने बीएसएफ जवानों पर फिर किया जानलेवा हमला

भारत-बांग्लादेश सीमा पर शनिवार तड़के बांग्लादेशी तस्करों के दल ने बीएसएफ के जवानों पर फिर जानलेवा हमला कर दिया। जवानों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इसे नाकाम कर दिया। तस्कर अंधेरे व घनी झाड़ियों का फायदा उठाकर वापस बांग्लादेश भाग गए। घटना बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अंतर्गत 119वीं बटालियन की सीमा चौकी नवादा इलाके में शुक्रवार रात घटी। मालूम हो कि इससे पहले उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर गुरुवार देर रात बांग्लादेशी मवेशी तस्करों ने बीएसएफ जवानों पर हमला किया था। बीएसएफ दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता व डीआइजी नीलोत्पल कुमार पांडे ने कहा कि बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ नियमित फ्लैग मीटिंग के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

रैगिंग के दोषी छात्रों को आश्रम में एक सप्ताह तक करना होगा शिक्षा दान

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर : उड़ीसा हाई कोर्ट के जस्टिस शिवशंकर मिश्र की खंडपीठ ने भुवनेश्वर के एक निजी कानून शिक्षण संस्थान में रैगिंग के दोषी छात्रों को अनाथालय में एक सप्ताह तक शिक्षादान करने की अनूठी सजा सुनाई है। साथ ही छात्रों के खिलाफ निचली अदालत में चल रहे मामले को रद करने का आदेश दिया है। छात्र अपनी-अपनी पसंद के एक अनाथ आश्रम में एक सप्ताह तक स्वयंसेवक के तौर पर काम करेंगे। इस दौरान वे अनाथ आश्रम में पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ाएंगे या उनके लिए कार्यशाला करेंगे। छात्र खुद अनाथ आश्रमों का चयन करेंगे और उसके मुखिया को इस निर्देश के बारे में सूचित करेंगे। एक सप्ताह तक शिक्षादान या कार्यशाला आयोजन कार्य पूरा करने के बाद अनाथ आश्रम के मुखिया से इस संदर्भ में प्रमाण पत्र लाएंगे। प्रमाण पत्र को चार सप्ताह के अंदर हाई कोर्ट में दाखिल करना होगा। भुवनेश्वर के कानून शिक्षा संस्थान में चार वरिष्ठ छात्रों ने एक जूनियर छात्र की रैगिंग की थी।

दैनिक जागरण
बुरे विचार ही हमारे सुख-शांति के शत्रु हैं

सरकारी निर्माण

कन्नौज में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन रेलवे स्टेशन का एक हिस्सा ढह जाने से कोई बड़ी जन हानि न होना राहतकारी है। यह सौभाग्य की बात रही कि रेलवे स्टेशन के ढहे हिस्से में दबे अधिकांश मजदूरों को निकाल लिया गया और जो गंभीर रूप से घायल हुए, उनके समुचित उपचार की व्यवस्था कर दी गई। गंभीर रूप से घायल मजदूरों के लिए मुआवजे की घोषणा करने के साथ ही इस बात का पता लगाने के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन भी कर दिया गया है कि यह हादसा कैसे हुआ? आशा की जानी चाहिए कि यह समिति हादसे के मूल कारणों का पता लगाने में समर्थ रहने के साथ ऐसे उपाय भी सुझाएगी, जिससे भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाएं न हो सकें। इस समिति को इस बिंदु पर ध्यान देना चाहिए कि दुर्घटना का कारण कहीं सुरक्षा उपायों की अनदेखी तो नहीं थी? इसके अतिरिक्त उसे यह भी अवश्य देखना होगा कि कहीं निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता तो नहीं किया गया था? इस पहलू पर विशेष रूप से ध्यान देना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश भर में 12 सौ से अधिक रेलवे स्टेशनों को उन्नत किया जा रहा है, ताकि रेल यात्रियों को समुचित सुविधाएं मिल सकें। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि अपने देश में सरकारी योजना के तहत होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का वैसा ध्यान नहीं रखा जा रहा है, जैसा अपेक्षित ही नहीं, अनिवार्य है। इसी कारण सड़क, पुल आदि के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर रह-रहकर सवाल उठते रहते हैं।

यह किसी से छिपा नहीं कि कुछ समय पहले दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की छत गिर गई थी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत भी हो गई थी। इसके कुछ दिनों बाद राजकोट हवाईअड्डे की भी छत ढह गई थी। कुछ इसी तरह की घटना जबलपुर हवाईअड्डे में भी हुई थी। इससे सभी परिचित ही होंगे कि बिहार में किस तरह पुल गिरने के समाचार आते रहे हैं। तथ्य यह भी है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में गुणवत्ता की कमी को लेकर भी कई बार सवाल उठ चुके हैं। ऐसे सवाल यही रेखांकित करते हैं कि सरकारी योजनाओं के निर्माण को लेकर जो मानक तय किए गए हैं, उनकी अनदेखी हो रही है। एक ऐसे समय जब विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और इसके चलते देश में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य हो रहे हैं, तब यह सुनिश्चित किया ही जाना चाहिए कि उनकी गुणवत्ता से कोई समझौता न होने पाए। इसके लिए केंद्र सरकार के साथ ही राज्य सरकारों को भी अतिरिक्त सतर्कता बरतनी होगी।

आतंक पर नकेल

लोहरदगा से एक आतंकवादी की गिरफ्तारी चौंकाने वाली है। झारखंड में एटीएस जैसी एजेंसी के रहते ऐसे अपराधी कैसे छिपे रहते हैं, यह चौंकाने वाली बात है। इससे पहले अलकायदा माड्यूल के मास्टरमाइंड डा. इश्तियाक अहमद को भी गिरफ्तार किया गया था। हालांकि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लोहरदगा के आतंकी शाहबाज अंसारी को झारखंड एटीएस के सहयोग से ही पकड़ा है। लेकिन राज्य में अलकायदा इन इंडियन सबकांटिनेंट की मौजूदगी चिंता का विषय है।

लोहरदगा में एक आतंकी की गिरफ्तारी से राज्य में राष्ट्रविरोधी तत्वों की मौजूदगी का एक और पुख्ता सुबूत मिला

लोहरदगा-हजारीबाग और रांची में पिछले कई सालों से ये इस्लामिक आतंकी समूह यहां मौजूद स्लीपर सेल की मदद से गतिविधि चला रहे हैं। शांतिप्रिय माने जाने वाले अपने राज्य में ऐसे दुर्दांत आतंकी समूह कई तरह की गतिविधियों में सक्रिय रहता है। राज्य के कई जिलों में बांग्लादेशी घुसपैठ भी खतरे के स्तर तक पहुंच गया है। इस घुसपैठ को अगर आतंकी समूह का साथ मिल गया तो राज्य और देश दोनों की सुरक्षा खतरे में आ जाएगी। राज्य में कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी अब प्रो-एक्टिव रोल में आना होगा। अब तक की कार्रवाई एनआइए या दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के जरिये ही की जाती रही है। लेकिन राज्य की एजेंसियों को भी इन तत्वों की पहचान का माडल तैयार करना होगा। किसी भी आतंकी की गिरफ्तारी पूरे समाज को खौफ में डालती है। इनके छिपे होने से आम जनजीवन खतरे में रहता है। आतंकी गतिविधियों में साथ देने वाले लोगों की पहचान भी करनी होगी और उन्हें सजा दिलाने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया भी तेज करनी होगी।

आपसी झगड़े में उलझा आइएनडीआइए

संजय गुप्त

आप और कांग्रेस के बीच जैसी तकरार हो रही है, वह गठबंधन की एकजुटता और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं

अवधेश राजपूत

दिल्ली में विधानसभा चुनावों को लेकर जब आम आदमी पार्टी ने यह स्पष्ट किया कि वह अपने बलबूते चुनाव लड़ेगी तो आइएनडीआइए की खींचतान फिर से उभरती दिखने लगी थी। आप के जवाब में जब कांग्रेस के नेताओं ने अरविंद केजरीवाल पर गंभीर आरोप लगाने शुरू किए तो यह खींचतान चरम पर आती दिखी। अब तो दोनों एक-दूसरे के सामने हैं, लेकिन यह साफ दिख रहा है कि जहां केजरीवाल कांग्रेस पर जोर-शोर से हमलावर हैं, वहीं राहुल गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक कांग्रेस के बड़े नेता उन्हें सीधा जवाब देने से परहेज कर रहे हैं। क्या इसका कारण गठबंधन को बिखरने से बचाना है? कारण जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि आइएनडीआइए में शामिल आप राष्ट्रीय दल है। उसकी दिल्ली के साथ पंजाब में भी सरकार है। यह भी एक तथ्य है कि आप प्रमुख केजरीवाल प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। वह अपने विरोधियों को जवाब देने और उन पर पलटवार करने में माहिर हैं। वह विरोधियों को कठघरे में खड़ा करने के लिए नए-नए मुद्दे लेकर सामने आते हैं और जरूरत के हिसाब से अपनी रणनीति भी बदल लेते हैं। इसके चलते उन्होंने अपनी छवि एक चतुर राजनेता की बना ली है। वह इस कोशिश में भी दिखते हैं कि वही भाजपा को बेहतर तरीक से चुनौती देने में सक्षम हैं। इसके विपरीत आइएनडीआइए की ओर से पीएम पद के प्रबल दावेदार माने जाने वाले राहुल गांधी घिसी-पिटी राजनीति करते दिखते हैं। शायद इसी कारण गठबंधन में शामिल अन्य दलों के नेता उनके नेतृत्व को चुनौती देते रहते हैं।

यह ध्यान रहे कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए अपनी दावेदारी पेश कर चुकी हैं। उनकी इस दावेदारी का समर्थन लालू यादव ने कर दिया था। आइएनडीआइए के घटकों के अन्य नेताओं ने भी ममता को गठबंधन का उपयुक्त नेता बताकर कांग्रेस की समस्या बढ़ा दी थी। इसी सिलसिले में समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव ने यह कहा था कि गठबंधन के नेता राहुल गांधी नहीं हैं। जब दिल्ली में आप और कांग्रेस के बीच तकरार को लेकर तेजस्वी यादव और कांग्रेस के कुछ नेताओं ने यह कहा कि आइएनडीआइए केवल लोकसभा चुनावों के लिए था तो उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यदि ऐसा है तो गठबंधन को भंग कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी शिकायत की कि गठबंधन में न तो नेतृत्व को लेकर स्पष्टता है और न ही नीति को लेकर। उन्होंने गठबंधन का कोई न्यूनतम साझा कार्यक्रम न होने की भी बात कही। उनकी बातों से असहमत नहीं हुआ जा सकता।

जब आइएनडीआइए का गठन हुआ था तो उसका लक्ष्य लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराना था। इसके अलावा उसके पास कोई स्पष्ट दृष्टिकोण और वैकल्पिक एजेंडा भी नहीं था। यह भी एक तथ्य है कि आइएनडीआइए पंजाब, केरल और बंगाल में मिलकर चुनाव नहीं लड़ सका था। लोकसभा चुनाव के बाद झारखंड और महाराष्ट्र में तो गठबंधन के घटकों ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन हरियाणा में वे ऐसा नहीं कर सके। खास बात यह है कि गठबंधन के कुछ घटक और खासकर सपा एवं तृणमूल कांग्रेस दिल्ली में आप का साथ देने की बात कर रहे हैं। चूंकि कांग्रेस दिल्ली में लंबे समय तक सत्ता में रह चुकी है, इसलिए यह स्वाभाविक है कि वह यहां पूरी ताकत से चुनाव लड़ना चाह रही है। आप भी दिल्ली को अपना गढ़ मानकर अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ने को तैयार नहीं, लेकिन दोनों दलों के बीच जैसी तकरार हो रही है, वह गठबंधन की एकजुटता और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं।

यह संभव है कि आइएनडीआइए के घटक अगला लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ना पसंद करें, लेकिन यदि वे आपस में झगड़ते रहते हैं तो न तो जनता को सही संदेश जाएगा और न ही यह गठबंधन भाजपा के नेतृत्व वाले गठजोड़ राजग का विकल्प बन पाएगा। पिछले चुनाव में आइएनडीआइए ने भाजपा को बहुमत नहीं हासिल होने दिया था, लेकिन वह न तो तब राजग का विकल्प बनता दिख रहा था और न ही अब। आइएनडीआइए की समस्या यह है कि उसके अधिकतर घटक दलों का वोट बैंक कांग्रेस से छिटक कर आया है। कांग्रेस यह जानती है कि यदि उसे आइएनडीआइए को सक्षम नेतृत्व देना है तो उसे अपनी राजनीतिक पैठ मजबूत करनी होगी। कांग्रेस यह काम नहीं कर पा रही है। उसका सांगठनिक ढांचा अब भी बहुत कमजोर है। कांग्रेस के पास भाजपा के बाद सबसे बड़ा वोट बैंक अवश्य है और वही भाजपा का राष्ट्रीय विकल्प भी बन सकती है, लेकिन बीते तीन लोकसभा चुनावों में उसका प्रदर्शन बहुत कमजोर रहा है। कांग्रेस की कठिनाई यह है कि यदि वह विधानसभा चुनावों के जरिये अपनी खोई हुई राजनीतिक ताकत हासिल करने की कोशिश करती है तो उसके सहयोगी दलों को यह रास नहीं आता। यदि यह स्थिति कायम रही तो आइएनडीआइए या अन्य कोई गठबंधन भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को कभी चुनौती नहीं दे पाएगा।

किसी भी लोकतंत्र में सशक्त सत्तापक्ष के साथ ही मजबूत विपक्ष भी होना चाहिए। यही नहीं ऐसे विपक्ष के पास अपना कोई ठोस एजेंडा भी होना चाहिए, जो जनता को आकर्षित कर सके। यह ठीक है कि कांग्रेस के अनेक सहयोगी दल अपने-अपने राज्यों में भाजपा को टक्कर देने में समर्थ हैं, जैसे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में डीएमके, केरल में माकपा आदि, लेकिन उनकी क्षेत्रीय स्तर पर ही पकड़ है। वे राष्ट्रीय स्तर पर इसलिए नहीं उभर पा रहे हैं, क्योंकि उनके पास ऐसा राष्ट्रीय एजेंडा नहीं है, जो भाजपा के एजेंडे का विकल्प बन सकता हो। बेहतर होगा कि आइएनडीआइए के घटक कोई ऐसा रास्ता निकालें, जो देश के लोकतंत्र को वैचारिक स्तर पर मजबूती प्रदान कर सके। इस गठबंधन में शामिल दलों को अपनी राजनीतिक ताकत के साथ ही कांग्रेस की राजनीतिक ताकत की भी चिंता करनी होगी।

response@jagran.com

छोटे कद वाले बड़े साहित्यकार

हास्य-व्यंग्य

रोहित कौशिक

अपना कद बढ़ाने के लिए उन्होंने पूरे शहर में पोस्टर चिपका दिए कि वह बड़े साहित्यकार हैं

वह साहित्यकार हैं। साहित्यकार होने के नाते उन्हें स्वयं को विशिष्ट समझने का अधिकार प्राप्त है। वह आम जनता पर लिखने का दावा करते हैं, लेकिन विशिष्ट होने के नाते उनका आम जनता से कोई सरोकार नहीं है। स्वयं को विशिष्ट समझने के कारण उनका लेखन भी विशिष्ट लोग ही समझ पाते हैं। वह बड़े साहित्यकार तो हैं ही, उनका डील-डौल भी बड़ा है, लेकिन लोग कहते हैं कि उनका कद बहुत छोटा है। वह स्वयं भी यह नहीं समझ पाए हैं कि डील-डौल बड़ा होने के बावजूद उनका कद छोटा क्यों है। वह चाहते हैं कि वह जितने बड़े साहित्यकार हैं, उनका कद भी उतना ही बड़ा हो जाए, लेकिन वह कद बढ़ाने की जितनी कोशिश करते हैं, उनका कद उतना ही छोटा होता जाता है। हारकर उन्होंने अपना कद बढ़ाने की कोशिश छोड़ दी है। अब उनका सारा ध्यान रचना का कद बढ़ाने पर है। इस समय उनकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि उनकी रचना उनके कद जितनी छोटी न हो जाए। रचना का कद बढ़ाने के लिए वह दिन-रात एक किए हुए हैं। अति उत्साह में एक दिन उन्होंने पूरे शहर में पोस्टर चिपका दिए कि वह अंतिम समय तक रचना का कद बढ़ाने की कोशिश करते रहेंगे। तब जाकर शहर की साहित्यिक जमात को पता चला कि रचना का भी कोई कद होता है।

साहित्यकार जी ने यह मान लिया है कि वह विशिष्ट और बड़े साहित्यकार हैं, इसलिए उनकी रचना तो स्तरीय होगी ही। जब प्रतिस्पर्धा के इस दौर में ऐसा विश्वास साथ हो तो रचना के स्तरीय न होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। आजकल विश्वास का बड़ा टोटा है। लाख कोशिश करो, लेकिन स्वयं पर विश्वास नहीं होता। साहित्यकार बनते ही विश्वास अपने आप हमारे साथ हो लेता है। इस अटूट विश्वास के कारण ही उन्हें यह पक्का भरोसा हो गया है कि वह जो लिखते हैं, हमेशा स्तरीय ही होता है। फलस्वरूप इस बात पर माथापच्ची करने से तो छुट्टी मिल जाती है कि रचना स्तरीय है या नहीं? इस प्रक्रिया का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि रचना के स्तर पर कभी बात ही नहीं होती है। लिहाजा सुबह-शाम रचना करने का हौसला दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करता रहता है।

साहित्यकार जी ने अपने हौसले के आधार पर कई किताबें लिख मारी हैं। छपते ही वह मित्रों को डाक से किताब भेजनी शुरू कर देते हैं। जब यह काम खत्म हो जाता है तो स्थानीय स्तर पर मित्रों को अपनी किताब बांटने निकल पड़ते हैं। किताब बांटकर जब वह घर आते हैं तो उन्हें असीम संतुष्टि प्राप्त होती है। दूसरे दिन सुबह उठते ही वह मित्रों को फोन कर किताब पर प्रतिक्रिया मांगनी शुरू कर देते हैं। जब कुछ मित्र उनका फोन नहीं उठाते हैं तो उनका पारा सातवें आसमान पर चढ़ जाता है और वह ऐसे लोगों को साहित्य का दुश्मन घोषित कर देते हैं। कुछ ऐसे भले जीव भी होते हैं, जो सारी रात घोड़े बेचकर सोते हैं और जब उनसे किताब पर प्रतिक्रिया मांगी जाती है तो बड़े ही गर्व से बताते हैं कि उन्होंने सारी रात जागकर किताब पढ़ी है। ऐसी अद्वितीय किताब उन्होंने आज तक नहीं पढ़ी है। यह सुनकर बड़े वाले साहित्यकार और बड़े हो जाते हैं। हालांकि कई दिनों तक खुशी से उछलने के बावजूद उनका कद बड़ा नहीं होता है।

साहित्यकार जी जब अपनी किताब पर विभिन्न नामों से स्वयं समीक्षा लिखकर पत्रिकाओं में छपवाने की जी-तोड़ कोशिश करते हैं तो उनके सामने राजनीति के घाघ खिलाड़ी भी फीके लगने लगते हैं। एक दिन साहित्य के एक नासमझ पाठक ने जब उनकी किताब पढ़कर कहा कि मैं यह नहीं समझ पाया हूं कि आपकी रचना क्या कहना चाहती हैं? तो उन्होंने पाठक को पकड़कर वहीं बैठा लिया और उसे रचना का मर्म समझाने लगे, लेकिन थोड़ी देर बाद ही पाठक नींद के आगोश में समा गया।

response@jagran.com

तथ्य-कथ्य | राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण की गति

(प्रतिदिन-किलोमीटर में)

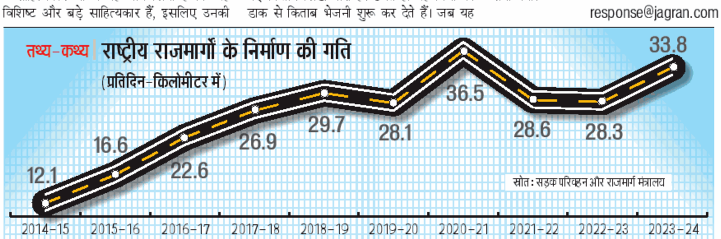

स्रोत: सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

ऊर्जा

मंथन

मंथन का नाम आते ही समुद्र मंथन और उससे प्राप्त अमृत के लिए संघर्ष का स्मरण होता है। महाकुंभ जिसका परिणाम है। किंतु रत्नों की प्राप्ति सहज नहीं, अमृत की तो कदापि नहीं। सागर सदृश हमारा मानस अनुपम रत्नों का भंडार है, जिसमें आसुरी एवं दैवी प्रवृत्तियों का मंथन चलता रहता है। अमृत की प्राप्ति तभी होती है, जब इंदिय निग्रह एवं अंतर्मुखी साधना के प्रतीक कच्छप की पीठ जैसा मजबूत आधार हो। फिर दृढ़ संकल्प के प्रतीक मंदराचल जैसी मथानी से इस मानसरोवर का मंथन किया जाए तब लोक मंगलकारी अमृत तुल्य चौदह नहीं, असंख्य रत्नों का प्राकट्य होता है। किंतु पहले शिव बनकर हलाहल पीने के लिए तैयार रहना पड़ता है। मंथन का अर्थ है मथना। इसमें संघर्ष का भाव ध्वनित होता है। यह भाव सृष्टि के कण-कण में व्याप्त है। इसीलिए प्रत्येक जीव हर पल संघर्ष करता दिखाई देता है। किंतु मंथन में संघर्ष का उद्देश्य मांगलिक होता है। दही के मंथन से नवनीत की प्राप्ति इसका उदाहरण है। ज्ञानप्राप्ति का आधार भी मानस का मंथन है जिससे गुरु अपने शिष्य को ज्ञानामृत का पान कराता है। इसीलिए संपूर्ण आध्यात्मिक और लौकिक ज्ञानराशि मानस के मंथन का परिणाम है। जन कल्याणार्थ वैज्ञानिक प्रगति का परिदृश्य भी विज्ञानियों की बुद्धि के मंथन का प्रतिफल है।

मंथन एक तपश्चर्या है, जिसके लिए लोकोपकारिणी बौद्धिक संचेतना जरूरी है। स्वार्थ के लय हो जाने से जीव की अंतश्चेतना का सामान्यीकरण हो जाता है जिससे सांसारिक भेद-बुद्धि समाप्त हो जाती है। तब दृढ़संकल्पित मानस में 'सर्वे भवंतु सुखिनः' का भाव जागृत होता है। फिर हृदय में घृणा नहीं, प्यार का स्पंदन होता है। मंथन से हलाहल नहीं, अमृत वर्षण होता है। भ्रातृत्व-समरसता की यही अमृत वर्षा महाकुंभ का उद्देश्य है। मंथन की सार्थकता भी इसी में है।

डा. सत्यप्रकाश मिश्र

बड़े ज्वालामुखी विस्फोट का खतरा

मुकुल व्यास

बड़े ज्वालामुखी विस्फोट भारी मात्रा में मलबा फेंकते हैं जिसमें चट्टान के टुकड़े, राख और विभिन्न गैसें शामिल हैं

इंडोनेशिया के माउंट टैंबोरा ज्वालामुखी में 1815 में एक भयंकर विस्फोट ने अनगिनत लोगों की जान ले ली और बड़े पैमाने पर फसलों को बर्बाद कर दिया। विस्फोट के बाद आसमान में राख भर गई, सूरज की रोशनी फीकी पड़ गई और वैश्विक तापमान महीनों तक गिरता रहा। आज विशेषज्ञों का कहना है कि इसी तरह या उससे भी बड़े आकार का एक बड़ा ज्वालामुखी विस्फोट फिर से हो सकता है। चूंकि हम आज एक गर्म दुनिया में रहते हैं, ऐसे विस्फोट के वैश्विक परिणाम बहुत खराब हो सकते हैं। टैंबोरा विस्फोट के बाद 1816 में जबरदस्त ठंड पड़ी। फसलें सूख गईं, लोग भूखे मर गए और बहुत बड़ी आबादी को संकट का सामना करना पड़ा। ज्वालामुखी विस्फोट का असर भारत पर भी पड़ा। इतिहास में वह क्षण इसलिए उल्लेखनीय है, क्योंकि यह दर्शाता है कि एक घटना कितनी दूरगामी हो सकती है। पृथ्वी की आबादी आठ अरब से अधिक हो गई है और जलवायु परिवर्तन ने पृथ्वी को गर्म कर दिया है। जिनेवा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मार्कस स्टाफेल का कहना है कि किसी ज्वालामुखी से होने वाला अगला विशाल विस्फोट जलवायु में अराजकता का कारण बनेगा, और हमारे पास ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कार्य कोई योजना नहीं है। गर्म दुनिया में विनाशकारी घटनाएं अधिक तीव्र हो सकती हैं। बर्फ पिघलने पर अंटार्कटिका की बर्फ की चादरों के नीचे छिपे ज्वालामुखी सक्रिय हो सकते हैं।

बड़े ज्वालामुखी विस्फोट भारी मात्रा में मलबा फेंकते हैं जिसमें चट्टान के टुकड़े, राख और विभिन्न गैसें शामिल हैं। जलवायु को ठंडा करने में सल्फर डाईआक्साइड का सबसे बड़ा प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह गैस समताप मंडल (स्ट्रेटोस्फीयर) में ऊपर तक जाती है और एरोसोल कण बनती है जो सूर्य के प्रकाश को बिखेरते हैं। तापमान में गिरावट सालों तक बनी रह सकती है।

विज्ञानियों का मानना है कि हवा के पैटर्न में बदलाव और समुद्री धाराओं में बदलाव का मतलब है कि ये विस्फोट अधिक तापमान में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं। गर्मियों में मानसून इसलिए आता है, क्योंकि भूमि समुद्र की तुलना में तेजी से गर्म होती है। एक बड़ा विस्फोट उस संतुलन को बिगाड़ सकता है और लाखों लोगों को भोजन देने वाली वर्षा को बाधित कर सकता है। 1991 में फिलीपींस में माउंट पिनातुबो फटा जिससे आसमान में सल्फर डाईआक्साइड का एक विशाल बादल फैल गया। विज्ञानियों ने निर्धारित किया कि इस विस्फोट ने कुछ वर्षों के लिए पृथ्वी के औसत तापमान को माइनस 17 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा कर दिया। यह विस्फोट टैंबोरा के पैमाने पर नहीं था, लेकिन इसने दर्शाया कि कैसे अल्पकालिक जलवायु परिवर्तन हो सकते हैं। 1257 में इंडोनेशिया के समालस विस्फोट का भी गहरा प्रभाव पड़ा था।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

लंच-डिनर की राजनीति

राजरंग

कर्नाटक में आजकल लंच और डिनर को लेकर चर्चा काफी गर्म है। कांग्रेस का एक प्रस्तावित डिनर जो रद हो गया और भाजपा का एक लंच जिसमें कइयों ने खूब आनंद लिया और जिसके कारण कुछ नेताओं का अन्न गले में अटक गया है। यह तो सर्वविदित है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर खुद मुख्यमंत्री सिद्दरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच खींचतान है। इसी सिलसिले में सिद्दरमैया के इशारे पर कांग्रेस के एससी-एसटी सांसदों और विधायकों के लिए आयोजित डिनर केंद्रीय आलाकमान के इशारे पर रद हुआ तो माना गया कि यह शिवकुमार ने करवाया है। इसीलिए दोनों ओर से खुलेआम बयानबाजी हो रही है। दूसरी तरफ दो दिन पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने एक लंच बैठक की, जिसमें पार्टी के कई शीर्ष नेताओं ने शिरकत की। वहां भाजपा के कुछ नेताओं ने अनुशासनहीनता की सीमा तक जाकर बयान दिए। विजयेंद्र के उस लंच में कई बड़े, पुराने और नए नेताओं का शिरकत करना एक संदेश देता है। बताते हैं कि विजयेंद्र ने ऐसे नेताओं को भी बुलाया, जो पहले चुनाव हार चुके हैं। इस तरह उन्हें संदेश दिया कि वे भविष्य के लिए कमर कसें। बीवाई विजयेंद्र ने कुछ वैसा ही रास्ता अपनाया है जैसा केंद्रीय नेतृत्व को रास आता है। ध्यान रहे कि भाजपा संगठन में चुनाव चल रहा है। कई राज्यों में बदलाव हो सकते हैं। इस लिहाज से कर्नाटक में कुछ नेताओं ने विजयेंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। उन्हें इस लंच मिलन से कुछ संदेश जरूर मिला होगा। यानी एक तरफ बड़े बहुमत के साथ सत्ता में काबिज कांग्रेस नेताओं के लिए डिनर असमंजस में है तो दूसरी ओर भाजपा गरमागरम लंच का स्वाद ले रही है।

आप का मुख्यमंत्री

राजनीति में कुछ दांव और दावे प्रत्यक्ष होते हैं तो कुछ पर्दे के पीछे से प्रयासरत रहते हैं। दरअसल भाजपा ने दिल्ली चुनाव में किसी को सीएम चेहरे के रूप में प्रस्तुत नहीं किया है, लेकिन सत्ता के गलियारे में कई अटकलें तैर रही हैं। जैसे कि प्रदेश के संगठन की कमान संभाल चुके मनोज तिवारी से अक्सर साक्षात्कार में पूछा जा रहा है कि क्या भाजपा की सरकार बनने पर वह सीएम होंगे? तो प्रवेश वर्मा को उनके समर्थक इसलिए दावेदार बताते हैं कि वह पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ लड़ रहे हैं। विजेंदर गुप्ता लंबे समय से विधानसभा में भाजपा के विधायक हैं। जानने वाले तो यह भी कहते हैं कि उनके नजदीकी महीनों पहले से यह माने बैठे हैं कि अबकी तो उनकी ही बारी है। इस बीच आप की मुख्यमंत्री आतिशी ने भी भाजपा की ओर से उन रमेश बिधूड़ी का नाम उछाल दिया है, जिनकी टिप्पणी से क्षुब्ध होकर वह रोई थीं। यह उनका रणनीतिक दांव है, लेकिन भाजपा वाले चुटकी ले रहे हैं कि आतिशी अपना घर देखें, क्योंकि आप की सत्ता में वापसी होते ही उनकी तो सीएम आवास से विदाई तय है।

राजस्व का पेच

राजनीति में आया राम-गया राम कहावत तो काफी मशहूर है, लेकिन नौकरशाही में ऐसा कम होता है। वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव को लेकर फिलहाल यही स्थिति हो गई। बजट पेश करने में लगभग 20 दिन बचे हैं तो तुहीन कांत पांडेय राजस्व सचिव बनाए गए हैं। बजट निर्माण में राजस्व सचिव की बेहद अहम भूमिका होती है, क्योंकि उसके निर्देश में सरकार के सालाना राजस्व की गणना होती है और इससे जुड़े कई अहम फैसले किए जाते हैं। दरअसल बजट निर्माण से तकरीबन 50 दिन पहले पूर्व राजस्व सचिव को आरबीआइ का गवर्नर बना दिया गया। एक महीने शेष थे तो अरुणिश चावला को नया राजस्व सचिव बनाया गया और फिर अचानक ही विनिवेश विभाग के सचिव को नया राजस्व सचिव का पदभार दे दिया गया। चावला को विनिवेश विभाग भेजा गया। यह बदलाव किसी के पाले नहीं पड़ रहा है।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

1.5 लाख किलोमीटर तक पहुंच चुका है भारत में नेशनल हाईवे का नेटवर्क, जबकि एक दशक पहले तक यह केवल 91 हजार किलोमीटर ही था।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

पांडुलिपि मिशन को मिले जीवनदान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में बुद्ध और उनके सिद्धांतों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध ने जो ज्ञान दिया है उसे वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए अभी बहुत कार्य किया जाना शेष है। लिहाजा, प्रधानमंत्री के आह्वान का संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन को फिर से सक्रिय किया जाना चाहिए। इसके लिए संस्कृति मंत्रालय समेत सभी संबंधित विभागों को आगे आकर जिम्मेदारी लेनी चाहिए

नरेन्द्र मोदी। फाइल

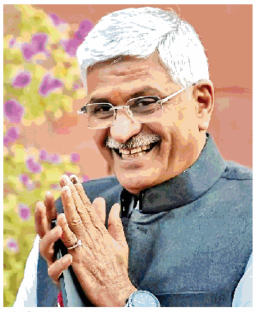

गजेंद्र सिंह शेखावत। फाइल

महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने पांच भारतीय भाषाओं को क्लासिकल भाषा की श्रेणी में लाने का निर्णय लिया था। ये भाषाएं हैं- मराठी, बंगाली, पालि, प्राकृत और असमिया। इन भाषाओं में हमारे देश में प्रचुर मात्रा में ज्ञान संपदा उपलब्ध है। पालि और प्राकृत में तो हमारे इतिहास के अनेक अलक्षित अध्याय भी हैं जिनका सामने आना शेष है। हमारे देश की ऐतिहासिक ज्ञान संपदा कई मठों और बौद्ध विहारों के अलावा जैन मतावलंबियों के मंदिरों में रखी हैं। इनमें से अधिकतर पांडुलिपियां पालि और प्राकृत में हैं। प्रधानमंत्री मोदी इन भाषाओं को क्लासिकल भाषा की घोषणा से आगे जाकर पांडुलिपियों में दर्ज ज्ञान संपदा को आम जनता तक पहुंचाना चाहते हैं। बुद्ध के बारे में तो प्रधानमंत्री राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निरंतर बोलते रहते हैं। हाल ही में प्रवासी भारतीय दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुद्ध और उनके सिद्धांतों के बारे में चर्चा की थी। भगवान बुद्ध ने जो ज्ञान दिया है उसे वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का कार्य होना शेष है। प्रधानमंत्री के निर्णय के बाद पालि को लेकर थिंक टैंक श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन ने सक्रियता दिखाई और गोष्ठियां आदि करके उसे मुख्यधारा में लाने की पहल आरंभ की है। इन गोष्ठियों में भाजपा के बड़े नेताओं की भागीदारी से यह स्पष्ट है कि इस कार्य में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की सहमति और स्वीकृति दोनों है। प्रधानमंत्री की अपने देश की ज्ञान संपदा को आमजन तक पहुंचाने के लिए सबसे कारगर तरीका तो यही लगता है कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन को फिर से सक्रिय किया जाए।

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन का आरंभ अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में वर्ष 2003 में किया गया। इस मिशन के गठन के करीब सालभर बाद अटल जी की सरकार चली गई। केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार बनी। मिशन की वेबसाइट के अनुसार, 'इस परियोजना के माध्यम से मिशन का उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपीय संपदा को अनावृत करना और उसे संरक्षित करना है। भारत लगभग 50 लाख पांडुलिपियों से समृद्ध है जो संभवतः विश्व का सबसे बड़ा संकलन है। इसमें सम्मिलित हैं अनेक विषय, पाठ संरचनाएं और कलात्मक बोध, लिपियां, भाषाएं, हस्तलिपियां, प्रकाशन और उद्बोधन। संयुक्त रूप से ये भारत के इतिहास, विरासत और विचार की 'स्मृति' हैं। ये पांडुलिपियां अनेक संस्थानों तथा निजी संकलनों में प्रायः उपेक्षित और अप्रलेखित स्थिति में देशभर में और उसके बाहर भी बिखरी हुई हैं। राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन का उद्देश्य अतीत को भविष्य से जोड़ने तथा इस देश की स्मृति को उसकी आकांक्षाओं से मिलाने के लिए इन पांडुलिपियों का पता लगाना, उनका प्रलेखन करना, संरक्षण करना और उन्हें उपलब्ध कराना है।' इस मिशन की वेबसाइट पर ही इसके कार्यों का लेखाजोखा भी उपलब्ध है। उसको देखकर ही अनुमान लगाया जा सकता है कि मिशन बस चलता रहा है। कोई उल्लेखनीय कार्य हुआ हो यह ज्ञात नहीं हो सका है। अभी कुछ वर्षों पहले तो सांस्कृतिक जगत में ये चर्चा थी कि संस्कृति मंत्रालय इस मिशन को बंद करना चाहता है। पता नहीं किन कारणों से इस मिशन को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र से जोड़ने का निर्णय हुआ। जब मिशन को कला केंद्र से जोड़ा गया तो माना गया कि वहां इसके उद्देश्यों को पूरा करने को गति मिलेगी। कला केंद्र के पुस्तकालय में भी पांडुलिपियों का खजाना है। देशभर के 52 पुस्तकालयों से इन पांडुलिपियों की माइक्रो फिल्म बनाकर यहां रखा गया है। इन पांडुलिपियों में गणित, अंतरिक्ष विज्ञान, चिकित्सा शास्त्र, ज्योतिष शास्त्र शामिल हैं। इसके अलावा, कला केंद्र की लाइब्रेरी में लगभग एक लाख स्लाइड्स हैं जिन पर देश की विविध परंपराओं की झलक देखी जा सकती हैं। पर यहां से जुड़ने के बाद भी मिशन गतिमान नहीं हो सका। बताया जाता है कि संस्कृति मंत्रालय ने मिशन को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र से जोड़ तो दिया, पर उसे गतिमान करने के लिए जो आर्थिक संसाधन नहीं दिए। परिणाम वही हुआ जो बिना अर्थ के किसी संस्थान का होता है।

अब प्रधानमंत्री की रुचि को देखते हुए एक बार फिर से राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन को सक्रिय करने का प्रयास संस्कृति मंत्रालय कर रहा है। राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अकाउंट्स को अस्थायी रूप से साहित्य अकादमी को दिया गया है। साहित्य अकादमी को निर्देश दिया गया है कि वह राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के खर्चों का हिसाब किताब रखे। इस निर्णय के पीछे की मंशा क्या हो सकती है, पता नहीं। साहित्य अकादमी को पूरा देश सृजनात्मकता के केंद्र के रूप में जानता है, संस्कृति मंत्रालय इसे लेखा विभाग के लिए भी उपयुक्त समझता है। इन दिनों संस्कृति मंत्रालय अपने अजब-गजब फैसले के लिए भी जाना जाने लगा है। कभी अपने से संबद्ध संस्थाओं के चेयरमैन के स्तर को लेकर जारी फरमान तो कभी राजा राममोहन राय मोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन में एक अस्थायी अफसर को हटाकर दूसरे अस्थायी अफसर को दायित्व देने को लेकर। मंत्रालय को जो ठोस कार्य करने चाहिए उस ओर वहां कार्यरत अफसरों का ध्यान ही नहीं जा पा रहा है। राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन में नियमित महानिदेशक की नियुक्ति, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में नियमित चेयरमैन की नियुक्ति जैसे कार्यों पर ध्यान है कि नहीं, पता नहीं। स्वाधीनता के अमृत महोत्सव के समय प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया गेट के पास अमृत वाटिका की बात की थी। इस वाटिका में 'मेरी माटी, मेरा देश' के दौरान जमा की गई मिट्टी को रखा जाना था। देशभर से कलश में मिट्टी लेकर लोग दिल्ली में जुटे थे। तब इस तरह की खबर आई थी गृह मंत्री अमित शाह ने अमृत वाटिका के लिए जगह देखने के लिए उस इलाके का दौरा भी किया था। अब पता नहीं कहां हैं वो मिट्टी भरे कलश और कहां बन रही है अमृत वाटिका। संस्कृति मंत्रालय को इस बारे में बताना चाहिए।

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन को अगर संस्कृति मंत्रालय के वर्तमान अधिकारियों के भरोसे छोड़ा गया तो उसका परिणाम क्या होगा इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है। जो अफसर संस्कृति से जुड़े मुद्दों की संवेदना को नहीं समझ सकते वो पांडुलिपियों में संचित ज्ञान को लेकर संवेदनशील होंगे, इसमें संदेह है। दूसरी जो बात यह है कि जब मंत्रालय के अफसर प्रधानमंत्री की रुचि वाली योजनाओं को लेकर बेफिक्र हैं तो वो किसकी सुनते होंगे, कहा नहीं जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन को मिशन की तरह चलाया जाए और उसको किसी योग्य व्यक्ति के हाथों में सौंपा जाए। संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अपने स्तर पर इस कार्य को पटरी पर लाने में विशेष रुचि लें, ताकि भारत का जो इतिहास वर्षों से सामने नहीं आ पाया है, वह सामने आ सके और लोग उस पर गर्व कर सकें। प्रधानमंत्री मोदी के पंच-प्रण की पूर्ति की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

खरी खरी

विवाह समारोह चल रहा है...

मुकेश राठौर

विवाह का सीजन एक बार फिर शुरू होने जा रहा है। हमारे यहां विवाह ऐसा आयोजन है जिससे केवल वर-वधु पक्ष या फिर सगे संबंधी ही नहीं, वरन हमारे पूरे इकोसिस्टम से जुड़े अथवा कह सकते हैं कि हमारे आसपास के सभी जीव प्रभावित होते हैं। आप पूछेंगे कि वह कैसे? वह ऐसे कि बाजे, डीजे, पटाखों का शोर, कैटरिंग, टेंट वाले, जेनरेटर, खाने की खुशबू, जूठन की बदबू, लुढ़कते डिस्पोजल और मेहमानों के बेतरतीब वाहन आपके घरों तक पहुंचते हैं तो आपको कैसे यह नहीं लगेगा कि गांव, गली, मोहल्ले में विवाह हो रहा है। गाने हो या बेगाने, आप दीवाने हुए बिना नहीं रह सकते हैं।

गांवों में जहां मैरिज गार्डन, गेस्ट हाउस या धर्मशाला नहीं होती। इसलिए आम तौर पर वहां के रहवासी अपने निज निवास से ही विवाह करते हैं। तरीका तो यही सही है, लेकिन आधुनिकता ने बेटियों को बाहर से विदा करना सिखा दिया। होता यह है कि विवाह वाले घर पर शुभ विवाह का लेबल लग जाता है, आस-पड़ोस किसी के बाड़े में चूल्हे बना दिए जाते हैं और पंगत के लिए गली के दोनों मुहाने पर पंचायती टैंकर अड़ाकर सारे दोपायों और चौपायों का रास्ता बंद कर दिया जाता है। किसी तरह से लोग पैदल आ-जा सकें, इतना रास्ता भर छोड़ा जाता है।

दुर्योगवश एक दिन भर दोपहरी में डाक्टर साहब का बारह से तीन वाला समय साधने का संकल्प लिए हम फटफटी से अपनी पत्नी को डाक्टर के पास ले जाने के लिए निकलते हैं। फिर ऐसे ही किसी गांव की ऐसी किसी बंद छोर गली में जा फंसते हैं, जहां विवाह का तंबू तना है और पंगत चल रही है। डरी-सहमी गली का मुंह बंद है और ढोल-ताशों के शोर में रहवासियों के कान। हम बिना कुछ कहे, बिना कुछ सुने गाड़ी दूसरी गली की तरफ बढ़ा लेते हैं, पता चला उधर से ननिहाल पक्ष वाले अपनी परंपरा के अनुसार धूमधाम से चले आ रहे हैं। पूरे इलाके में यत्र-तत्र डांस का कार्यक्रम चल रहा है। सारा आयोजन सड़क पर ही हो रहा है। भारी मन से एकाध डांस देखकर हम तीसरी गली में मुड़ जाते हैं, लेकिन पाते हैं कि उधर का एरिया बरात का जनवासा होने से विशेष आरक्षित क्षेत्र है, जहां बराती-घराती के अलावा दीगर प्राणियों का प्रवेश निषेध है। मजबूरी में हम चौथी गली में घुसकर इस चक्रव्यूह को तोड़ने का भरसक प्रयास करने जाते हैं, कुछ हद तक सफल भी होते हैं, लेकिन पाते हैं कि उधर जिस गली से चले उसी की दुम की मरम्मत हो रही है। पांचवीं गली में घुसे ही थे कि वहां खेलते बच्चे चिल्ला उठते हैं- "ओ भाई, नन्नू दादा का घर म कहां घुसी रहा है।"

दरअसल, गांव में गैर इरादतन किसी के घर में घुसना बड़ा भारी सामाजिक अपराध माना जाता है। कोई नेक या 'अनेक' इरादे से किसी के घर में घुसे वह अलग बात है। हम छठी गली का रुख करते हैं। उधर सरपंच जी के निर्माणाधीन मकान का सारा सामान बिखरा पड़ा मिलता है, कोई बताने को तैयार नहीं कि ये निर्माणाधीन गली का माल है या सरपंच जी के मकान का? या फिर दोनों का ही शामिल है इसमें?

छोटे से गांव की भूल-भुलैया में गुम हताश, निराश हम गाड़ी को प्रथम गियर में डाल अंतिम प्रयास करते हैं। इससे पहले कि गांव की हद पार कर पाते, जिसके बदले अलग हुए, वही हिस्से में आ जाता है। लब्बोलुआब यह कि जहां से चले वहीं पहुंच जाते हैं। हालांकि पंगत निपट जाने से अब भीड़ छंट सी गई है। दुल्हन सात फेरे लेकर अपने घर जाने की तैयारी कर रही है और इधर हम भी... क्योंकि अब घर ही जाना होगा, डाक्टर के पास जाकर भी क्या करेंगे, वे तो जा चुके होंगे! **(लेखक व्यंग्यकार हैं)**

पोस्ट

पहली बार दिल्ली के शराब घोटाले का आंकड़ा सामने आया है। कैग की रिपोर्ट का हवाला देकर कहा जा रहा है कि यह 2026 करोड़ रुपये का घोटाला है। संयोग से शराब घोटाले के सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं और वे या तो दिल्ली चुनाव में उम्मीदवार हैं या फिर प्रचारक।
राहुल शिवशंकर@RShivshankar

एक राष्ट्र-एक चुनाव एक अद्भुत विचार है। इससे संबंधित विधेयक जल्द पारित हो। यह हमारे इतिहास का एक महान क्षण है। हमें आर्थिक महाशक्ति बनने का अवसर नहीं चूकना चाहिए। हमारी नीति ऐसी हो कि ज्यादा से ज्यादा विदेशी निवेशक यहां आएं और लोगों के हाथों में अधिक से अधिक पैसा आए।
वेंकटेश प्रसाद@venkateshprasad

इस देश में टैक्स देने वालों की कीमत पर रेवड़ी बांटी जा रही है, ताकि राजनीतिक दलों को वोट मिल सके। मिडिल क्लास को तो स्वास्थ्य बीमा पर भी टैक्स देना पड़ता है। कोई राजनीतिक दल टैक्स देने वालों को 25 लाख का बीमा, राशन या फिर मुफ्त बिजली क्यों नहीं देता?
आदेश रावल@AadeshRawal

टेस्ट में हारने के बाद हमें रणजी ट्राफी याद आती है। विराट कोहली पिछले 12 साल से रणजी ट्राफी नहीं खेले हैं और रोहित शर्मा नौ साल से। कई अन्य टेस्ट प्लेयर भी इस लिस्ट में हैं।
मिलिंद खांडेकर@milindkhandekar

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या टेस्ट क्रिकेट में 2 टियर सिस्टम लागू करने का सुझाव सही है?

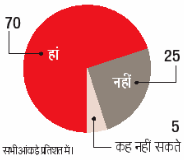

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या शराब घोटाले पर कैग की रिपोर्ट सामने आने से आम आदमी पार्टी को नुकसान होगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

मुद्दा क्या है सोचिए दिल्ली में इस बार,
जहां आजकल सांस भी लेना है दुश्वार।
लेना है दुश्वार बनी यमुना विषधारा,
जहां कालिया नाग फिरे बनकर आवारा!
हर कोने पर ढेर दिखे कचरे का भद्दा,
दिल्ली वाले देखन पाएं फिर भी मुद्दा!!
- ओमप्रकाश तिवारी

रचनाकर्म

डिजिटल दुनिया के दबंग

ब्रजबिहारी

इंटरनेट के इस युग में उभरे उन कंटेंट क्रिएटरों या इन्फ्लुएंसरों की यह यशगाथा है, जो मात्र अपने कंटेट के सहारे इस क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचे व लोकप्रिय हुए। कंटेंट के दम पर डिजिटल दुनिया में पहचान बनाने वालों का आख्यान...

पुस्तक : बूमिंग डिजिटल स्टार्स
लेखक : हर्ष पमनानी और मनीष पांडे
प्रकाशक : वेस्टलैंड बुक्स
मूल्य : 399 रुपये

अगर आपने पिछले दस साल में इंटरनेट पर समय बिताया है, तो आपको यह महसूस हो रहा होगा कि कंटेंट की दुनिया में कुछ ऐसा घटित हो रहा है, जो पहले कभी नहीं हुआ। अपने पसंद का कंटेंट पढ़ने, सुनने और देखने के लिए हम सभी समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो और टेलीविजन जैसे परंपरागत मीडिया पर निर्भर रहे हैं, लेकिन पिछले एक दशक के दौरान यह सब कुछ बदल गया है। अब इंटरनेट की दुनिया में इन्फ्लुएंसरों का जलवा है, जो अपने कंटेंट के दम पर सफलता की एक नई कहानी लिख रहे हैं। ये कौन लोग हैं और कैसे यहां तक पहुंचे हैं, इस बारे में जानने को उत्सुक पाठकों के लिए हर्ष पमनानी और मनीष पांडे की पुस्तक 'बूमिंग डिजिटल स्टार्स' काफी मददगार साबित होगी।

इंटरनेट मीडिया में सक्रिय भुवन बाम, आशीष चंचलानी, रणवीर इलाहाबादिया, कबिता सिंह जैसे नाम काफी लोकप्रिय हो चुके हैं। खासकर नई पीढ़ी के लिए ये इन्फ्लुएंसर रोल माडल बन चुके हैं। इन इन्फ्लुएंसरों को चाहने वालों की संख्या लाखों में है। यही कारण है कि अब बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने उत्पादों को लक्षित वर्ग तक पहुंचाने के लिए परंपरागत मीडिया के बजाय इन इन्फ्लुएंसरों के जरिए विज्ञापन दे रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि नई पीढ़ी समाचार पत्र और टेलीविजन के बजाय इंटरनेट माध्यम से सूचनाएं प्राप्त कर रही है। दूसरी बात यह कि परंपरागत मीडिया के मुकाबले इंटरनेट इन्फ्लुएंसरों के जरिए विज्ञापन करना काफी सस्ता पड़ता है।

लेखक द्वय ने प्रस्तुत पुस्तक में चुनिंदा 11 इंटरनेट इन्फ्लुएंसरों के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला है। इस पुस्तक से पहले मीडिया की इस नई शाखा के बारे में छिटपुट बहुत कुछ लिखा गया, लेकिन शोध आधारित सामग्री की कमी दिख रही थी। यह पुस्तक इस कमी को पूरा करती है। इसके माध्यम से न केवल इंटरनेट मीडिया और उसकी ताकत का अंदाजा होता है, बल्कि इन्फ्लुएंसरों की चमक-दमक भरी जिंदगी के पीछे उनकी मेहनत, त्याग और समर्पण की बानगी भी देखने को मिलती है। अगर आपके अंदर भी कोई धुन है, लेकिन आप उसे अपना पेशा बनाने से डर रहे हैं तो इस पुस्तक को पढ़ने के बाद आपके अंदर साहस का संचार हो सकता है। आप जोखिम उठाने का प्रयास कर सकते हैं।

बहरहाल, यह कहना जितना आसान है, उसे करना उतना ही मुश्किल है। सबसे पहली बात यह कि जैसे ही आप परंपरागत पेशे को किनारे करते हैं और अपने जुनून के अनुसार जीवन बिताना चाहते हैं तो लोग आपकी हंसी उड़ाते हैं। इस पुस्तक में कई ऐसे उदाहरण दिए गए हैं। दूसरी बात यह कि आज की तारीख में कंटेंट क्रिएशन की दुनिया में काफी भीड़भाड़ है। एक अनुमान के मुताबिक, पूरी दुनिया में पांच करोड़ से ज्यादा लोग है जो स्वयं को कंटेंट क्रिएटर मानते हैं, लेकिन इनमें से कुछ ही हैं, जो शिखर तक पहुंच पाते हैं। स्पष्ट है कि कंटेंट क्रिएशन की दुनिया में आप तभी उतरें, जब आपके पास विशेष कंटेंट हो और आपकी प्रस्तुति भी नायाब हो। इस पुस्तक को पढ़ने से आपको इस मामले में आगे बढ़ने में काफी सहूलियत होगी।

कहना न होगा कि मीडिया की दुनिया में यह बदलाव टेक्नोलाजी के कारण हो रहा है। सबसे पहले पर्सनल कंप्यूटर और बाद में स्मार्टफोन ने हर व्यक्ति को कंटेंट क्रिएटर बनने का मौका उपलब्ध कराया है। यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर आप कंटेंट क्रिएशन से जुड़ी हर बारीकी स्वयं ही सीख सकते हैं। इसके बाद भी यह सब करना आसान नहीं है। यूट्यूब के अलावा फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफार्म पर रोज लाखों की संख्या में वीडियो अपलोड होते हैं। इस भीड़भाड़ में अपने कंटेंट की पहचान बनाने के लिए कुछ अनोखा करना होगा।

विकास की राह पर अग्रसर देश

कन्हैया झा

पुस्तक : अमृतकाल में स्वर्णिम यात्रा पर भारत
लेखक : सुरेश रूंगटा
प्रकाशक : प्रभात प्रकाशन
मूल्य : 500 रुपये

पिछले एक दशक से हमारा देश विकास के अधिकांश पैमानों पर निरंतर प्रगतिशील है। इस दौरान कई नई नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन से सामाजिक एवं आर्थिक बुनियादी ढांचे में व्यापक बदलाव हुआ है। रचनात्मकता और नवाचार की क्षमता के साथ डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी नीतियों के कारण बड़ी संख्या में युवा रोजगार सृजनकर्ता बन रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था के बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता देश के टिकाऊ विकास की बुनियाद बन गई है। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मोर्चों पर भारत को विशेष महत्ता दी जा रही है तथा भारत भी वैश्विक मंच पर बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

आर्थिक मामलों के जानकार समझे जाने वाले लेखक सुरेश रूंगटा ने इस पुस्तक में अपने लेखों को संकलित किया है। डिजिटल इंडिया के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को किस प्रकार से व्यापक बनाया गया, ऐसे तथ्यों का पुस्तक में मुख्य रूप से उल्लेख किया गया है। पुस्तक बताती है कि ऐसे प्रयासों से किस प्रकार अर्थव्यवस्था में इससे पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। वहीं रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे उपायों के बारे में भी इसमें चर्चा की गई है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से बढ़ा है और एक उत्पादक राष्ट्र के रूप में भारत ने अपना आधार तैयार किया है। यही कारण है कि भारत के साथ मुक्त व्यापार के समझौते बढ़ रहे हैं। पुस्तक में लेखक ने यह दर्शाने का प्रयास किया है कि वर्ष 2047 तक भारत के विकसित देश बनने की पूर्ण संभावना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से देश के प्रमुख सरकारी विभागों ने भी अभी से अगले दशक के लिए विकास कार्यों की रूपरेखा बनाने का काम शुरू कर दिया है।

वैश्विक जमीन पर भारत की व्याख्या

यतीन्द्र मिश्र

'विश्वबंधु भारत' में अनुभवी राजनीतिज्ञ, लेखक और भारत के विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर की गहन अंतर्दृष्टि से अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत के वैश्विक महत्व को परखा गया है। कुल 11 निबंधों से मोदी सरकार की विदेश नीति का यह दस्तावेजीकरण वर्तमान राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति को स्पष्ट करके इससे जुड़ी जटिलताओं और चुनौतियों के मूल्यांकन हेतु प्रासंगिक ढंग से हस्तक्षेप करता है। एक समूचे दशक के बदलावों को प्रदर्शित करते इन विचारों में कुछ अतीत के घटनाक्रमों पर आधारित हैं, तो कुछ भविष्य के मार्गदर्शन की प्रतिबद्धता जाहिर करते हैं। अपनी सांस्कृतिक धरोहरों और मूल्यों से शक्ति अर्जित कर लोकतंत्र और प्रौद्योगिकी के माध्यम से आगामी नई चुनौतियों के समाधान हेतु प्रेरित करते हुए डा. जयशंकर, पुस्तक में दो महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के निर्वहन की बात करते हैं। पहली, एक उभरती हुई शक्ति के दृष्टिकोण को बदलाव के प्रति जागरूक हो रही दुनिया से साझा करना। दूसरी, अपने लोगों को वैश्विक विकास के प्रति सजग करना, ताकि राष्ट्र के सामने मौजूद अवसरों और चुनौतियों को समझा जा सके।

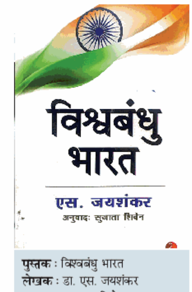

पुस्तक : विश्वबंधु भारत
लेखक : डा. एस. जयशंकर
अनुवाद : सुजाता शिवेन
प्रकाशक : रूपा पब्लिकेशंस
मूल्य : 495 रुपये

प्रस्तुत संकलन वैश्विक संरचना के समग्र विवेचन के साथ प्रमुख शक्तियों और क्षेत्रों के साथ भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों की गहन व्याख्या भी है। अमेरिका की स्थिति को रेखांकित करना, दोराहे पर खड़े भारत-चीन संबंधों का समग्र विश्लेषण, रूस की मित्रता, यूक्रेन संघर्ष, इसके अलावा यूरोपीय, अफ्रीकी और पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध जैसे विषयों पर चर्चा की गई है। पांचवां निबंध 2014 से भारत की प्रमुख उपलब्धियों पर केंद्रित है। लेख में भारत को उभरती महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में कूटनीति की अहम भूमिका उजागर हुई है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय सुरक्षा पर नौवां निबंध, बाहरी खतरों के साथ आंतरिक खतरों में हुई वृद्धि और सीमाहीन राजनीति की ओर इशारा करता है, जहां हर चीज युद्ध उपकरण के रूप में इस्तेमाल हो सकती है। 10वां अध्याय नेहरू की विदेश नीति को वैकल्पिक परिदृश्य में रखकर तत्कालीन महत्वपूर्ण हस्तियों के दृष्टिकोण भी शामिल करता है। वैश्विक मंच पर भारत की निर्णायक भूमिका एवं बढ़ते प्रभाव को समझने के लिए एक गहरी समझ से भरी पुस्तक।

तवायफें, जो देश के लिए लड़ीं

ए. के. गांधी की 'डांस टू फ्रीडम : फ्राम घुंघरूज टू गनपाउडर' भारतीय नृत्य परंपरा में विद्यमान उन असाधारण वीरांगनाओं की दास्तान है, जिन्होंने अपनी नृत्यकला से दर्शकों को मोहित किया और अपने साहस व बलिदान से स्वतंत्रता संग्राम की रणभूमि में क्रांति की मशाल भी प्रज्वलित की। कभी भारतीय समाज का विशिष्ट और सम्मानित हिस्सा रहीं तवायफें, संगीत, नृत्य और काव्य में पारंगत थीं, जिनका समाज के उच्च वर्गों पर गहरा प्रभाव था, लेकिन ब्रिटिश के आगमन के पश्चात उनकी स्थिति और प्रतिष्ठा धूमिल हुई, उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया और उनकी पहचान केवल मनोरंजन तक सीमित कर दी गई। बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी और स्वतंत्रता के महासंग्राम में सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन स्त्रियों द्वारा कला और नृत्य के माध्यम से अपनी पहचान गढ़ने की अनवरत कोशिश और पितृसत्तात्मक समाज के प्रतिरोध में उनका अदम्य संघर्ष और त्याग, पुस्तक का केंद्रीय स्वर है। अपने शोध के दौरान सीमित संसाधनों का हवाला देते हुए लेखक लिखते हैं- 'नाचने वाली लड़की जब किसी स्वतंत्रता सेनानी से जुड़ी होती थी, तो अधिकांश मामलों में रिकार्ड नहीं बने या मिटा दिए गए, क्योंकि लोग उन्हें सेनानी के सम्मान पर धब्बा मानते थे।' इसी से समाज की रूढ़िवादिता को समझा जा सकता है। कुल छह भागों, 50 से अधिक अध्यायों से निर्मित यह किताब केवल ऐतिहासिक घटनाओं का संग्रह भर नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम और तवायफ संस्कृति के ऐतिहासिक, राजनीतिक और सामाजिक महत्व को समझने का बेहतरीन प्रयास भी है।

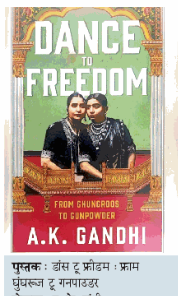

पुस्तक : डांस टू फ्रीडम : फ्राम घुंघरूज टू गनपाउडर
लेखक : ए. के. गांधी
प्रकाशक : फिंगरप्रिंट : इंप्रिंट आफ प्रकाश बुक्स प्रा. लि., नई दिल्ली
मूल्य : 599 रुपये

सरल और सजीव वर्णन से यह कृति नर्तकियों जैसे- अप्सरा, देवदासी, नगरवधू से तवायफ तक के इतिहास, उनकी सामाजिक स्थिति, उत्थान और पतन का गहराई से विश्लेषण करती है, जिन्हें अंग्रेजों ने उपहासस्वरूप 'नाच गर्ल्स' की संज्ञा दी थी। पुस्तक में ब्रिटिश शासन से सशस्त्र संघर्ष करने वाली तवायफों पर विस्तृत विवरण है। इनमें से कुछ ने लड़ते हुए अपनी जान गंवाई, कुछ को मृत्युदंड दिया गया और कइयों को साम्राज्यवादी ताकतों के हाथों घोर अन्याय का सामना करना पड़ा। ये सभी असाधारण साहस की प्रतीक हैं। जैसे- बेगम हजरत महल जनमानस में इतनी प्रसिद्ध हुईं कि लोग उन्हें तवायफ मानने से भी इन्कार करने लगे। भारतीय इतिहास के अहम हिस्से से भी परिचित कराती स्वतंत्रता संग्राम के उपेक्षित नायकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि।

****

तीसरी तिमाही में 5.8% रहेगा आइटी-फार्मा का लाभ

नई दिल्ली : मजबूत प्रदर्शन की बदौलत चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान आइटी सेवाएं और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र के कर-पश्चात लाभ में वार्षिक आधार पर 5.8 प्रतिशत की वृद्धि रहेगी। जेएम फाइनेंशियल कवरेज यूनिवर्स ने ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। हालांकि, बीती तिमाही के दौरान होटल, रियल एस्टेट, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे उभरते क्षेत्रों का प्रदर्शन काफी मजबूत रहेगा। (एएनआइ)

स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजनाएं केवल परियोजनाओं को शुरू करने में मदद के लिए हैं।

— पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

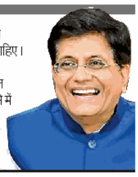

एक नजर में

13 जनवरी को खुलेगा लक्ष्मी डेंटल का आइपीओ

नई दिल्ली : दांतों के उपचार से जुड़े उत्पाद बनाने वाली कंपनी लक्ष्मी डेंटल का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए 13 जनवरी को खुलेगा। इसमें शेयर खरीदने के लिए 15 जनवरी तक आवेदन किया जा सकता है। कंपनी ने इस आइपीओ का प्राइस बैंड 407-418 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 314 करोड़ रुपये जुटाए हैं। (प्रेट्र)

चालू वित्त वर्ष में 12% बढ़ा स्वर्ण आभूषण निर्यात

कोलकाता : जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ने शनिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में अब तक स्वर्ण आभूषण निर्यात 12 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि, इस दौरान हीरों का निर्यात 10 प्रतिशत घटा है। उद्योग संगठन ने भविष्य में हीरों के निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई है। खासतौर पर अमेरिका में नई सरकार आने के बाद निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। (प्रेट्र)

चालू वित्त वर्ष में घट सकती है औद्योगिक वृद्धि दर

नई दिल्ली : बैंक आफ बड़ौदा ने ताजा रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर 6.2 प्रतिशत रह सकती है, जो वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 9.5 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका प्रमुख कारण उच्च आधार और पहली छमाही के दौरान मैन्यूफैक्चरिंग के प्रदर्शन में नरमी है। हालांकि, दूसरी छमाही में प्रदर्शन बेहतर रहेगा। (एएनआइ)

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 30 गीगावाट की वृद्धि

नई दिल्ली : 2024 के दौरान भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 30 गीगावाट बढ़कर कुल 218 गीगावाट हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, इसमें 2023 की 13.75 गीगावाट के मुकाबले 113 प्रतिशत की वृद्धि रही है। भारत ने वर्ष 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। (प्रेट्र)

एफएंडओ में और सख्ती की कोई योजना नहीं

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य ने कहा, हम डेरिवेटिव के खिलाफ नहीं

- अनंत नारायण बोले, प्रणाली को बेहतर बनाने पर काम कर रहा एक विशेषज्ञ समूह
- कहा- केवल परामर्श के बाद पेश होंगे डेरिवेटिव में बदलाव के नियम

मुंबई, प्रेट्र : कैपिटल मार्केटर रेग्युलेटर सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने शनिवार को कहा कि रेग्युलेटर डेरिवेटिव यानी वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में गतिविधियों को रोकने या प्रतिबंधित करने के लिए कोई और कदम उठाने की योजना नहीं बना रहा है। उन्होंने कहा कि आरबीआइ के पूर्व कार्यकारी निदेशक जी पद्मनाभन के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ समूह प्रणाली को बेहतर बनाने पर काम कर रहा है और कारोबारी सुगमता व बेहतर जोखिम प्रबंधन के लिए कुछ कदमों पर विचार किया जा रहा है।

नारायण ने सेबी के एनआइएसएम कार्यक्रम में कहा कि इस समय सेबी की तरफ से डेरिवेटिव खंड में गतिविधियां रोकने के लिए कोई और कदम उठाने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सेबी 'उपयुक्तता और अनुकूलता' को लेकर ऐसा कोई कदम उठाने पर विचार नहीं कर रहा है जो यह निर्धारित करे कि डेरिवेटिव बाजार में कौन कारोबार कर सकता है। नारायण ने कहा कि सेबी डेरिवेटिव के खिलाफ नहीं है और मूल्य निर्धारण व बाजार को गहरा बनाने में मददगार डेरिवेटिव को लेकर बदलाव केवल परामर्श के बाद ही पेश किए जाएंगे। बाजार नियामक के भीतर चर्चा किए जा रहे कुछ उपायों में डेरिवेटिव बाजार में जोखिम को बेहतर ढंग से मापने के लिए कदम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि आपको आदर्श रूप से चाहिए कि नकदी बाजार में मात्रा और गहराई अच्छी हो। इसी तरह डेरिवेटिव बाजार में भी मात्रा व्यापक होनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि दोनों बाजारों की तरलता में किसी प्रकार का अंतर्सम्बंध हो।

पिछले वर्ष लागू किए गए थे कुछ प्रतिबंध

बता दें कि सेबी ने पिछले साल नवंबर में एफएंडओ बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार पर लगाम के लिए प्रतिबंधों का एक सेट लागू किया था। सेबी ने यह कदम पिछले तीन वर्षों में 93 प्रतिशत सौदों में पैसा गंवाने वाले निवेशकों के आंकड़े सामने आने के बाद उठाया था।

इस वर्ष तीन लाख करोड़ रुपये के आइपीओ आने की उम्मीद

- निवेश बैंक कोटक महिंद्रा कैपिटल ने जताया अनुमान
- 2024 में 1.89 लाख करोड़ रुपये के आइपीओ आए थे

मुंबई, प्रेट्र : कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान भी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) की धूम बरकरार रहने की उम्मीद है। निवेश बैंक कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी (केएमसीसी) ने अनुमान जताया है कि चालू कैलेंडर वर्ष के दौरान 35 अरब डालर करीब तीन लाख करोड़ रुपये के आइपीओ बाजार में आ सकते हैं। कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान कंपनियों ने आइपीओ के जरिये 22 अरब डालर करीब 1.89 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई थी।

केएमसीसी के अनुसार, 2025 के दौरान वित्तीय सेवा क्षेत्र से सबसे ज्यादा नौ अरब डालर के आइपीओ प्रस्तावित हैं। इसमें एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज और टाटा कैपिटल का आइपीओ प्रमुख है। इसके बाद डिजिटल टेक कंपनियों का स्थान है। इस क्षेत्र की कंपनियां 2025 के दौरान आइपीओ के जरिये पांच अरब डालर की राशि जुटा सकती हैं। इसमें ई-काम एक्सप्रेस, ओला, जेप्ट और पेपरफ्राई जैसी डिजिटल टेक कंपनियां प्रमुख हैं।

कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान कुल 91 कंपनियां आइपीओ लेकर आई हैं और इन कंपनियों ने सूचीबद्ध होने के दिन निवेशकों को औसतन 32.8 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

नौ वर्षों में 1,300 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा स्टार्टअप में निवेश

2016 तक स्टार्टअप को आठ अरब डालर का निवेश मिला था जो अब बढ़कर 115 अरब डालर पर पहुंचा

नई दिल्ली, आइएएनएस : उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइ) के डाटा के अनुसार, बीते नौ वर्षों के दौरान देश में स्टार्टअप में निवेश 1,300 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। डाटा के अनुसार, सरकार ने 2016 में स्टार्टअप इंडिया पहल लांच की थी। तब देश में स्टार्टअप की संख्या 400 थी, जो अब बढ़कर 1,57,066 हो गई है। उस समय तक स्टार्टअप को केवल आठ अरब डालर का निवेश मिला था, जो बीते नौ वर्षों में बढ़कर 115 अरब डालर पर पहुंच गया है।

डीपीआइआइटी के डाटा के अनुसार, बीते नौ वर्षों के दौरान इन स्टार्टअप्स ने 16 लाख से ज्यादा नौकरियां सृजित की हैं। यह आंकड़ा रोजगार सृजन में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। एक बयान के अनुसार देश में 73 हजार से अधिक ऐसे स्टार्टअप को मान्यता दी गई है जिनमें कम से कम एक महिला निदेशक है। यह सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त 1,57,066 स्टार्टअप में से लगभग आधे का प्रतिनिधित्व करता है, जो नवाचार और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। भारत अब तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप हब है।

2025 में सुस्त रह सकती है भारतीय आर्थिकी

- आइएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जार्जीवा ने जताई आशंका
- कहा- हमारी अपेक्षा से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है अमेरिका

क्रिस्टलिना जार्जीवा।

वाशिंगटन, प्रेट्र : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जार्जीवा ने कहा है कि स्थिर वैश्विक वृद्धि के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 'थोड़ा सुस्त' रहने की आशंका है। जार्जीवा ने कहा कि उन्हें इस साल दुनिया में मुख्य रूप से अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर काफी अनिश्चितता नजर आने की संभावना दिख रही है।

अपनी वार्षिक मीडिया गोलमेज बैठक में जार्जीवा ने कहा कि वर्ष 2025 में वैश्विक वृद्धि स्थिर रहने की संभावना है लेकिन इसमें क्षेत्रीय भिन्नताएं देखने को मिलेंगी। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शुमार भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 में थोड़ा कमजोर होने की आशंका भी जताई। हालांकि, उन्होंने इस बारे में कुछ अधिक नहीं बताया। विश्व अर्थव्यवस्था परिदृश्य पर आने वाली रिपोर्ट में इस बारे में अधिक जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि अमेरिका हमारी अपेक्षा से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, यूरोपीय संघ (ईयू) कुछ हद तक रुका हुआ है और भारत थोड़ा कमजोर है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ब्राजील कुछ हद तक ज्यादा महंगाई का सामना कर रहा है। जार्जीवा ने कहा कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन में महंगाई कम होने से पैदा होने वाले दबाव और घरेलू मांग को लेकर जारी चुनौतियों की स्थिति नजर आ रही है।

आर्थिक नीतियों को लेकर रहेगी अनिश्चितता

जार्जीवा ने 2025 में आर्थिक नीतियों के मामले में काफी अनिश्चितता रहने की आशंका जताई। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन, कनाडा और मैक्सिको जैसे देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की योजना की घोषणा की है। वह 20 जनवरी को शपथ लेंगे। जार्जीवा ने कहा कि यह अनिश्चितता आगे की व्यापार नीति के रास्ते को लेकर अधिक है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष आने वाली चुनौतियां और बढ़ जाएंगी।

निवेशकों की स्पीड लिमिट

धीरेंद्र कुमार, संपादक, धनक डाट काम

बोनस

हाल ही में, मैं ओगिल्वी एंड माथर ग्रुप के वाइस-चेयरमैन रोरी सदरलैंड की एक बातचीत देख रहा था। इसमें उन्होंने एक नई तरह के स्पीडोमीटर डिस्प्ले पर चर्चा की। स्टैंडर्ड किलोमीटर-प्रति-घंटा के निशान के अलावा, इसके अंदर वाले डायल पर कुछ और ही दिया गया था। इस पर किसी भी स्पीड से 10 किलोमीटर जाने के लिए मिनट के निशान। इस खास बातचीत में, उन्होंने स्पीड और टाइम के बारे में एक गहरे सच का पर्दाफाश किया, जिसमें निवेश के साथ आश्चर्यजनक समानताएं हैं।

इस डिस्प्ले की सबसे खास बात है कि जब आप धीमी स्पीड से गाड़ी चला रहे हों, जैसे कि 20 किमी प्रतिघंटे पर, तो 30 किमी प्रतिघंटे की स्पीड से गाड़ी चलाने से आपका काफी समय बचता है। 10 किमी की यात्रा में करीब 10 मिनट। हालांकि, जब आप पहले से ही 70 किमी प्रति घंटे पर हों, तो 80 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक पहुंचने के लिए एक्सीलेटर दबाने से उसी दूरी पर मुश्किल से एक मिनट ही बचा सकेंगे। इसके बावजूद ऐसा करके अपने और दूसरों के लिए जो अतिरिक्त जोखिम आप उठाते हैं, वो नाटकीय रूप से बढ़ जाता है।

ये निवेश के बारे में एक बुनियादी सच्चाई को सटीक तरीके से दिखाता है। जिस तरह स्पीड और बचाए गए समय के बीच सीधा संबंध नहीं है, उसी तरह निवेश के जोखिम और संभावित रिटर्न के बीच भी सीधा संबंध नहीं है। किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचिए जो अभी अपनी निवेश यात्रा शुरू कर रहा है। अपनी सारी बचत करेंट अकाउंट में रखने से लेकर एसआइपी के जरिये बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड में निवेश करने तक का कदम 20 से 30 किमी प्रति घंटे की स्पीड से आगे बढ़ने जैसा है। ये अपेक्षाकृत मामूली जोखिम के साथ काफी फायदा देता है। शुरुआती निवेश और लंबे समय के दौरान पूंजी बनाने के बीच का अंतर नाटकीय है, क्योंकि पहले पहल रफ्तार का बढ़ना यात्रा के समय को काफी कम कर देता है।

हालांकि, एक बार जब आप एक समझदार और डाइवर्सिफाइड इन्वेस्टमेंट पोर्टफोलियो स्थापित कर लेते हैं - मान लीजिए कि आप 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहे हैं, तो जोखिम भरी रणनीतियों से और भी ज्यादा रिटर्न पाने की कोशिश करना हाईवे पर एक्सीलेटर दबाने जैसा है। संभावित अतिरिक्त रिटर्न (जैसे कि समय बचाना) बहुत कम होते हैं, जबकि घातक नतीजों का जोखिम बहुत तेजी से बढ़ जाता है।

सदरलैंड बताते हैं कि कैसे ड्राइवर अक्सर तब एक्सीलेटर दबाते हैं जब उनका जीपीएस दिखाता है कि वे पांच मिनट देर से चल रहे हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि आठ मिनट की खतरनाक ड्राइविंग से सिर्फ एक मिनट का समय बचा है। मैंने अनगिनत निवेशकों को यही गलती करते देखा है। जब उन्हें लगता है कि अपने वित्तीय लक्ष्य पाने में 'देर' लग रही है, तो वे बड़े जोखिम उठाने के लिए मचल उठते हैं। लेकिन बाद में पता चलता है कि संभावित मुनाफा शायद ही इतने बड़े जोखिम के लिए सही था। सुरक्षित ड्राइविंग की तरह, सफल निवेश की चाभी आपकी मंजिल तक पहुंचने में सबसे तेज रास्ता खोजना नहीं है। ये एक समझदार स्पीड बनाए रखने की बात है जो जोखिमों को सही तरीके से मैनेज करते हुए सुरक्षित पहुंचाती है।

निवेश में सबसे बड़ा मुनाफा, वैसा ही है जैसे ड्राइविंग में सबसे ज्यादा समय की बचत, निष्क्रिय होने के बजाए कुछ करने से आती है। ठीक उसी तरह जैसे निवेश में एसआइपी शुरू करना और डाइवर्सीफाइड पोर्टफोलियो बनाना। एक बार जब आप उस क्रूजिंग स्पीड पर पहुंच जाते हैं, तो एक्सीलेटर को दबाने की इच्छा पर काबू रखना चाहिए। थोड़े से मुनाफे के लिए घातक साबित होने वाला जोखिम सही नहीं है।

राष्ट्रीय फलक

मतांतरण कराकर किया निकाह, बीस साल बाद तलाक दे घर से निकाला

जागरण संवाददाता, आगरा

- पीड़िता का आरोप, बच्चों की पढ़ाई छुड़ा दुकान पर कराया काम
- खुद आलीशान घर में रहा और पत्नी बच्चों को पुराने घर में रखा

मुस्लिम युवक के साथ बीस वर्ष पहले प्रेम में पड़ी युवती अब अपना सब कुछ गंवा बैठी है। धर्म बदलकर युवक से निकाह करने के बाद भी वह सुख से नहीं रह सकी। निकाह के बाद से ही प्रताड़ना शुरू हो गई। प्रताड़ना से बच्चों को भी गुजरना पड़ा। उन्हें पढ़ाने के बजाय दुकान पर बैठा दिया गया। पति आलीशान मकान में रहता और पत्नी, बच्चों को पुराने घर में रखा। पत्नी ने आवाज उठाई तो तीन तलाक बोल घर से निकाल दिया। पुलिस आयुक्त के आदेश पर शुक्रवार को नाई की मंडी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रताड़ना की यह कहानी सोनम गोयल की है। बिल्डर पिता की पुत्री सोनम आरिफ के प्रेम में पड़ गई। उसके कहने पर धर्म बदलकर 2004 में निकाह कर लिया। नाम रखा आयशा वारसी। आरिफ ने निकाह के बाद से ही रंग दिखाना शुरू कर दिया। रोज मारपीट करता और कमरे में बंद रखता। इस बीच उसके दो बेटे और एक बेटी भी हुई।

आरिफ अब पूरे रंग में आ गया। बच्चों के साथ भी मारपीट शुरू हो गई। उसने सोनम उर्फ आयशा पर बिल्डर पिता से रुपये या जमीन लाने को दबाव बनाया। जब बात नहीं बनी तो बड़े बेटे की पढ़ाई छुड़वाकर उसे अपनी दुकान पर काम करने बैठा दिया। छोटे बेटे को आंखों से कम दिखता है। आरोपित ने उसे भी रोजाना पांच घंटे दुकान पर बिठाना शुरू कर दिया। इससे उसकी तबीयत खराब हो गई।

पीड़िता का आरोप है कि आरिफ के अपनी भाभी से अवैध संबंध हैं। उन्हें और बच्चों को काफिर कहकर संबोधित करता था। पीड़िता ने बताया, 24 अक्टूबर की शाम जब उसने नए मकान में पति के साथ रहने को कहा तो उसके साथ मारपीट की। जो लोग बच्चे बचाने आए तो उन्हें भी पीटा। उसने तीन बार तलाक बोलकर धक्का देकर बच्चों समेत घर से भगा दिया। थाने में पुलिस शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई।

इंस्पेक्टर नाई की मंडी सुभाष चंद्र ने बताया, मुस्लिम विवाह अधिनियम समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

ट्रंप के राष्ट्रपति रहते उनकी कंपनी विदेशी कंपनियों के साथ करेगी कारोबार

न्यूयार्क, एपी : निर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के परिवार से जुड़ी कंपनी ने शुक्रवार को एक स्वैच्छिक नैतिकता समझौता जारी किया है। यह कंपनी को निजी विदेशी कंपनियों संग सौदे की अनुमति देता है। यह कदम बाहरी ताकतों को नए प्रशासन में प्रभाव हासिल करने में मदद कर सकता है।

यह नैतिकता श्वेत पत्र ट्रंप संगठन को विदेशी सरकारों के साथ सीधे सौदे से रोकता है, लेकिन विदेशों में निजी कंपनियों के साथ सौदे की अनुमति देता है। ट्रंप के पहले कार्यकाल के मुकाबले यह बड़ा बदलाव है। ट्रंप ने आठ साल पहले जिस नैतिक समझौते पर हस्ताक्षर किया था, उसमें दूसरे देश की सरकार और विदेशी कंपनियों दोनों के साथ सौदों पर रोक लगाई गई थी। ट्रंप की कंपनी ने यह भी घोषणा की है कि वह उनके निजी वित्तीय हितों की नीति को आकार देने से रोकने के लिए उनके पहले कार्यकाल से कई सुरक्षा उपायों के लिए प्रतिबद्ध होगी।

हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म की धमकी देने वाला मैजान माफी मांगते गया जेल

जासं, बरेली

बरेली में इंटरनेट मीडिया पर महाकुंभ नहीं होने देने व मुख्यमंत्री को जान से मारने की दी थी धमकी

हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म और महाकुंभ नहीं होने की धमकी देने वाला मैजान पुलिस के हाथ आया तो माफी मांगते दिखा। शनिवार को हवालात में बैठकर बार-बार दोहराता रहा...'गलती हो गई साहब, माफ कर दो। अब कभी भी आपत्तिजनक पोस्ट नहीं करूंगा। सबका सम्मान करूंगा, कभी भी किसी को अपशब्द नहीं बोलूंगा, बस एक बार माफ कर दो..।' उसे धमकाने, सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने, धमकाने एवं आइटी एक्ट उल्लंघन में जेल भेज दिया गया।

मैजान ने फेसबुक पर लिखा था कि महाकुंभ नहीं होने देगा, चाहें कितने भी सिर काटने पड़ जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी दी। भगवान श्रीराम के लिए अपशब्द लिखे। उसने पोस्ट में लिखा कि हिंदू हर जगह मंदिर तलाश रहे हैं। उन्हीं स्थानों पर जाकर हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म किया जाएगा। शुक्रवार को इसकी जानकारी अगस्त्य मुनि आश्रम के महंत केके शंखधार को हुई तो उन्होंने एक्स के माध्यम से पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। सीओ पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपित मैजान को पुरानी लोको कालोनी से गिरफ्तार किया। वह किला थाना क्षेत्र के चौधरी तालाब निवासी है। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

सागर में पूर्व विधायक के बंगले से दो दिन में मुक्त कराए गए चार मगरमच्छ

नईदुनिया प्रतिनिधि, सागर : मध्य प्रदेश के सागर जिले में बंडा सीट से भाजपा के विधायक रहे हरवंश सिंह राठौर के बंगले से बीते दो दिन में चार मगरमच्छ मुक्त कराए गए हैं। वन विभाग की टीम कार्रवाई के लिए पहुंची तो पूर्व विधायक के सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया और सिर्फ चुनिंदा 15 कर्मचारियों को ही जाने दिया। भोपाल स्थित वन्य प्राणी मुख्यालय के अपर मुख्य वन संरक्षण वन्य जीव (एपीसीसीएफ) एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि पूर्व विधायक के बंगले पर मगरमच्छों व अन्य वन्यजीवों के पाए जाने पर वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए सागर डीएफओ को निर्देश दिए हैं।

दरअसल, बताया गया कि पूर्व विधायक के बंगले पर पूर्व में चिड़ियाघर था। कुछ वर्षों पहले वह बंद करने का ऐलान कर वन विभाग को सूचना दे चुके हैं लेकिन मगरमच्छ अभी भी थे।

गुरुग्राम के फ्लैट से साइबर ठगी व डिजिटल अरेस्ट के मिले साक्ष्य

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया • भोपाल

- मप्र एटीएस ने पांच क्यूआर कोड, 85 डेबिट कार्ड और बड़ी संख्या में सिम जब्त किए

मध्य प्रदेश एटीएस को हरियाणा के गुरुग्राम में एक फ्लैट से साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट की गतिविधियों को अंजाम दिए जाने के पुख्ता साक्ष्य मिले हैं। यहां से हिरासत से कूदने के दौरान बिहार के हिमांशु कुमार की मौत के बाद मध्य प्रदेश एटीएस पांच संदिग्धों को जबलपुर ले आई। इन्हें कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल दिया है। एटीएस के अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों से अब तक की पूछताछ और जांच में सामने आया है कि साइबर धोखाधड़ी का सरगना सतना का रहने वाला मोहम्मद मासूक है।

पूर्व में एटीएस ने हिमांशु सहित जिन छह लोगों को हिरासत में लिया था, उनमें दो मध्य प्रदेश और चार बिहार के रहने वाले हैं। इनके पास से पांच क्यूआर कोड, बड़ी संख्या में सिम कार्ड, 85 डेबिट कार्ड, 14 लैपटाप और एक टैबलेट बरामद किया गया। एटीएस अब यह जांच कर रही है कि आरोपितों ने साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट की कितनी घटनाओं को अंजाम दिया। जब्त डिवाइसों की जांच में बड़े स्तर पर धोखाधड़ी का राजफाश हो सकता है।

बता दें कि क्यूआर कोड और डेबिट कार्डों का उपयोग लोगों से पैसे ऐंठने के लिए करने की गुप्त सूचना एटीएस को मिली थी। सतना के रहने वाले मासूक और चंचल विश्वकर्मा के विरुद्ध पहले से मध्य प्रदेश के साइबर थाने में प्रकरण दर्ज था। पुलिस की जांच में सामने आया था कि साइबर ठगी के लिए उपयोग किए गए खातों से राशि दूसरे देशों में भेजी जा रही है। इसका उपयोग टेरर फंडिंग में होने के संदेह के चलते मध्य प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने सात जनवरी को गुरुग्राम के धनेरा क्षेत्र स्थित एक फ्लैट से दबिश दी थी। यहां से मासूक और चंचल के अतिरिक्त हिमांशु कुमार, रामनाथ, गोविंद व नीरज यादव को हिरासत में लिया था। इनमें मासूक और चंचल मप्र और बाकी बिहार के हैं।

हम धरती के मालिक नहीं, बल्कि इसके संरक्षक : शेखावत

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : केंद्रीय संस्कृति व पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सभी से आगे आने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें धरती का मालिक नहीं बल्कि इसका संरक्षक बनना चाहिए। कोलकाता के साइंस सिटी में जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने को 'आन द एज' नामक गैलरी का उद्घाटन के बाद शेखावत ने कहा-यह पूरे विश्व के लिए बड़ा मुद्दा है। केवल विज्ञानी नहीं बल्कि, हर नागरिक को हितधारक के रूप में भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि लोगों को अब यह मानना बंद कर देना चाहिए कि कार्बन उत्सर्जन, समुद्र स्तर में वृद्धि और मौसम की स्थिति जीवनकाल में व्यक्तिगत रूप से प्रभावित नहीं करेंगे। जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए बड़ा मुद्दा है। केंद्र इसे लेकर सजग है। हरियाली बढ़ाने के लिए केंद्र ने 80 करोड़ पेड़ लगाए हैं। गैलरी के बारे में मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरणादायक और सूचनाओं से परिपूर्ण है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार, 12 जनवरी, 2025 से शनिवार 18 जनवरी, 2025 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ) कार्य में युक्ति से सफलता, अर्थसाधन ठीक, विपरीत परिस्थिति का धैर्य से समाधान करें, पारिवारिक सहयोग, निर्माण कार्य में देरी, मित्रों से सावधान, क्रोध, ईर्ष्या से बचें, धर्म में रुचि, वाहन में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

वृष (इ, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) कार्य में श्रम से सफलता, धनागम में प्रयास, नए सम्पर्क , लक्ष्य के प्रति सावधान, विदेश कार्य में सफलता, साहस से समाज में यश, भूमि सम्बन्धी कार्य में देरी, अध्ययन में रुचि, खानपान पर ध्यान देवे, दाम्पत्य में सुख, स्थान पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 5

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा) कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में प्रयास, नए व्यवसाय के अवसर से बचें, आत्मविश्वास की वृद्धि, स्वास्थ्य के प्रति सजगता, संतान से अनबन, शत्रुपक्ष प्रभावी, वाद विवाद से बचें, जीवनसाथी का ध्यान रखें, वाहन में सावधानी, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 4

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) नये कार्य व्यापार से बचें, धनागम में देरी, साझेदारी में सावधानी, सामाजिक यश, विदेश कार्य में देरी, पारिवारिक सहयोग, भवन, आभूषण साजसज्जा का योग, शिक्षा में सफलता, वाद विवाद से बचें, पत्नी से अनबन, मित्रों से सहयोग, यात्रा से बचें, व्यय अधिक शुभ अंक 9

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) कार्य में प्रगति, धनागम में प्रयास, कार्य क्षेत्र में निर्णय सलाह से करें, माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिन्ता, लक्ष्य के प्रति ध्यान रखें, संतान के लिये योजना, चयन में सफलता, जीवनसाथी का मिलन, वाहन में सावधानी, भ्रमण का योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) कार्य में सफलता, धनागम से सुधार, साझेदारी में सावधानी, धन के आवागमन में सावधानी, पारिवारिक चिन्ता का समाधान, अध्ययन में एकाग्रता, शिक्षा में रुचि, शत्रुपक्ष प्रभावी, वाद में विजय, ससुराल से सहयोग, दाम्पत्य में सुख, धर्म में रुचि, राजनैतिक अपयश, शुभ अंक 7

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) कार्य में श्रम से सफलता, धनागम में प्रयास, विशेष व्यक्ति से सहयोग, धन निवेश में सावधानी, जीवन में लक्ष्य का ध्यान रखें, सामाजिक अपयश, चिन्ता का समाधान, शिक्षा में एकाग्रता, खानपान पर ध्यान दें, प्रणय में सुख, यात्रा में सावधानी, व्यय अधिक, शुभ अंक 1

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) कार्य क्षेत्र में विस्तार, धनागम में अवरोध, लक्ष्य के प्रति सजगता, पूंजी निवेश में सफलता, पारिवारिक सहयोग, साधनों की पूर्ति, सन्तान के लिये योजना, मित्रों से सहयोग, दाम्पत्य सुख, राज्य पक्ष से सहयोग, स्थान पद परिवर्तन योग, आय में सुधार, शुभ अंक 4

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) कार्य क्षेत्र में निर्णय सलाह से करें, धनागम में प्रयास, धन के आवागमन में सावधानी, आत्मबल में वृद्धि, महिला से सहयोग, वाहन, आभूषण साज सज्जा योग, संतान से अनबन, शत्रुपक्ष प्रभावी, दांपत्य सुख का योग, धर्म में रुचि, शुभ अंक 5

मकर (भो, जा, ज, खी, खू, खे, खो, गा, गी) अर्थसाधन मे सफलता, व्यापार क्षेत्र में सहयोग से सफलता, धन के आवागमन में सावधानी, पूंजी निवेश में सावधानी, पारिवारिक सहयोग, शिक्षा में अवरोध, वाद विवाद से बचें, आलस्य और ईर्ष्या से बचें, दांपत्य में सुख, धर्म में रुचि, अधिकारी से सहयोग, व्यय अधिक, शुभ अंक 2

कुम्भ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सा, दा) अतिव्यस्तता से धैर्य रखें, अर्थसाधन में प्रयास, व्यापार में सहयोग से सफलता, दूसरों की आलोचना से बचें, साधनों की कमी, भूमि सम्बन्धी कार्य में अवरोध, सन्तान से सहयोग, प्रणय में सुख, धर्म में रुचि, स्थान पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

मीन (दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची) लक्ष्य के प्रति सजगता, कार्य में प्रगति, साझेदारी में सावधानी, रचनात्मक कार्य का योग, आत्मबल की वृद्धि, चिन्ता की वृद्धि, भूमि, भवन कार्य में अवरोध, चयन में देरी, मित्रों से सहयोग, प्रणय में मधुरता, तीर्थ यात्रा का योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

****

9 मई हिंसा को लेकर कई मामलों में जमानत के लिए पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने लाहौर हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल कराई है। एक अन्य कोर्ट ने इस्लामाबाद में डी-चौक पर हुए प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार इमरान की पार्टी के 153 कार्यकर्ताओं की जमानत मंजूर कर ली है।

एलए में हवा की बदली दिशा से आग फैलने का खतरा बढ़ा

बर्बादी ▶ हवा की रफ्तार हुई कम लेकिन नहीं थमी उसकी तबाही

मरने वालों की संख्या 11 हुई, आंकड़ा बढ़ने का अंदेशा

लास एंजिलिस, रायटर : अमेरिका के लास एंजिलिस (एलए) शहर से राहत की खबर है। बीते पांच दिनों से आग से जूझ रहे इस शहर में शुक्रवार-शनिवार रात तेज हवाओं का वेग कुछ कम हुआ लेकिन उसकी बदली दिशा ने नए क्षेत्रों में आग फैलने की आशंका बढ़ा दी है। अग्निशमन दल अपने उपकरणों के साथ आग बुझाने में जुटे हैं लेकिन सफलता अभी दूर है। पांच दिनों में आग ने भीषण तबाही मचाई है, 11 लोगों की जान गई है और करीब 150 अरब डालर की संपत्ति का नुकसान हुआ है। करीब दो लाख लोग बेघर हो गए हैं। आग ने लीटन मेस्टर, एडम ब्राडी, बेन एफ्लेक, पेरिस हिल्टन जैसी फिल्मी हस्तियों और अन्य कई सेलेब्रेटी के आवास जलाकर खाक कर दिए हैं।

लास एंजिलिस और उसके आसपास हवा की गति कम हुई है लेकिन उसकी दिशा बदलने से खतरे बढ़े भी हैं। हवा की दिशा बदलने से आग के नए इलाकों में फैलने का खतरा पैदा हो गया है।

अमेरिका में लास एंजिलिस एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में जंगलों में विकराल आग से विभिन्न संपदा की भारी हानि हो रही है। एपी

अग्निशमन विभाग के कैप्टन एरिक स्काट के अनुसार अब आग के शहर के पूर्वी और पूर्वोत्तर भाग में फैलने का खतरा बढ़ गया है।

इस बीच, विभाग कर्मी पैलिसेड्स और ईटन में आग बुझाने की जद्दोजहद में जुटे हैं। पैलिसेड्स में अभी आठ प्रतिशत आग को बुझाने में सफलता मिली है जबकि ईटन में तीन प्रतिशत आग बुझी है। आग से सबसे ज्यादा प्रभावित इन दोनों इलाकों में अभी भी कई इमारतों से लपटें उठ रही हैं-तबाही का मंजर भयावह है। आग करीब 36 हजार एकड़ (56 वर्ग मील) क्षेत्र को चपेट में लिए हुए है। शहर के ऊपर छाए धुंए के गुबार और हवा में कार्बन घुल जाने से जनस्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा हो गया है। ऐसे में इलाके में हेल्थ इमर्जेंसी लागू करने की मांग उठने लगी है। एक्यूवेदर संस्था के विशेषज्ञों ने अभी तक की आग से कुल 150 अरब डालर तक के नुकसान का अंदाजा लगाया है।

शहर के जो इलाके आग से प्रभावित हैं और जिन्हें खाली कराया गया है, वहां पर कर्फ्यू लगा दिया गया है। उन इलाकों में लोग अपना बचा सामान देखने के लिए पहुंच रहे थे या फिर उन्हें सामान निकालने की चिंता थी। कई इलाकों में खाली घरों में चोरी और खुले में रखा सामान उठा ले जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं। इस संकट की घड़ी में अमेरिका की संघीय सरकार, आसपास के सात प्रांत और कनाडा की सरकार कैलिफोर्निया की मदद के लिए आ गए हैं। विमानों और हेलीकाप्टरों से पानी और आग बुझाने वाले रसायनों को डालने का काम चल रहा है। लेकिन गुरुवार और शुक्रवार को आग बुझाने के लिए पानी खत्म होने की शिकायतों की जांच शुरू हो गई है।

हवा की रफ्तार हुई कम, आज सामान्य होने के आसार

लास एंजिलिस के लिए राहत की बात यह है कि वहां चल रही हवा की रफ्तार निरंतर कम हो रही है। रविवार तक यह रफ्तार 20 मील प्रति घंटा से 35 मील प्रति घंटा के बीच हो सकती है। हवा की रफ्तार अगर 20 मील के आसपास रही तो वह सामान्य के करीब होगी और उस स्थिति में आग को काबू करने में आसानी हो जाएगी।

वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन लास एंजिलिस अग्निकांड पर ब्रीफिंग के बाद प्रश्नों के दौरान प्रेस का ध्यान खींचने करने के लिए यह ढंग अपनाते दिखे। एएफपी

आग से जलकर नष्ट हुए घर के मलवे के बीच बुद्ध की एक मूर्ति। एएफपी

खंडहरों के आगे दुखी लोगों का तांता

जिन इलाकों में आग बुझ चुकी है वहां बर्बाद हुए मकानों के खंडहर के नजदीक खड़े लोग दुखी होते और बीते दिनों की याद करते दिखाई दे रहे हैं। 44 वर्षीय कैली फोस्टर खंडहर में तब्दील अपने मकान के आगे खड़ी होकर बताती हैं कि यहां उनका प्यारा मकान था उसमें तमाम सुखद अनुभव हासिल किए लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। कैली जैसे बहुत से लोग अपना दुख व्यक्त कर रहे हैं।

... नहीं तो ट्रंप को हरा देता : बाइडन

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि नवंबर के आम चुनाव में वह डोनाल्ड ट्रंप को हरा देते, लेकिन डेमोक्रेटिक पार्टी की एकता की खातिर उन्होंने बीच में ही दौड़ से हटने का फैसला लिया। वह व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनसे पूछा गया था कि क्या आपको दोबारा चुनाव न लड़ने के अपने फैसले पर पछतावा है। आपको लगता है कि इससे आपके पूर्ववर्ती के लिए आपका उत्तराधिकारी बनना आसान हो गया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका का राष्ट्रपति बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान था, लेकिन मैं ऐसा व्यक्ति नहीं बनना चाहता था जिसने ऐसी पार्टी को चुनाव हरा दिया जो एकजुट नहीं थी। इसीलिए मैंने हटने का फैसला लिया। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस फिर से चुनाव लड़ने में सक्षम हैं, हालांकि फैसला उनका होगा। उन्होंने क्षमादान देने के मामले में कहा कि उनकी खुद को माफ करने की कोई योजना नहीं है, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने संकेत दिया कि 20 जनवरी को कार्यालय छोड़ने से पहले वह कई अन्य को माफ कर सकते हैं। बाइडन बुधवार को ओवल कार्यालय से राष्ट्र को विदाई भाषण देने वाले हैं।

न्यूज गैलरी

मालदीव के दौरे पर पहुंचे चीनी विदेश मंत्री

बीजिंग : चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने मालदीव का औचक दौरा किया। उन्होंने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से बातचीत की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। पिछले साल जनवरी में मुइज्जू के चीन दौरे के बाद यह किसी चीनी अधिकारी की मालदीव की पहली बड़ी यात्रा है। मालदीव मीडिया के अनुसार, वांग के साथ बैठक में मालदीव के राष्ट्रपति ने सामाजिक आवास और सड़क विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुइज्जू ने आर्थिक विविधीकरण, विशेष रूप से कृषि और मत्स्य पालन पर अपने प्रशासन के ध्यान आकर्षित कराया और इन क्षेत्रों को मजबूती देने के लिए चीन की मदद मांगी। वांग ने कहा कि मुइज्जू की चीन की सफल राजकीय यात्रा चीन-मालदीव संबंधों में मुख्य आकर्षण थी। (प्रेट्र)

चीन में बेटों को धार्मिक शिक्षा देने पर उइगर महिला को जेल

बीजिंग : चीन के शिनजियांग प्रांत में उइगर मुस्लिमों का उत्पीड़न जारी है। मुस्लिमों के लिए धार्मिक शिक्षा देना अपराध माना जाता है। काशगर के कोनाशेहेर काउंटी की उइगर महिला 49 वर्षीया सेयलिहान रोजी को अपने बेटों और पड़ोसियों को धार्मिक शिक्षा देने के लिए 17 वर्ष जेल की सजा सुनाई गई है। इस क्षेत्र में अपने धर्म का पालन करने के लिए उइगरों को दंडित किया जाता है। रोजी से धार्मिक शिक्षा पाने वाले पड़ोसी याकुप हिदायत को नौ वर्ष जेल की सजा सुनाई गई है। (एएनआइ)

पाकिस्तान के पंजाब में पटाखा विस्फोट से छह की मौत

लाहौर : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के फालिआ मंडी बहाउद्दीन गांव में घर में रखे गए पटाखों के विस्फोट से एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। मकान की छत ध्वस्त हो गई और लोग उसके नीचे दब गए। मरने वालों में चार महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। पटाखा बनाने वाले परिवार के सात सदस्य घायल हो गए हैं। आपदा अधिकारियों ने घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है। तीन की स्थिति गंभीर है। (प्रेट्र)

अमेरिका के कोलंबिया में विमान दुर्घटना में 10 की मौत

बगोटा: अमेरिका के उत्तर पश्चिम कोलंबिया में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को दुर्घटना में 10 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। जुआर्डो से मेडेलिन जा रहा पैसिफिका ट्रैवल द्वारा संचालित विमान बुधवार से लापता था। यह विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर ग्रामीण क्षेत्र में गिर गया था। विमान में उस समय सवार दो क्रू सदस्य और आठ यात्रियों में से कोई भी बच नहीं पाया। (आइएएनएस)

खैबर पख्तूनख्वा में चार आतंकी मारे गए

पेशावर : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के घरियुम क्षेत्र में गुप्तचर आधारित अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने शनिवार को चार आतंकियों को मार गिराया। एक अन्य घटना में उत्तरी वजीरिस्तान के स्पिनवाम में सुरक्षा बलों के लिए पानी ले जा रहे वाहन को निशाना बनाकर हुए आइईडी विस्फोट में एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई। (प्रेट्र)

खैबर पख्तूनख्वा में सड़क दुर्घटना में नौ लोगों की मौत

पेशावर : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक यात्री कोच और ट्रेलर के बीच हुई टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना करक जिले में सिंधु हाईवे पर अंबेरी काले चौक पर हुई। पुलिस ने कहा कि तेज गति रहने के कारण यह दुर्घटना हुई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। (प्रेट्र)

बाइडन की सलाहकार नीरा बोलीं, अमेरिका अप्रवासियों का देश

▶ कानूनी अप्रवासन के विस्तार के लिए जताया व्यापक समर्थन

▶ अमेरिका मे एच-1बी वीजा पर चल रही बहस के बीच आया बयान

वाशिंगटन, प्रेट्र: एच-1बी वीजा पर चल रही बहस के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की शीर्ष घरेलू नीति सलाहकार भारतवंशी नीरा टंडन ने कहा कि अमेरिका अप्रवासियों का देश है। देश में कानूनी अप्रवासन के विस्तार के लिए व्यापक समर्थन है। एच-1बी वीजा कार्यक्रम अमेरिकी कंपनियों को विशेष व्यवसायों में विदेशी कर्मचारियों को अस्थायी रूप से नियुक्त करने की अनुमति देता है। भारतीय एच-1बी वीजा के मुख्य लाभार्थी हैं।

वह एच-1बी पर चल रही बहस और डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर व्हाइट हाउस नीति सलाहकार के रूप में श्रीराम कृष्णन की नियुक्ति के बाद भारतीय-अमेरिकियों के खिलाफ जारी प्रतिक्रिया पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थीं।

उन्होंने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि यह वास्तव में दुखद है। वह बहस वास्तव में इस बात को रेखांकित करती है कि अच्छे और सही तरीके से किए गए कानूनी अप्रवासन को देश में व्यापक समर्थन प्राप्त है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की शीर्ष घरेलू नीति सलाहकार भारतवंशी नीरा टंडन। प्रेट्र

मैंने वास्तव में जिस पर प्रतिक्रिया दी है वह यह है कि भारतीय-अमेरिकियों के खिलाफ तीखी नफरत फैलाई जा रही है। लोग उस व्यक्ति की तस्वीर पोस्ट कर पूछ रहे हैं कि इस व्यक्ति को हम क्यों चुनें।

भारतीय मौसम विभाग के समारोह में शामिल नहीं होगा बांग्लादेश

ढाका, प्रेट्र : भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) की 150वीं वर्षगांठ समारोह में बांग्लादेशी अधिकारी शामिल नहीं होंगे। अधिकारियों ने सरकारी खर्च पर गैर-जरूरी विदेश यात्रा पर प्रतिबंधों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। बांग्लादेश मौसम विभाग (बीएमडी) के कार्यवाहक निदेशक मोमिनुल इस्लाम ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की कि एक महीने पहले आईएमडी से उन्हें निमंत्रण मिला था।

उन्होंने कहा, 'भारतीय मौसम विभाग ने हमें अपने 150वें वर्षगांठ समारोह में आमंत्रित किया है। हम उनके साथ अच्छे संबंध बनाए रखते हैं और सहयोग भी जारी रखते हैं।' इस्लाम ने बताया किहालांकि, हम इस कार्यक्रम में नहीं जा रहे हैं क्योंकि सरकार द्वारा वित्त पोषित गैर-जरूरी विदेशी यात्राओं को सीमित करने की बाध्यता है। 1875 में स्थापित आइएमडी ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार, भूटान, नेपाल, श्रीलंका और मालदीव सहित मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशियाई कई देशों को आमंत्रित किया है।

अल्पसंख्यकों पर हुए अधिकांश हमले राजनीतिक रूप से प्रेरित थे : बांग्लादेश

▶ पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार ने अगस्त 2024 से हुए सांप्रदायिक हमलों और दावों की पेश की रिपोर्ट

▶ हिंदू, बौद्ध, ईसाई एकता परिषद का दावा- सांप्रदायिक हिंसा और बर्बरता की 1769 घटनाएं हुई

ढाका, एएनआइ: बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद यानी चार अगस्त 2024 से अब तक हुए सांप्रदायिक हमलों और दावों पर पुलिस ने एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया कि देश में अल्पसंख्यकों पर हुए अधिकांश हमले सांप्रदायिक नहीं थे, बल्कि यह राजनीतिक रूप से प्रेरित थे।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने शनिवार को एक बयान कहा कि बांग्लादेश हिंदू, बौद्ध, ईसाई एकता परिषद ने दावा किया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को सांप्रदायिक हिंसा और बर्बरता की 1769 घटनाओं का सामना करना पड़ा। 1769 घटनाओं के आरोपों में से पुलिस ने 62 मामले दर्ज किए हैं और जांच निष्कर्षों के आधार पर कम से कम 35 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया।

बयान के अनुसार - 'यह पाया गया कि अधिकांश मामलों में हमले सांप्रदायिक रूप से प्रेरित नहीं थे बल्कि वे राजनीतिक प्रकृति के थे। पुलिस जांच से पता चला है कि 1,234 घटनाएं राजनीतिक प्रकृति की थीं और 20 घटनाएं सांप्रदायिक थीं। कम से कम 161 दावे झूठे पाए गए।'

परिषद के दावों के अनुसार 1,452 घटनाएं (82.8 प्रतिशत) पांच अगस्त, 2024 को हुईं, जब हसीना को सत्ता से बेदखल किया गया था। परिषद के अनुसार, चार अगस्त को कम से कम 65 घटनाएं और छह अगस्त को 70 घटनाएं हुईं।

रिपोर्ट में अंतरिम सरकार ने सांप्रदायिक हिंसा पर जीरो टालरेंस का रुख अपनाने का दावा किया। सरकार ने यह भी घोषणा की है कि वह पीड़ितों को मुआवजा देगी। अंतरिम सरकार मानवाधिकारों की स्थापना को सर्वोच्च महत्व देती है। हसीना सरकार के पतन के बाद भारत ने कई मौकों पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं की सुरक्षा पर चिंता जाहिर की है।

बुजुर्ग हिंदू की हत्या का मुख्य आरोपित गिरफ्तार

बांग्लादेश में पुलिस ने उत्तरी नातोरे जिले में 60 वर्षीय हिंदू तरुण चंद्र दास की हत्या के मामले में मुख्य आरोपित मोहम्मद सुबाज हुसैन को चटगांव से गिरफ्तार कर लिया। तरुण का शव 21 दिसंबर को नातोरे जिले के बड़ा हरीशपुर श्मशान घाट पर मिला था। उनके मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और हाथ-पैर रस्सी से बंधे थे। उनकी गला घोंटकर हत्या की गई थी। तरुण कुछ समय से श्मशान में ही रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, सुबाज ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। कहा है कि चोरी के दौरान साथियों के साथ मिलकर तरुण की हत्या की दी थी। उसने अपने साथियों के नाम हसन मंडल, साजिब हसन, टोटा तल्हा और अल-मुतकबिर बताए हैं।

भारत-तालिबान वार्ता से पाकिस्तान परेशान, अफगान पर रणनीति की समीक्षा की मांग

▶ बुधवार को दुबई में मिले थे विक्रम मिसरी और आमिर खान मुताकी

▶ इस्लामाबाद में बंद कमरे में बैठक, भावी दृष्टिकोण पर गहन वार्ता

इस्लामाबाद, आइएएनएस: हाल ही में दुबई में भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी और तालिबान शासित अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुताकी की मुलाकात से पाकिस्तान के सियासी हलकों में खलबली तेज हो गई है। इतना ही नहीं, भारत-तालिबान वार्ता ने पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व की भी नींद उड़ा दी है। अब वहां अफगानिस्तान को लेकर पाकिस्तान की रणनीति की समीक्षा करने की मांग उठने लगी है।

बुधवार को विक्रम मिसरी और आमिर खान मुत्ताकी ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ 'क्षेत्रीय घटनाक्रम' से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक अफगानिस्तान पर हाल ही में किए गए पाकिस्तानी हवाई हमलों की भारत द्वारा कड़ी निंदा करने के दो दिन बाद हुई है।

अफगान पक्ष द्वारा भारत को 'महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और आर्थिक साझेदार' बताए जाने के बाद पाकिस्तान में अफगान रणनीति की गहन समीक्षा की मांग उठ गई है। कई शीर्ष विश्लेषकों ने सुझाव दिया है कि इस्लामाबाद को काबुल के प्रति अपने

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दुबई में बुधवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से भेंट की थी। फाइल/एएनआइ

आक्रामक रुख का तत्काल पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए।

सूत्रों ने बताया कि इस्लामाबाद में बंद कमरे में बैठकें हो रही हैं, जिसमें शीर्ष अधिकारी अपने बेहद अस्थिर पड़ोसी के प्रति देश के भावी दृष्टिकोण पर गहन विचार-विमर्श कर रहे हैं। ऐसे समय में जब पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर हालात बिगड़ते जा रहे हैं और दोनों देशों के बीच अविश्वास भी

लगातार बढ़ता जा रहा है, साथ ही तालिबान नेता सहयोग के लिए अन्य देशों विशेषकर भारत से संपर्क कर रहे हैं तो पाकिस्तान के लिए चुनौतियां बढ़ना स्वाभाविक है।

रणनीतिक विश्लेषक आमिर राणा ने कहा कि पाकिस्तान के लिए यह एक चेतावनी होनी चाहिए। भले ही भारतीय तालिबान के साथ सतर्कता से काम कर रहे हों, लेकिन चीजें वास्तव में आगे बढ़ रही हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब पाकिस्तान, अफगानिस्तान के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रहा है और हमारे द्विपक्षीय संबंधों में भारी गिरावट आई है।

डेनमार्क ने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप टीम को भेजा निजी संदेश

कोपेनहेगन, रायटर: डेनमार्क ने अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम को निजी संदेश भेजकर ग्रीनलैंड में सुरक्षा बढ़ाने या द्वीप पर दावा किए बिना वहां अमेरिकी सैन्य उपस्थिति बढ़ाने पर चर्चा करने की इच्छा व्यक्त की है। एक्सियोस ने दो स्रोतों के हवाले से शनिवार को यह खबर दी है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण को अनिवार्य आवश्यकता बताया है। उन्होंने डेनमार्क के खिलाफ टैरिफ सहित सैन्य या आर्थिक साधनों के संभावित उपयोग को खारिज नहीं किया।

एक्सियोस ने कहा कि डेनिश सरकार ट्रंप को यह विश्वास दिलाना चाहती थी कि ग्रीनलैंड पर दावा किए बिना उनकी सुरक्षा चिंताओं का समाधान किया जा सकता है। ट्रंप ट्रांजिशन टीम के एक प्रवक्ता ने एक्सियोस रिपोर्ट पर टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक बैठक के लिए कहा था, लेकिन उनके उद्घाटन से पहले ऐसा होने की उम्मीद नहीं थी।

ट्रंप की धमकी पर कनाडा की जवाबी टैरिफ कार्रवाई की तैयारी

जेएनएन नई, दिल्ली

▶ कनाडा उन वस्तुओं को कार्रवाई सूची में रख रहा है, जिससे अधिक नुकसान पहुंच सके

▶ ट्रंप ने कनाडा पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है

अमेरिकी निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ओटावा सीमा पार से ड्रग्स के प्रवाह को रोकने में असफल रहा तो कार्यालय में अपने पहले दिन से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे। इससे कनाडा में हड़कंप मचा हुआ है। इस बीच, सीएनएन की रिपोर्ट में सामने आया है कि कनाडा भी जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इसमें कहा गया है कि अगर ट्रंप कनाडाई वस्तुओं पर टैरिफ लगाने की योजना पर अमल करते हैं तो कनाडा अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ की विस्तृत सूची के साथ जवाबी कार्रवाई करेगा।

सूत्रों ने सीएनएन को बताया है कि कनाडाई अधिकारी दर्जनों अमेरिकी उत्पादों की एक सूची पर काम कर रहे हैं, जिन्हें अमेरिका कनाडा को निर्यात करता है। वह उन वस्तुओं को लक्षित कर रहा है, जो बड़े आर्थिक नुकसान के साथ ही राजनीति संदेश दे सकती है। सूची में सिरेमिक उत्पाद, स्टील उत्पाद, फर्नीचर, बार्बन और जैक डेनियल व्हिस्की जैसे कुछ मादक पेय और अन्य सामान शामिल हैं। कनाडा उन ऊर्जा उत्पादों पर कर लगा सकता है, जो वह अमेरिका को निर्यात करता है।

हालांकि, सूत्रों ने कहा कि अभी तक कुछ भी तय नहीं है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने शुक्रवार को ओटावा में कहा था कि मुझे लगता है कि हमें तैयार रहना होगा। जोली ने कहा, 'मुझे लगता है कि जब ट्रंप बात करते हैं, तो हमें उन्हें बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है।' ट्रंप और उन्हें सलाह देने वाले लोगों के लिए यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि अगर वह कनाडाई उत्पादों पर टैरिफ लगाते हैं तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आएंगे।

अमेरिकी संसद में भविष्य में और अधिक भारतवंशियों के चुने जाने की उम्मीद

वाशिंगटन, प्रेट्र: भारतवंशी अमेरिकी सांसदों ने अमेरिकी संसद में भविष्य में और अधिक भारतवंशियों के चुने जाने की उम्मीद जताई है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि वे भविष्य में कांग्रेस में और अधिक भारतवंशियों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। इस बार प्रतिनिधि सभा में भारतीय मूल के छह सांसद चुने गए हैं। इनमें अमी बेरा, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और सुहास सुब्रमण्यम शामिल हैं।

प्रतिनिधि सभा में सबसे वरिष्ठ भारतवंशी सांसद अमी बेरा ने कहा, जब मैंने पहली बार 2013 में पदभार संभाला था, तो मैं कांग्रेस का एकमात्र भारतवंशी सदस्य था और प्रतिनिधि सभा में चुना जाने वाले अब तक का तीसरा सदस्य था। वर्जीनिया से सुहास सुब्रमण्यम के चुनाव के साथ हमारा समूह रिकार्ड छह सदस्यों तक बढ़ गया है। मैं भविष्य में और भी अधिक भारतीय अमेरिकी कांग्रेस सदस्यों का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं! जयपाल ने कहा, मुझे प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली एकमात्र भारतवंशी महिला होने पर गर्व है।

असद के तख्तापलट के महीने भर बाद जश्न मना रहे सीरियाई

▶ मासरानी की 13 साल के निर्वासन के बाद सीरिया में हुई वापसी

▶ लास एंजिलिस में रहते हुए सीरिया के विद्रोह का जारी रखा समर्थन

▶ 2011 में उनके गीतों ने निभाई थी अहम भूमिका

सीरिया की राजधानी दमिश्क में प्रस्तुति देते प्रसिद्ध गायक वास्फी मासरानी। एपी

दमिश्क, एपी: सीरिया के राष्ट्रपति बशर-अल-असद के तख्तापलट के लगभग एक महीने बाद लोग यहां जश्न मना रहे हैं। दमिश्क में खचाखच भरे कान्सर्ट हाल में गायक वास्फी मासरानी ने सीरिया की जीत के जश्न में प्रस्तुति दी।

बुधवार को आयोजित संगीत कार्यक्रम में मासरानी की 13 साल के निर्वासन के बाद सीरिया में वापसी हुई। लास एंजिलिस में रहते हुए उन्होंने संगीत के माध्यम से सीरिया के विद्रोह का समर्थन जारी रखा। सीरियाई छात्रों द्वारा स्थापित मोलहम वालंटियरिंग टीम द्वारा आयोजित संगीत कार्यक्रम राष्ट्रपति बशर-अल-असद के तख्तापलट के करीब एक महीने बाद मनाया गया। मासरानी और अब्देलबासेट सरौत के क्रांतिकारी गीतों ने 2011 में शुरू हुए विद्रोह के दौरान सीरियाई लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

द. कोरियाई विमान के ब्लैक बाक्स में हादसे से चार मिनट पहले का डाटा नहीं

सियोल, रायटर: दक्षिण कोरिया में पिछले वर्ष दिसंबर में हुए विमान दुर्घटना की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। परिवहन मंत्री ने शनिवार को कहा कि ब्लैक बाक्स में दुर्घटना के पहले के चार मिनट का डाटा ही उपलब्ध नहीं है।

विस्फोट 29 दिसंबर 2024 को सुबह 9:03 बजे हुआ, जब जेजू एयर का विमान अपने लैंडिंग गियर को खुले बिना फिसलने के बाद मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक अवरोध से टकरा गया। जांच में पता चला है कि विमान के फ्लाइट डाटा रिकार्डर और काकपिट वाइस रिकार्डर में हादसे से चार मिनट पहले रिकार्डिंग बंद हो गई थी।

इस हादसे में 179 लोग मारे गए थे। अब इस बात का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आखिर क्या कारण था कि हादसे से पहले घटनाक्रमों की रिकार्डिंग बंद हो गई। हादसे के बाद दक्षिण कोरिया में वाइस रिकार्डर का विश्लेषण किया गया। जब पाया गया कि डाटा मौजूद नहीं है, तो इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा प्रयोगशाला की सहायता ली गई।

कनाडा में मेलानी ने पीएम की दौड़ से खुद को अलग किया

▶ विदेश मंत्री मेलानी जोली बोलीं, यह ट्रंप के आर्थिक दबाव से निपटने का वक्त

ओटावा, एएनआइ: कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने लिबरल पार्टी के नेतृत्व की दौड़ से खुद को अलग करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान की जरूरत अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आर्थिक दबाव और टैरिफ खतरों से निपटने पर ध्यान केंद्रित करने का है।

उनका बयान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सोमवार की घोषणा के बाद सामने आया है कि जैसे ही इस पद के लिए कोई नया उम्मीदवार मिलेगा वह लिबरल पार्टी के नेता और अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। यह भी कहा कि कनाडाई संसद को 24 मार्च तक स्थगित या निलंबित कर दिया जाएगा।

जोली ने कहा कि मैंने दोस्तों, सहकर्मियों और करीबी सलाहकारों से बात की। कई ने मुझे दौड़ में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया। जानती हूं कि मैं कनाडा की लिबरल पार्टी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनने के लिए तैयार हूं। मुझे यह भी मानना चाहिए कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय स्थिति,

कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली। फाइल/रायटर

विशेष रूप से अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति के टैरिफ और अन्य आर्थिक दबावों के अनुचित खतरे के लिए एक दृढ़ और तत्काल प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। विदेश मंत्री के रूप में मुझे अपने हर मिनट और सारी ऊर्जा कनाडाई लोगों के हितों की रक्षा के लिए समर्पित करनी चाहिए। मैं बिल्कुल यही कर रही हूं।

****

अलकराज-सिनर के बीच जोकोविक भी होंगे दावेदार

मेलबर्न पार्क में आज से शुरू होगा वर्ष का **पहला ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट** अपना खिताब बचाने उतरेंगे सिनर और सबालेंका

नोवाक जोकोविक ● रायटर

कार्लोस अलकराज ● एपी

10 सर्वाधिक पुरुष सिंगल्स खिताब नोवाक जोकोविक ने जीते हैं मेलबर्न पार्क पर

25 वें रिकार्ड खिताब से केवल एक ग्रैंडस्लैम दूर हैं सर्बियाई दिग्गज

मेरे लिए अच्छी बात यह है कि जब मैं सिनर को खिताब जीतते हुए देखता हूं तो यह मुझे हर दिन और भी कठिन अभ्यास करने के लिए मजबूर करता है। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत अच्छा है। सिनर के साथ इतनी शानदार प्रतिद्वंद्विता, बस मुझे हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रोत्साहित करती है। **- कार्लोस अलकराज**

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : मेलबर्न पार्क में रविवार को जब वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम आस्ट्रेलियन ओपन की शुरुआत होगी तो सभी की नजरें नोवाक जोकोविक पर होंगी, जो 11वीं बार इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीतने उतरेंगे। नए कोच एंडी मरे के साथ यहां पहुंचें जोकोविक खिताब के प्रबल दावेदार हों, लेकिन दर्शकों को दो युवा सितारों जानिक सिनर और कार्लोस अलकराज के बीच भी प्रतिद्वंद्विता देखने को मिलेगी।

रोजर फेडरर के बाद राफेल नडाल के टेनिस को अलविदा कहने के बाद अब जोकोविक बिग थ्री में अकेले बचे हैं और पिछले कुछ समय से फार्म से जूझ रहे हैं। हालांकि पेरिस ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद उन्होंने एक बार फिर से मेलबर्न में अपनी दावेदारी पेश कर दी है। वहीं पिछले वर्ष चारों ग्रैंडस्लैम जीतने वाले सिनर (आस्ट्रेलियन ओपन, यूएस ओपन) और अलकराज (फ्रेंच ओपन, विंबलडन) ने खुद को मौजूदा पीढ़ी के बाकी खिलाड़ियों से अलग कर लिया है और निश्चित रूप से मौजूदा समय में विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं।

सिनर ने पिछले वर्ष आठ खिताब के साथ जीत का रिकार्ड 73-6 का रिकार्ड रखा था, लेकिन डोपिंग मामले के बाद वह भी अपनी श्रेष्ठता साबित करने को बेताब होंगे। अलकराज पिछले वर्ष क्वार्टर फाइनल में ज्वेरेव से हारने के बाद बाहर हो गए थे, लेकिन उसके बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन के फाइनल में ज्वेरेव को हराया और फिर विंबलडन के फाइनल में जोकोविक को हराकर खिताब जीता था। बहरहाल, पिछले वर्ष जो हुआ, वो हुआ। अब नए साल में नई चुनौतियों के साथ ही ये तीनों सितारें कोर्ट पर उतरने को तैयार हैं।

महिलाओं में सबालेंका को मिलेगी कड़ी चुनौती: महिलाओं में गत चैंपियन और विश्व नंबर एक अरीना सबालेंका को इस बार इगा स्वियातेक, कोको गफ जैसी खिलाड़ियों से कड़ी चुनौती मिलेगी।सबालेंका मार्टिना हिंगिस (1997-99) के बाद लगातार तीन आस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने की प्रबल दावेदार हैं। वहीं स्वियातेक ने पिछले वर्ष फ्रेंच ओपन जीता था और बड़े टूर्नामेंट में वह अलग की रंग में दिखती हैं। वहीं कोको गफ भी शानदार लय में चल रही हैं और पहले दौर में ही उनका सामना पूर्व आस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन सोफिया केनिन से होगा, जो पहले दौर में एक धमाकेदार मुकाबला होगा। 2023 में यूएस ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाली गफ और सबालेंका से एक बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल मुकाबले में भिड़ सकती हैं। पांचवीं वरीयता प्राप्त चीन की झेंग किनवेन क्वालीफायर के विरुद्ध अपना पहला मैच खेलेंगी। पिछले वर्ष सबालेंका के बाद दूसरे स्थान पर रहीं झेंग ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने की चाहत में एक कदम और आगे जाने को उत्सुक होंगी।

सुमित नागल भिड़ेंगे मचाक से: रविवार को भारत के शीर्ष सिंगल्स खिलाड़ी सुमित नागल का सामना चेक गणराज्य के थामस मचाक से होगा। 27 वर्ष के नागल एटीपी रैंकिंग में 96वें स्थान पर हैं। शीर्ष 104 खिलाड़ियों में शामिल होने के कारण उन्हें मुख्य ड्रा में जगह मिली है। पिछले साल नागल 27वीं रैंकिंग वाले कजाखस्तान के अलेक्जेंडर को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे थे और वह 1989 के बाद ग्रैंडस्लैम में वरीय खिलाड़ी को हराने वाले पहले खिलाड़ी बने थे।

ड्रा सेरेमनी में ट्राफी के साथ गत चैंपियन सबालेंका और सिनर ● एपी

- 1905 से 1987 तक ग्रास कोर्ट (घसियाले कोर्ट) पर खेला जाता था टूर्नामेंट
- 1988 से हार्ड कोर्ट पर इसका आयोजन किया जा रहा है
- 11 सर्वाधिक खिताब आस्ट्रेलियन ओपन में मार्ग्रेट कोर्ट के नाम हैं
- 3 आस्ट्रेलियन ओपन लगातार जीतने वाली मार्टिना हिंगिस (1997-99) के बाद पहली महिला बनने उतरेंगी सबालेंका
- 10 सर्वाधिक पुरुष डबल्स खिताब आस्ट्रेलिया के एड्रियन कारी क्विस्ट के नाम हैं

खिलाड़ियों को मिलने वाली पुरस्कार राशि (रुपये में)

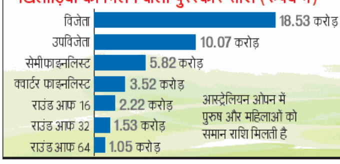

रोचक तथ्य

1905 में पहली बार जब आस्ट्रेलियन ओपन खेला गया था, इसका आयोजन मेलबर्न के वेयरहाउसमैन क्रिकेट ग्राउंड पर किया गया था। तब इसे आस्ट्रेलाएशियन चैंपियनशिप के नाम से जाना जाता था

1927 में इसका नाम आस्ट्रेलियन चैंपियनशिप किया गया और 1969 से इसे आस्ट्रेलियन ओपन के रूप में पहचान मिली

1972 में कूयांग लान टेनिस क्लब में आस्ट्रेलियन ओपन का आयोजन किया गया और 1988 से इसे फ्लिंडर्स पार्क (वर्तमान में मेलबर्न पार्क) स्थायी रूप से आयोजित किया जा रहा है

1905 से आस्ट्रेलियन ओपन का आयोजन पांच शहरों में किया जा चुका है। इनमें मेलबर्न (62 बार), सिडनी (17 बार), एडिलेड (आठ बार), पर्थ (तीन बार) शामिल है। दो बार न्यूजीलैंड में भी किया जा चुका है।

स्रोत : ausopen.com

कोको गफ

झगा स्वियातेक ● रायटर

एक नजर में

देव बने पेशेवर मुक्केबाज

नई दिल्ली : विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज निशांत देव अपने एमेच्योर करियर को अलविदा कहकर पेशेवर बन गए हैं। पिछले साल पेरिस ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले निशांत ने एडी हर्न और मैचरूम बाक्सिंग के साथ अनुबंध किया है। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी 25 जनवरी को लास वेगास में द कास्मोपालिटन में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करेगा। (प्रेट्र)

डरबन की रोमांचक जीत

डरबन : डरबन सुपर जायंट्स ने विल जैक्स (64) और रहमानुल्लाह गुरबाज (89) की तूफानी पारियों के बावजूद एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में प्रिटोरिया कैपिटल्स पर दो रन से रोमांचक जीत दर्ज की। डरबन की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 209 रन बनाए। इसके जवाब में जैक्स और गुरबाज़ ने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़कर प्रिटोरिया को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बावजूद उसकी टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 207 रन ही बना पाई। (प्रेट्र)

सीरीज पर भारत की नजरें

राजकोट : युवा खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से पहले मैच में आसान जीत दर्ज करने वाली भारतीय महिला टीम आयरलैंड के विरुद्ध रविवार को दूसरे वनडे में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी। कम अनुभवी टीम उतारने के बावजूद भारत ने पहले वनडे में छह विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे मैच में जीत के साथही भारतीय महिला टीम सीरीज को अपने नाम कर लेगी। (प्रेट्र)

विराट और रोहित के खराब प्रदर्शन पर हुई चर्चा

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

- कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गंभीर, मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर से पूछे गए सवाल
- फिजियो की रिपोर्ट, मुख्य कोच और चयनकर्ता की अनुमति के बाद ही घरेलू क्रिकेट खेलने से छूट

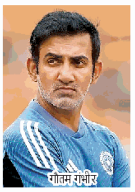

गौतम गंभीर

रोहित शर्मा

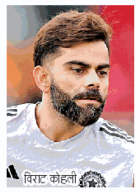

विराट कोहली

अजीत अगरकर

नई दिल्ली : श्रीलंका से वनडे सीरीज में हार, न्यूजीलैंड से घर में पहली बार टेस्ट सीरीज में 0-3 से क्लीन स्वीप और 10 साल बाद बार्डर-गावस्कर ट्राफी में 1-3 से हार के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल की दौड़ से बाहर होने के बाद शनिवार को मुंबई में भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में बीसीसीआइ पदाधिकारियों ने कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर से सवाल पूछे गए।

इस समीक्षा बैठक में भारतीय टीम की हार के साथ कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली के खराब प्रदर्शन पर भी चर्चा हुई। इसके साथ ही फिटनेस को लेकर और भी गंभीरता बरतने की बात हुई। बीसीसीआइ पहले ही कही चुका है कि सभी वरिष्ठ खिलाड़ियों को उपलब्धता के आधार पर घरेलू क्रिकेट में अपनी प्रदेश की टीम में भाग लेना होगा। इस बैठक में तय हुआ कि अगर राष्ट्रीय स्तर का कोई खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट तभी नहीं खेलेगा जब फिजियो की रिपोर्ट के साथ भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर की उसे अनुमति होगी। अगर ये लोग कहते हैं कि वर्कलोड के कारण उस खिलाड़ी को नहीं खेलना है तभी उसे छूट मिलेगी। सूत्र से जब पूछा गया कि क्या रोहित और विराट के भी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने को लेकर चर्चा हुई तो जवाब हां में आया।

मुंबई के पांच सितारा होटल में बीसीसीआइ अध्यक्ष रोजर बिन्नी, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, सोमवार को संयुक्त सचिव से सचिव बन रहे देवजीत सैकिया, गंभीर, रोहित और अगरकर मौजूद थे। जब से गंभीर को मुख्य कोच बनाया गया है, तब से भारतीय टीम वनडे और टेस्ट प्रारूप में टीम संघर्ष कर रही है। बांग्लादेश के विरुद्ध 2-0 की घरेलू टेस्ट सीरीज में जीत के बाद लग रहा था कि भारतीय टीम लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बना लेगी, लेकिन उसके बाद घर पर न्यूजीलैंड से 0-3 से अपमानजनक हार हुई, जो 12 वर्ष में घर पर टेस्ट सीरीज में पहली हार थी। इसके बाद आस्ट्रेलिया में पर्थ टेस्ट को छोड़कर बाकी सब जगह परेशानी का सामना करना पड़ा। ब्रिसबेन में वर्षा ने बचा दिया, नहीं तो इस सीरीज में भारतीय टीम 1-4 से हारती। आस्ट्रेलिया से सीरीज हारने के बाद भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर और पूर्व आलराउंडर इरफान पठान ने भारतीय टीम पर बहुत सवाल उठाए थे। बीसीसीआइ के पदाधिकारियों ने गावस्कर की टिप्पणियों को बहुत सीरियस लिया है।

जय के सम्मान में डिनर: बीसीसीआइ सचिव से आइसीसी चेयरमैन बने जय शाह के सम्मान में शनिवार को मुंबई में डिनर दिया गया। इसमें बीसीसीआइ पदाधिकारियों के अलावा सभी राज्य संघ के पदाधिकारी शामिल हुए। रविवार को बीसीसीआइ की विशेष आम बैठक (एसजीएम) होगी जिसमें देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को निर्विरोध सचिव और कोषाध्यक्ष चुना जाएगा। सैकिया एक दिसंबर को जय शाह के आइसीसी के चेयरमैन के रूप में पदभार संभालने के बाद से बीसीसीआइ के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। यह पद आशीष शेलार के महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने के बाद खाली हुआ है।

इंग्लैंड के विरुद्ध टी-20 टीम में शमी की वापसी, पंत पर जुरैल को प्राथमिकता

नई दिल्ली : इंग्लैंड के विरुद्ध 22 जनवरी से शुरू हो रही टी-20 सीरीज के लिए मोहम्मद शमी की भारतीय टीम में वापसी हो गई है। बीसीसीआइ ने शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा की, जिसमें दूसरे विकेटकीपर के रूप में रिषभ पंत पर ध्रुव जुरैल को प्राथमिकता दी गई। इंग्लैंड से पांच मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मैच कोलकाता में खेला जाएगा। इसके साथ ही आलराउंडर अक्षर पटेल को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। शमी ने भारत की ओर से अपना अंतिम मैच 2023 में वनडे विश्व कप का फाइनल खेला था और तब से टखने की चोट के कारण टीम से बाहर थे। 34 वर्षीय तेज गेंदबाज ने रणजी ट्राफी से क्रिकेट में वापसी की थी और इसके बाद वह सैयद मुश्ताक अली ट्राफी और विजय हजारे ट्राफी में भी खेले थे। हालांकि घुटने में सूजन के कारण वह आस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जा पाए थे। चयनकर्ताओं ने दूसरे विकेटकीपर के रूप में ध्रुव जुरैल को टीम में चुना है। जुरैल को जितेश शर्मा की जगह टीम में शामिल किया गया है। हालांकि टी-20 विश्व कप विजेता टीम में शामिल पंत को फिलहाल टीम में जगह नहीं दी गई है। आस्ट्रेलिया दौरे की खोज रहे नीतीश रेड्डी को भी शिवम दुबे की जगह टीम में जगह दी गई है। स्पिनर कुलदीप को जगह नहीं दी गई है। कुलदीप फिलहाल एनसीए में और 25-26 जनवरी तक उनकी रिपोर्ट आ सकती है। उसके बाद उनके वनडे में खेलने को लेकर निर्णय होगा। रिहैब से गुजर रहे हैं। वहीं चोट के चलते जसप्रीत बुमराह को फिलहाल आराम दिया गया है।

मोहम्मद शमी

भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरैल।

टी-20 सीरीज का कार्यक्रम

पहला मैच	22 जनवरी	कोलकाता
दूसरा मैच	25 जनवरी	चेन्नई
तीसरा मैच	28 जनवरी	राजकोट
चौथा मैच	31 जनवरी	पुणे
पांचवां मैच	दो फरवरी	मुंबई

सात्विक-चिराग की हार से भारतीय चुनौती भी समाप्त

खेल डायरी

कुआलालंपुर, प्रेट्र : भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में कोरिया के किम वोन हो और सियो सियुंग जाए से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गए। सातवीं वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग को सेमीफाइनल में 10-21, 15-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का भी अंत हो गया।

हार के बाद सात्विक ने कहा कि विरोधी जोड़ी ने बहुत अच्छा खेला और हम रणनीति पर बेहतर ढंग से अमल कर सकते थे। हमने कुछ खराब स्ट्रोक्स खेले लेकिन उनका प्रदर्शन शानदार रहा। खेल की रफ्तार आज काफी धीमी थी लेकिन यह होता है। हमारे लिए यह अच्छा सबक रहा। यह निराशाजनक है लेकिन हमें अभी लंबा सफर तय करना है। एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय जोड़ी पहले गेम में ही 6-11 से पिछड़ गई थी। तमाम प्रयासों के बावजूद वे वापसी नहीं कर पाए और कोरियाई जोड़ी ने 19 मिनट में पहला गेम जीत लिया।

ब्रेक के बाद सात्विक और चिराग ने बेहतर प्रदर्शन करके एक समय स्कोर 11-8 कर लिया । इसके बाद वह लय कायम नहीं रख सके और मैच गंवा दिया। चोट के कारण पेरिस ओलिंपिक बाद ज्यादा नहीं खेल सके सात्विक ने कहा कि मानसिक पहलू पर और काम किया होता तो वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। हम काफी मेहनत कर रहे थे लेकिन उन्होंने आसानी से अंक बनाए और दबाव हटाते गए। मुझे लगता है कि हमें मानसिक तौर पर और मेहनत करनी चाहिए थी। अब सात्विक-चिराग 14 जनवरी से इंडिया ओपन खेलेंगे। पहले दौर में उनका सामना मलेशिया के वेइ चोंग मैन और केइ वुन टी से होगा।

सात्विक और चिराग ● बाई

जामवाल, शिव थापा और सुमित क्वार्टर फाइनल में

बरेली : हिमाचल प्रदेश के अभिनाश जामवाल ने पूर्व विश्व युवा चैंपियन वंशज कुमार को हराकर बड़ा उलटफेर किया जबकि शिव थापा और सचिन सिवाच ने अपना दबदबा कायम रखते हुए शनिवार को राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। जामवाल ने 63.5 किग्रा वर्ग में 2022 के विश्व युवा चैंपियन सेना के वंशज को 5-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह सुरक्षित की। थापा ने 60-65 किग्रा वर्ग में हिमांशु सांगवान को आसानी से 5-0 से पराजित किया। सचिन सिवाच ने मणिपुर के किंग्सन पुखरामबम को इसी अंतर से हराया।

वाइड पर गेंदबाजों को छूट देने पर विचार

क्रिकेट डायरी

जोहानिसबर्ग, प्रेट्र : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान शान पोलाक ने कहा कि आइसीसी क्रिकेट समिति गेंदबाजों को वाइड पर थोड़ी अधिक छूट देने की दिशा में काम कर रही है क्योंकि मौजूदा नियम उन पर बहुत सख्त है, विशेषकर तब जबकि बल्लेबाज अंतिम क्षणों में मूवमेंट करते हैं।

पोलाक ने कहा, मैं आइसीसी क्रिकेट समिति का हिस्सा हूं और हम वाइड गेंद पर गेंदबाजों के लिए कुछ और छूट लाने पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि इसको लेकर नियम गेंदबाजों के प्रति बहुत सख्त हैं। अगर कोई बल्लेबाज आखिरी मिनट में उछलता है, तो यह वास्तव में गेंदबाजों के लिए आदर्श स्थिति नहीं होती है। मुझे लगता है कि एक गेंदबाज को अपने रनअप की शुरुआत में यह जानना जरूरी है कि वह कहां गेंदबाजी कर सकता है। मैं चाहता हूं कि एक गेंदबाज को रनअप के समय पता होना चाहिए कि उसे कब, क्यों या कैसी गेंद करनी है। एक गेंदबाज से यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि वह गेंदबाजी करते समय अंतिम सेकेंड में अपनी रणनीति बदल देगा। उसे पहले ही स्पष्ट रूप से पता होना चाहिए कि उसे कहां गेंदबाजी करनी है। यह मुख्य पहलू है जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं।

महाराष्ट्र और कर्नाटक सेमीफाइनल में पहुंचे

वडोदरा, प्रेट्र : चार बार की चैंपियन कर्नाटक ने रोमांचक मुकाबले में बड़ौदा को पांच रन से हराया जबकि महाराष्ट्र ने शनिवार को पंजाब को 70 रन से हराकर विजय हजारे ट्राफी के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। युवा अर्शिन कुलकर्णी (107) ने लिस्ट ए क्रिकेट में पहला शतक जमाया, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज नितिन नाईक के आक्रामक शतक से महाराष्ट्र ने पंजाब पर शानदार जीत दर्ज की। कुलकर्णी ने 137 गेंद में 107 रन बनाए और अंकित बावने (60 रन) के साथ शतकीय साझेदारी की और टीम ने छह विकेट पर 275 रन तक पहुंचाया। जवाब में पंजाब की टीम टीम 44.4 ओवर में 205 रन पर आउट हो गई। दूसरे मुकाबले में देवदत्त पडिक्कल (102) के शतक जमाया और प्रसिद्ध कृष्णा (दो विकेट) के डेथ ओवरों में शानदार स्पैल की मदद से कर्नाटक ने बड़ौदा पर रोमांचक जीत दर्ज की।

श्रीलंका ने अंतिम वनडे में न्यूजीलैंड को 140 रन से हराया: असिथ फर्नांडो और महीष तीक्षणा के छह विकेट की मदद से श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को 29.4 ओवर में 150 रन पर आउट करके तीसरे वनडे में 140 रन से जीत दर्ज की। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 291 रन का स्कोर खड़ा किया था।

राष्ट्रीय खेलों में पांच स्पर्धाओं के आयोजन स्थल तय नहीं

चयन राजपूत ● जागरण

नैनीताल में कलारियापट्टू, ऋषिकेश में बीच हैंडबाल, वालीबाल, कबड्डी व अल्मोड़ा में योगासन के लिए स्थल तय नहीं

हल्द्वानी : उत्तराखंड में 28 जनवरी से होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए एक पखवाड़ा शेष रह गया हैं, लेकिन अब तक पांच खेलों के आयोजन स्थल तय नहीं हो सके हैं। भारतीय ओलिंपिक संघ (आइओए) की ओर से जारी कार्यक्रम में चार खेलों के आयोजन स्थलों के आगे तय किया जाएगा (टू बी डिसाइडेड) लिखा गया है। वहीं केरल के पारंपरिक खेल कलारियापट्टू का डेमो खेल नैनीताल में दर्ज किया गया है, लेकिन इसे भी हरिद्वार में कराए जाने की बात कही जा रही है।

हल्द्वानी में 26 जनवरी से ट्रायथलान स्पर्धा शुरू हो जाएगी। कार्यक्रम में 27 जनवरी से शिवपुरी ऋषिकेश में बीच हैंडबाल, तीन फरवरी से बीच वालीबाल और नौ फरवरी से बीच कबड्डी का आयोजन भी होना है, लेकिन आयोजन स्थल अब तक तय नहीं हुए हैं। नैनीताल में कलारियापट्टू का डेमो का आयोजन 10 फरवरी से शुरू होने की बात कही जा रही है। खेल विभाग के अनुसार इस खेल को हरिद्वार में कराया जा सकता है। वहीं अल्मोड़ा जिले में 31 जनवरी को योगासन स्पर्धा शुरू होने की बात कही जा रही है। उत्तरांचल ओलिंपिक समिति के अध्यक्ष महेश नेगी ने कहा, जिन खेलों के आयोजन स्थल तय नहीं किए गए हैं। उनमें जल्द निर्णय लिया जा रहा है। तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए अभी समय है।

विवादास्पद गोल से एस्टन विला जीता

फुटबाल डायरी

लंदन, एपी : वेस्ट हैम के साथ नए कोच ग्राहम पाटर के युग की शुरुआत हार के साथ हुई। एस्टन विला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उसे 2-1 से हराकर एफए कप से बाहर का रास्ता दिखा दिया। एस्टन विला ने शुरू में पिछड़ने के बाद वापसी करके विवादास्पद गोल के दम पर प्रतिद्वंद्वी क्लब वेस्ट हैम को पराजित किया।

तीसरे दौर का यह मैच मार्गन रोजर्स के विजयी गोल के लिए रेफरी के खराब निर्णय के लिए याद किया जाएगा। लुकास पाक्वेटा ने नौवें मिनट में गोल करते वेस्ट हैम को बढ़त दिला दी थी, लेकिन अमादौ ओनाना ने खेल समाप्त होने में 19 मिनट शेष रहते हुए विला को बराबरी दिला दी।

इसके कुछ देर बाद हालांकि रेफरी ने विला को 75वें मिनट में कार्नर दे दिया क्योंकि ओनाना का शाट बाहर चला गया और इसी निर्णय के आधार पर रोजर्स ने विजयी गोल दागा। वीडियो रीप्ले में स्पष्ट रूप से दिखाया गया कि ओनाना का शाट वेस्ट हैम के खिलाड़ी को नहीं लगा था और इसे कार्नर की बजाय गोलकिक होना चाहिए था। बहरहाल, कोच बदलने के बावजूद वेस्ट हैम के लिए कुछ भी नहीं बदला।

वेस्ट हैम ने जूलेन लोपेटगुई के स्थान पर चेल्सी, स्वांसी के पूर्व कोच रहे पाटर को कोच बनाया था। इस हार के साथ ही वेस्ट हैम का 1957 के बाद से चौथे दौर में पहुंचने का सपना टूट गया। एक अन्य मैच में वायकोंब ने पहले हाफ में दो गोल करके पोर्ट्समाउथ को 2-0 से पराजित किया। विजेता टीम की तरफ से ब्रैंडन हैनलान ने 17वें और सोनी ब्रैडली ने 27वें मिनट में गोल किए।

वेस्ट हैम के विरुद्ध गोल करने के बाद खुश विला के खिलाड़ी ● रायटर

लीवरकुसेन ने जीत से की 2025 की शुरुआत: बायर लीवरकुसेन ने बारुसिया डार्टमंड को 3-2 से हराकर 2025 की जोरदार शुरुआत करते हुए बुंदेसलीगा खिताब जीतने की उम्मीदों को और मजबूत किया। बुंदेसलीगा के पहले मुकाबले के 25वें सेकेंड में ही नाथन टेला ने गोल दागा और लीवरकुसेन ने अपने तीनों शाट नेट में डाले। वहीं छह बीमार खिलाड़ियों के साथ उतरी डार्टमंड का ज्यादा ध्यान डिफेंस पर ही रहा। इस जीत के साथ ही लीवरकुसेन ने अंक तालिका में बायर्न म्यूनिख पर एक अंक की बढ़त बना ली है।

****

भारत में बेरोजगारी दर (30 साल से ऊपर) महज एक प्रतिशत है। यदि 15 साल से ऊपर के युवाओं को भी शामिल कर लिया जाए तो यह चार प्रतिशत होगा। यह स्थिति कोई आज की नहीं है, बल्कि 1983 से अब तक एक प्रतिशत बनी हुई है।

टैक्स और विदेशी निवेश की नीति में तत्काल सुधार की जरूरत

सप्ताह का साक्षात्कार

अगले महीने की पहली तारीख को देश का आम बजट पेश किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस बार का बजट बीते कई सालों की तुलना में अलग होगा, क्योंकि टैक्स देने वाले आम मध्यवर्गीय परिवारों में बढ़ रही 'बेचैनी' सतह पर आ चुकी है। आर्थिक मामलों पर मंथन करने वाले बड़े-बड़े मंचों से लेकर इंटरनेट मीडिया पर इसकी चर्चा होने लगी है कि 1.40 अरब की आबादी वाले देश में बमुश्किल से सात से आठ करोड़ लोग ही आयकर चुकाते हैं। उनके दिए हुए टैक्स से ही सरकारें अपने-अपने 'वादों' को पूरा करती हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि इसके बदले उन्हें वह सब नहीं मिल रहा है, जिसके वह हकदार हैं। यही नहीं, साल दर साल टैक्स का बोझ बढ़ता ही जाता है। देश के जाने-माने अर्थशास्त्री व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) भारत के कार्यकारी निदेशक रह चुके **डा. सुरजीत भल्ला** ने हाल ही में एक शोध-पत्र तैयार किया, जिसमें उन्होंने यह दावा किया कि बीते दस सालों में भारत के मध्यम वर्ग पर टैक्स का बोझ बहुत बढ़ा है। यह दुनिया के मुख्य विकासशील देशों की तुलना में ज्यादा है। उनका कहना है भारत में टैक्स और विदेशी निवेश नीति में तत्काल सुधार की जरूरत है और यदि भारत को आर्थिक विकास दर को बढ़ाना है तो इसी बजट में इसका प्रविधान करना होगा। डा. भल्ला मोदी सरकार की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य और भारत सरकार के पंद्रहवें वित्त आयोग के आर्थिक सलाहकार भी रहे हैं। दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स में पढ़ाने के साथ ही वह नई दिल्ली में पालिसी ग्रुप और नेशनल काउंसिल आफ एप्लाइड इकोनामिक रिसर्च (एनसीएईआर) जैसे थिंक टैंक संस्थाओं में अहम भूमिकाएं निभाते रहे हैं। उन्होंने कई पुस्तकें लिखी हैं। 1500 से ज्यादा लेख प्रकाशित हो चुके हैं। आर्थिक सुधार के लिए इस बजट में क्या-क्या कदम उठाए जाने चाहिए, इस पर **दैनिक जागरण** की समाचार संपादक **रुमनी घोष** ने उनसे विस्तार से चर्चा की:

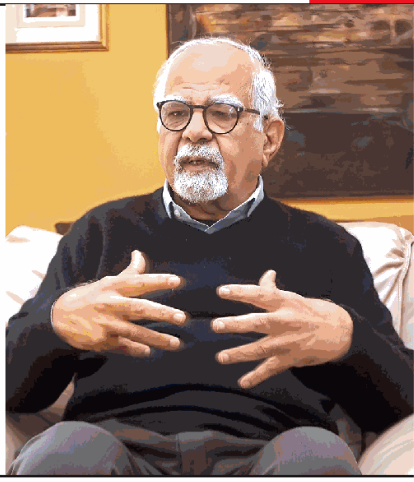

● वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब अपना आठवां बजट पेश करने जा रही हैं तो आर्थिक विकास दर चार साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। बजट-2025 पर कितना प्रभाव दिखेगा?

–मुझे लगता है कि बातचीत को बजट पर फोकस करने से पहले भारत की अर्थव्यवस्था पर फोकस करते हैं। इससे यह समझने में आसानी होगी कि बजट में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। बीते दो साल में हमारी इकोनामी ग्रोथ रेट आठ से सवा पांच प्रतिशत आ गया है। सबसे बड़ी परेशानी तो यह है कि आप बजट में क्या करोगे कि जिससे आपकी ग्रोथ रेट रिकवर हो जाए। इसके लिए दो मुख्य पालिसी हैं, जिसमें सरकार को इसी बजट में बदलाव करना चाहिए।

● कौन-सी दो नीतियों में बदलाव की जरूरत है?

–टैक्स और विदेशी निवेश। इसमें भी टैक्स पालिसी सबसे ज्यादा अहम है, जो आम आदमी से जुड़ा हुआ है। भारत में मध्यमवर्गीय परिवार जो टैक्स चुकाते हैं, वह बहुत ज्यादा है। हम जिन देशों वियतनाम, बांग्लादेश और चीन से अपने विकास की तुलना करते हैं, तो उन ईस्ट एशियन देशों की अर्थव्यवस्था को देखें, तो वहां टैक्स रेट तुलनात्मक रूप से हमसे बहुत कम है। भारत का वर्ष 2022-23 में 'टैक्स टू जीडीपी रेशियो' औसतन 19 प्रतिशत है। वियतनाम में 14 प्रतिशत है। वहीं चीन में 15 प्रतिशत है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने इस पर काफी डाटा एकत्रित किया है।

● टैक्स रेट को विस्तार से समझाइए? आइएमएफ का डाटा क्या कहता है?

–टैक्स रेट किसी देश का कुल टैक्स कलेक्शन और जीडीपी का अनुपात (टैक्स कलेक्शन टु जीडीपी रेशियो) है। इससे यह पता चलता है कि किसी देश में कर का भार कितना है। इसमें मुख्य रूप से तीन टैक्स आते हैं इनकम टैक्स (आयकर, कारपोरेट टैक्स, वैल्यूएडेट टैक्स (जीएसटी)। इसके अलावा फ्यूल टैक्स सहित अन्य अप्रत्यक्ष कर शामिल हैं। भारत में तो राज्यों द्वारा भी टैक्स लिए जाते हैं। आइएमएफ ने 190 देशों का वर्ष 1990 से 2021 के बीच टैक्स रेट का डाटा प्रकाशित किया। मैंने डाटा का विश्लेषण किया, तो पता चलता है कि भारत का टैक्स रेट सबसे ज्यादा है।

● तो टैक्स रेट कम करने के लिए क्या करना चाहिए?

–भारत को सोचना चाहिए कि आखिर दुनिया के 190 देश (जिनमें 130 से ज्यादा विकासशील देश शामिल हैं) ने अपना टैक्स रेट कैसे कम रखा है। लोग वहां के टैक्स का आकलन करते वक्त यह गलती करते हैं कि वहां सोशल सिक्यूरिटी टैक्स को जोड़कर बताते हैं। सोशल सिक्यूरिटी टैक्स, इंश्योरेंस की तरह है। आइएमएफ का डाटा बताता है कि अमेरिका और कोरिया जैसे उन्नत देशों में टैक्स/जीडीपी अनुपात 19-20% है। भारत में प्रति व्यक्ति आय दसवें हिस्से से भी कम है जबकि कर संग्रह उतना ही है। अब इस बात पर आते हैं कि सरकार को क्या करना चाहिए? तो सरकार को इस बजट में भी टैक्स में कटौती करना चाहिए। वह भी छोटे-मोटे स्तर पर नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर टैक्स में कटौती करना चाहिए। जैसा वर्ष 2019 में कार्पोरेट टैक्स घटाकर कदम उठाया गया था।

● विदेशी निवेश में क्या बदलाव हो?

–आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के लिए एक तरीका है विदेशी निवेश। वर्ष 2014-15 से पहले विदेशी निवेश करने वाली कंपनियों के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौता 'बाइलैटरल इनवेस्टमेंट ट्रीटी' होता था। इसमें निवेश करने वाली दोनों देशों (भारत और निवेशकर्ता) के बीच अनुबंध होता था कि दोनों की सहमति के बगैर कोई बदलाव नहीं होगा। उदाहरण के लिए भारत ने टैक्स बढ़ा दिया तो निवेश करने वाली कंपनी इस पर आपत्ति ले सकती है। यही नहीं, यदि कोई विवाद हो जाता था, तो तीसरे देश के कोर्ट में फैसला होता था। वर्ष 2015 के बाद सरकार ने इस ट्रीटी को खत्म कर दिया गया। अब बमुश्किल 20-30 प्रतिशत कंपनियां ही शेष रह गईं। हालत यह है कि निवेश वर्ष 1986 के स्तर (जीडीपी का 0.8 प्रतिशत) के करीब है, जबकि 2015 में यह 2.5 प्रतिशत था।

● एक बड़ा वर्ग है जो आपके इस तर्क से सहमत नहीं है कि भारत का टैक्स रेट दुनिया में सबसे ज्यादा है? इसमें कई अर्थशास्त्री और ब्यूरोक्रेट्स भी शामिल हैं? उनकी दलील है कि टैक्स कम करने से आय का स्रोत घट जाएगा। उपाय क्या है?

–(नाराजगी के साथ) हमारे देश में कोई भी डाटा को न तो देखता है और न ही उसे समझने की कोशिश करता है। पक्ष-विपक्ष, राइट-लेफ्ट या फिर नीति बनाने वाले ब्यूरोक्रेट्स व बाबू सभी अपने-अपने डाटा बताते हैं और अपनी विचारधारा के हिसाब से बेमतलब बहस करते रहते हैं। जब मैं उनसे पूछता हूं कि मुझे गलत साबित करके दिखाओ, लेकिन कोई कुछ साबित नहीं कर पाता है। जहां तक राजस्व घटने की दलील है, तो यह बिलकुल गलत है। सरकार को खर्चा कम करना चाहिए। पीएम नरेन्द्र मोदी खुद भी बार-बार मुफ्त की रेवड़ियों को कम करने की बात कह रहे हैं।

● आप तो मोदी सरकार की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे। वाणिज्य मंत्रालय में व्यापार पर उच्च स्तरीय सलाहकार समूह के अध्यक्ष और भारत सरकार के पंद्रहवें वित्त आयोग के आर्थिक सलाहकार भी रहे हैं। क्या आपने इन मामलों में कोई सुझाव नहीं दिया?

– मेरा मानना है कि एक खास तरह के माइंड सेट और विचारधारा के साथ राजनीति तो की जा सकती है, लेकिन आर्थिक विकास के लिए विशेषज्ञों की मदद से पालिसी बनाने की जरूरत है। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह हो या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, दोनों ने ही पद संभालने के बाद खास क्षेत्रों में विषय-विशेषज्ञों को प्रवेश दिए जाने (लैटरल एंट्री) की बात कही थी, लेकिन दोनों ही इसे लागू नहीं करवा पाए।

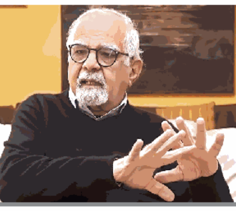

● भारत में ब्याज दर बहुत ज्यादा है? निजी निवेश या कारपोरेट सेक्टर में निवेश में कमी चिंता का विषय है। बढ़ती महंगाई पर भी रोक नहीं लग पा रही है? निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

–विदेशी निवेश में गिरावट के बारे में मैं पहले ही स्पष्ट कर चुका हूं। निश्चित रूप से चिंता का विषय है। इसके लिए हमारे उद्योगपति और सरकारें जिम्मेदार हैं। इसे इस तरह से समझिए कि हमारे देश के उद्योगपति विदेशी निवेश आने नहीं देना चाहते हैं, क्योंकि ऐसा होने पर उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों से स्पर्धा करनी पड़ेगी, इसलिए हर बजट से पहले वह सरकार के सामने रोने लगते हैं कि विदेशी निवेश बढ़ा तो हम डूब जाएंगे। और हर सरकार राजनीतिक एजेंडे के तहत उन्हें प्रश्रय देती है। बाजार में घरेलू उद्योगपतियों के कब्जे या मोनोपाली से मंहगाई बढ़ती है। एक ही विकल्प है, बाजार खोलिए। डर की कोई बात नहीं है। आखिर साफ्टवेयर सेक्टर में भारत ने खुद को साबित किया है न, तो बाकी सेक्टर्स में क्यों नहीं हो सकता। यह सरकार, उद्योगपतियों और ब्यूरोक्रेट्स के बीच 'अनहोली अलायंस' है।

● यदि स्थिति अभी नहीं संभाली तो कितनी गंभीर हो सकती है?

–दिक्कत यह है कि भारत अपनी क्षमता के अनुरूप विकास नहीं कर रहा है। हमने यह करके दिखाया कि हमारी जीडीपी ग्रोथ आठ प्रतिशत तक जा सकती है। अब ग्रोथ रेट नीचे गिर रहा है। स्थिरता आ गई है। सरकार कुछ नहीं करेगी तो भी यह 5.5 से 6 प्रतिशत तक बनी रहेगी। जबकि यह 7.5 से 8.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

● बेरोजगारी भी बड़ा मुद्दा है? उप्र व बिहार में हुए आंदोलन उदाहरण है? इस बजट में सरकार को क्या प्रविधान करना चाहिए?

–मैं फिर कहूंगा कि कोई भी डाटा नहीं देख रहा है। सारे राजनीतिक दल बेरोजगारी दर के अलग-अलग आंकड़े बताकर भ्रम पैदा कर रहे हैं। भारत में बेरोजगारी दर (30 साल से ऊपर) महज एक प्रतिशत है। यदि 15 साल से ऊपर के युवाओं को भी शामिल कर लिया जाए तो यह चार प्रतिशत होगा। यह स्थिति कोई आज की नहीं है, बल्कि 1983 से अब तक एक प्रतिशत बनी हुई है। दरअसल बेरोजगारी दर ज्यादा नहीं है, बल्कि स्नातक युवाओं में बेरोजगारी दर ज्यादा (लगभग 10 प्रतिशत) है। यह युवा ज्यादा वेतन और कम जवाबदेही के लिए सरकारी नौकरी के पीछे भाग रहे हैं।

● बेरोजगारी दर हो या स्नातक बेरोजगारी दर से क्या अंतर है? औसत भारतीय युवाओं की आय तो 24000 रुपये महीना पर ठहरी हुई है। सुधार के लिए क्या होना चाहिए?

–इसे समझने के लिए मैं दो-तीन डाटा पाइंट्स देता हूं। मैंने 2017 में एक पुस्तक लिखी थी 'न्यू वेल्थ आफ नेशंस'। इसमें मैंने दुनियाभर के स्नातक युवाओं के डाटा का विश्लेषण किया। 1993 में जाएं तो पश्चिमी देशों में स्नातक करने वाले बच्चों की संख्या 5.5 करोड़ थी। अब 2023 की बात करें तो पश्चिमी देशों में यह आंकड़ा 5.5 करोड़ से 6.5 करोड़ है, जबकि भारत सहित बाकी देशों में यह आंकड़ा 30 करोड़ तक पहुंच गया। अब एक ओर डाटा पर नजर डालिए। अमेरिका में एक नौकरी के लिए 600 युवा, ब्राजील में पीएचडी के तीन पदों के लिए 300-400 युवा दावेदारी करते हैं। वहीं भारत में यह हजारों की संख्या में है। अब आते हैं भारतीय युवाओं की औसत आय पर तो, बीते 10 सालों में इसमें कोई खास बढ़ोत्तरी नहीं हुई है। अब अर्थशास्त्र के पहले नियम को लागू कीजिए। यदि बाजार में सप्लाई ज्यादा है तो भाव गिरेगा। यानी एक पद के लिए ज्यादा से ज्यादा स्नातक ग्रेजुएट बाजार में उपलब्ध हैं, इसलिए उनके वेतन में बढ़ोतरी की संभावना घटती जा रही है। यही वजह है कि आय में स्थिरता बनी हुई है। युवाओं को अपनी आय बढ़ाने में बहुत मुश्किल हो रही है।

● तो क्या विकल्प है?

–विदेशी निवेश...बाजार खोलिए। साफ्टवेयर सेक्टर की तरह अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर वेतन व रोजगार के अवसर होंगे तो भारत के युवा सरकारी नौकरी के लिए मारामारी नहीं करेंगे।

● बीमा पर से जीएसटी हटाने की बहुत मांग उठी। यहां तक कि भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने भी वित्त मंत्री को पत्र लिखकर यह मुद्दा उठाया था। क्या सरकार इस पर कुछ बदलाव कर सकती है? या उनको बदलाव करना चाहिए?

–यह सही है कि जीएसटी का युक्तिकरण (रैशनलाइजेशन) नहीं किया गया, जिसकी वजह से कई तरह की अनियमितताएं नजर आती हैं। सरकार को गौर करना चाहिए।

● दो टैक्स प्रणाली (नई और पुरानी दोनों) का क्या औचित्य आपको नजर आता है?

–मैं तो नई टैक्स प्रणाली का समर्थन करता हूं। नई टैक्स प्रणाली में 'बाबुओं' का हस्तक्षेप कम है, इसलिए भ्रष्टाचार की संभावना कम है। मेरा मानना है, जो लोग इसका समर्थन कर रहे हैं, वह लूपहोल का फायदा लेना चाहते हैं।

● आम लोगों को यदि बजट को समझना है तो वह कौन-सी चीजों पर गौर करें, जिससे गरीबी कम हो सके?

–इसमें कोई राकेट साइंस नहीं है। बजट बनाने वाले और बजट से प्रभावित होने वाले दोनों के लिए एक ही फार्मूला है... टैक्स घटाइए, निवेश बढ़ाइए। और उच्च सकल घरेलू उत्पाद और व्यक्तिगत आय वृद्धि प्राप्त करें।

गोल्डन गर्ल गोल्डी

बुलंद हौसला

दुधमुंही बच्ची ने एक हादसे में मां को खोने के साथ ही अपना एक हाथ भी खो दिया था, लेकिन होश संभालने पर अपनी जिजीविषा से उस बच्ची ने जीवन के आगे हार न मानकर खेलों को अपना साथी बना लिया। हाल ही में थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता वर्ल्ड एबिलिटी स्पोर्ट्स में स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। वह कई प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल समेत कई पदक जीत चुकी है। इसके साथ ही हाल ही में उसे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हम बात कर रहे हैं बिहार के पटना जिले की रहने वाली पैरा एथलीट गोल्डी कुमारी की। आइए, जानते हैं युवा प्रतिभा के बारे में:

सोनाली दुबे ● जागरण

पटना: साल भर की भी नहीं थीं वह, जब मां की गोद में यात्रा कर रही थीं। ट्रेन से उतरते समय मां ट्रेन से गिर गईं। इस दुर्घटना में दुधमुंही बच्ची का एक हाथ कट गया। सबसे बड़ा दुर्भाग्य कि मां को नहीं बचाया जा सका। यह बच्ची थोड़ी बड़ी हुई तब समझ सकी कि उसके साथ कैसा हादसा हुआ था। यह कहानी है बिहार के पटना जिले के बख्तियारपुर के मिसी गांव की गोल्डी कुमारी की। हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। वह अभी मात्र 15 वर्ष की हैं। दिव्यांगता का भाव मन में कभी आने ही नहीं दिया, बल्कि इसे ताकत बनाकर आगे बढ़ती गईं। फिर तो जैसा नाम, वैसा ही काम। गोल्डी के गले में गोल्ड मेडल शोभा पाने लगे। स्कूल की वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं से शुरुआत कर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही हैं गोल्डी। थाईलैंड में आयोजित विश्व एबिलिटी पैरा यूथ गेम में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। ये पदक डिस्क थ्रो और जेवलिन थ्रो में मिले।

स्वर्ण पदक के साथ गोल्डी कुमारी। स्वयं

ट्रेन हादसे में गंवाया एक हाथ

गोल्डी कहती हैं कि हमारी ननिहाल खुसरूपुर के पास है और दादी का घर मिसी गांव में। मैं बचपन में दोनों जगह रही और यहीं पली-बढ़ी। मुझे दोनों परिवारों से खूब प्यार-दुलार मिला है। जब ट्रेन हादसे में मेरा हाथ चला गया था, तब तो मुझे कुछ समझ ही नहीं थी, लेकिन जैसे-जैसे बड़ी होती गई यह निश्चित हो गया कि मुझे अपनी राह स्वयं बनानी होगी। मैंने नालंदा जिले के हरनौत के अंग्रेजी माध्यम के सेंट पाल स्कूल में पढ़ाई की है। मैं इस साल होने वाले बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही हूं। बचपन के दिनों को याद करते हुए गोल्डी कहती हैं कि स्कूल में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता में मैंने पहली बार समान श्रेणी में गोल्ड मेडल जीता था। यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी। इसके बाद जिला स्तर पर भी समान श्रेणी में गोल्ड जीता। राज्य स्तर पर भी मैंने गोल्ड मेडल हासिल किए। धीरे-धीरे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी मैं जीत हासिल करने लगी और मेरी पहचान बनने लगी।

जीवन का नाम ही संघर्ष...किसी के हिस्से ज्यादा, किसी के कम

गोल्डी कहती हैं कि जीवन का नाम ही संघर्ष है। यह बात और है कि किसी को ज्यादा संघर्ष करने पड़ते हैं तो किसी को कम। मेरे साथ यह हादसा हुआ था, जिसे बदला नहीं जा सकता था, लेकिन मैंने इसे कभी अपनी कमजोरी नहीं माना। भगवान जो भी करते हैं, उसमें कुछ अच्छा ही होता है। मैंने अपनी मेहनत पर भरोसा रखा और कठिनाइयों को कभी बाधा नहीं बनने दिया। मेरा परिवार हर कदम पर मेरे साथ खड़ा रहा। स्कूल में अन्य बच्चों को खेलते देख मैंने भी ठान लिया कि मुझे भी इनमें भाग लेना है। फिर मैंने स्कूल की हर वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और हर बार मेडल जीता। बस, यहीं से खेलों के प्रति मेरी रुचि बढ़ती चली गई।

आर्चरी चैंपियन जम्मू की शीतल देवी हैं गोल्डी की प्रेरणा स्रोत

गोल्डी कहती हैं कि मुझे खेल की प्रेरणा आर्चरी चैंपियन शीतल देवी से मिलती है। गौरतलब है कि जम्मू की रहने वाली पैरालिंपिक विजेता शीतल देवी के दोनों हाथ नहीं हैं। फिर भी उन्होंने जिस हौसले से वर्ल्ड आर्चरी चैंपियन का खिताब जीता, वह बेहद प्रेरणादायक है। अगर वह कर सकती हैं तो मैं क्यों नहीं? मेरा तो फिर भी एक हाथ है। शीतल देवी के अलावा मैं क्रिकेटर विराट कोहली की बड़ी प्रशंसक हूं। खेल के अलावा मुझे संगीत सुनना और किताबें पढ़ना पसंद है। खाली समय में प्रेरक कहानियां पढ़ना पसंद करती हूं। यह मेरे भीतर का जज्बा जगाए रखती है।

बाल पुरस्कार का गौरवपूर्ण क्षण

गोल्डी कहती हैं कि राष्ट्रपति के द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिलना मेरे लिए गर्व का क्षण था। उस वक्त मुझे लगा कि मेरी सारी मेहनत सफल हो गई। मैंने अपने पिता और चाचा की आंखों में अपनी जीत की जो खुशी देखी, वे पल शब्दों से परे थे। पिछले दो वर्ष में मैंने 20 से अधिक मेडल जीते हैं। इसी को प्रेरणा बनाकर मुझे और आगे बढ़ना है। मेरा अगला लक्ष्य पैरालिंपिक खेलों में देश के लिए गोल्ड जीतना है। मैं कोलकाता में प्रशिक्षण भी ले रही हूं। गोल्डी मजाकिया अंदाज में कहती हैं कि मेरी प्रैक्टिस तो बहुत अच्छी चल रही है, लेकिन वहां की वाशिंग मशीन खराब हो जाने के कारण मुझे कपड़े धोने में थोड़ा दिक्कत हो रही है। एक हाथ से ये कैसे होगा, यह सोच रही हूं।

दादा ने करवाया अभ्यास

गोल्डी कहती हैं कि मेरे परिवार ने हर कदम पर मेरा साथ दिया है। उनके पिता संतोष कहते हैं कि मेरी बेटी बहुत आगे जाएगी और बिहार के साथ ही देश का नाम रोशन करेगी। गोल्डी के चाचा विनय कुमार हर टूर्नामेंट में उसके साथ रहते हैं और सभी तकनीकी और प्रशासनिक बातों का ध्यान रखते हैं। गोल्डी को दादा केश्वर प्रसाद ने बचपन से ही गोला फेंकने का अभ्यास कराया था।

युवाओं के लिए संदेश

गोल्डी कहती हैं कि मुझे अपने राज्य बिहार पर गर्व है। मेरा मानना है कि अब राज्य का विकास हो रहा है और युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। मुझे युवाओं से बस यही कहना है कि मंजिल पाने का रास्ता कठिन जरूर होगा, लेकिन कुछ भी असंभव नहीं है। आप अपने दिल की सुनें। मेहनत में कोई कमी न छोड़ें, आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

कुश्ती के सपनों से लेकर शूटिंग तक कुछ यूं बढ़ा सुरुचि का सफर...

उपलब्धि

सेना से सेवानिवृत हुए पिता, बेटी सुरुचि को पहलवानों में आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन अखाड़े में हुए हादसे के दौरान उसकी कालर बोन टूट गई। हालांकि यह घटना भी उनका मन नहीं बदल सकी। कुश्ती न सही...कोई और खेल ही सही। विचार शुरू हुआ और फिर झाड़ली के एक अकादमी के शूटिंग रेंज से नया करियर शुरू हुआ। आज वह निशानेबाजी में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 25 से अधिक मेडल जीत चुकी हैं:

अमित पोपली ● जागरण

झज्जर: साल 2005 में सासरौली गांव के पहलवान वीरेंद्र उर्फ गूंगा ने डेफलिंपिक्स में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता, खेलों को पसंद करने वाले सेना से सेवानिवृत्त इंद्र सिंह फोगाट ने उसी साल जन्मी अपनी बेटी सुरुचि का करियर तय कर दिया था। बड़ी हो रही बेटी का खान-पान से लेकर रख-रखाव भी पहलवानों की तरह किया जाने लगा। छोटे भाई निशांत के साथ वह खेतों में बनाए मकान वाले हिस्से में जोर-आजमाइश करती थी। करीब 7 से 8 माह तक वह भाई के साथ गांव के अखाड़े में पहलवानी के लिए भी गईं, लेकिन एक दिन अखाड़े में हादसे के दौरान उसकी कालर-बोन टूट गई। फिर, परिवार ने संयुक्त तौर पर फैसला लिया कि वह ऐसे खेल में जाएगी, जिसमें व्यक्तिगत प्रदर्शन हो तथा शरीर पर चोट का खतरा भी नहीं हो। करीब पांच साल पहले यहां से सुरुचि शूटिंग के खेल से जुड़ी। आज शूटिंग के फलक पर जिला का नाम देश भर में रोशन करने वालों में ओलिंपियन मनु भाकर, पलक गुलिया के बाद सुरुचि का नाम भी शामिल हो गया है। सुरुचि ने पिछली 5 जनवरी तक चली 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में सात स्वर्ण पदक अर्जित किए हैं। करियर में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 25 से अधिक पदक जीतने वाली सुरुचि का मानना है कि उसका मुकाबला खुद से है।

माता-पिता ने समर्पित किया जीवन: सुरुचि फोगाट के जन्म से पहले ही उनके पिता इंद्र सिंह ने उन्हें पहलवान बनाने का फैसला कर लिया था। हालांकि, नियति ने उनके लिए कुछ और ही योजना बनाई थी। अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंद्र सिंह ने कहा, वह खेल खेलने के लिए ही पैदा हुई है। वैसे मैं चाहता था कि वह पहलवान बने, लेकिन वह शूटिंग रेंज में आ गई, क्योंकि मैं एक सेवानिवृत्त सैनिक (हवलदार से सेवानिवृत 2002 से 2019) हूं और खेल में उसकी मदद भी कर सकता हूं, इसीलिए ज्यादातर समय साथ में रहता हूं। सुरुचि ने 13 साल की उम्र में शूटिंग में अपनी यात्रा शुरू की और वर्तमान में कोच सुरेश सिंह से प्रशिक्षण ले रही है। मध्य प्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के पिछले संस्करण में इसी स्पर्धा में रजत पदक हासिल करने के बाद, सुरुचि ने उल्लेखनीय सुधार दिखाया है। पिता इंद्र सिंह रोजाना अपनी बेटी के साथ ट्रेन में भिवानी जाते हैं। जहां वह अकादमी में अभ्यास करती है और वे इंतजार करते हैं।

स्कूल से सीधा अकादमी जाती थी: करियर की शुरुआत की बात हो तो सुरुचि पहले स्कूल से सीधा झाड़ली स्थित अकादमी में अपने भाई के साथ जाती थी। जहां माता-पिता में कोई भी एक अभ्यास के बाद उन्हें अकादमी से घर लेने के लिए पहुंचता था। अब भिवानी से जुड़ने के बाद पिता साथ रहते हैं। बाहर होने वाली प्रतियोगिताओं में भी वे बेटी के साथ जाते हैं। पिता कहते हैं कि हर बच्चा खास है, बस जरूरत है तो समय पर उसे समझने और आगे बढ़ाने की। मां सुदेश कुमारी खान-पान का ध्यान रखती हैं।

जर्मनी की पिस्टल से अभ्यास: शुरुआती समय में सुरुचि को सेकेंड हैंड पिस्टल दिलवाई गई थी। प्रदर्शन में सुधार के बाद दोनों जर्मनी निर्मित पिस्टल से अभ्यास कर रही हैं। 8 से 9 घंटे अभ्यास करती हैं, जिसमें तीन से चार घंटे शूटिंग रेंज का सत्र, पिस्टल होल्ड करने से लेकर हाथों के व्यायाम भी शामिल हैं।

मेडल के साथ सुरुचि का स्वागत। स्वयं

सुरुचि का का खेलों में प्रदर्शन

- 65वीं राष्ट्रीय 1 स्वर्ण, 2 रजत, 1 कांस्य, 5वीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स 1 रजत पदक
- 66वीं राष्ट्रीय 4 स्वर्ण, 1 रजत, 1 कांस्य पदक
- 6वीं खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2 स्वर्ण व्यक्तिगत और मिश्रित टीम
- जूनियर विश्व कप 1 रजत, 1 कांस्य पदक
- 15वीं एशियाई चैंपियनशिप 1 रजत पदक
- कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप 1 स्वर्ण पदक
- 67 वीं राष्ट्रीय 7 स्वर्ण सीनियर टीम और व्यक्तिगत स्वर्ण जूनियर टीम और व्यक्तिगत स्वर्ण युवा टीम और व्यक्तिगत स्वर्ण पदक, मिक्स टीम 01 गोल्ड

सुरों से सपनों में रंग भर रही हैं दो बहनें

चर्चा में

सपने देखने के लिए आंखों की जरूरत नहीं होती है। उसके लिए मन में सपनों को पालना और फिर उसमें थोड़ा-सा शौक और बहुत सारी मेहनत ही काफी है। यह साबित कर दिखाया है लुधियाना की दो दृष्टिबाधित बहनों ने। हालात ने दोनों बहनों से आंखें छीन लीं, लेकिन दोनों ने सुरों के जरिये ऐसा ध्यान खींचा कि अब दुनिया उन्हें देख रही हैं। स्कूल निरीक्षण के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने दोनों बहनों का गाना सुना और उनकी प्रतिभा को मंच देने का फैसला किया। हाल ही में एक म्यूजिक कंपनी से संपर्क किया और उनके गाए गीतों को रिकार्ड किया है:

राधिका कपूर ● जागरण

लुधियाना: लुधियाना की बारह वर्षीय पलक और चौदह वर्षीय भावना ने कभी सोचा नहीं था कि जीवन में ऐसा दिन भी आएगा जब डिप्टी कमिश्नर दोनों दृष्टिबाधित बहनों से न केवल गीत सुनेंगे, बल्कि उनके गीत को रिकार्ड भी करवाएंगे। कोटमंगल सिंह क्षेत्र की रहने वाली दोनों दृष्टिबाधित बहनों के लिए यह उनके सपने को पंख लगाने जैसा है। लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर जितेंद्र जोरवाल कुछ समय पहले जमालपुर के सरकारी स्कूल फार ब्लाइंड का दौरे करने पहुंचे। कक्षा तीसरी में जाने पर स्कूल अध्यापकों ने बताया कि इस कक्षा में ऐसी बच्ची है जो गाती बहुत अच्छा है। बात उस समय पलक की हो रही थी। पलक ने पंजाबी गीत 'सोने दा चबारा...' सुनाया। कुछ ही समय बाद डीसी ने प्रशासनिक अधिकारियों को पलक के घर संपर्क कर गीत रिकार्डिंग के लिए बुलाने की बात कही। इसी दौरान अधिकारियों को पता चला कि पलक के साथ-साथ उसकी दृष्टिबाधित बड़ी बहन भावना भी गायकी की शौकीन है। इसके बाद डीसी जोरवाल ने दोनों बच्चियों के गीत को रिकार्ड करने का फैसला लिया।

आउंदी लुधियाने मैं लाहौर तों वे हानिया....: पलक और भावना को हाल ही में इशमीत सिंह म्यूजिक इंस्टीट्यूट बुलाया गया। गीतकार बंटी बैंस के लिखे पंजाबी गीत 'आउंदी लुधियाने मैं लाहौर तों वे हानिया...' को दोनों बहनों ने गाया व इसे रिकार्ड किया गया।

म्यूजिक रिकार्ड करवाने के बाद पलक और भावना। स्वयं

पलक जन्म से व भावना आठ साल की उम्र से है दृष्टिबाधित

पिता मनीष मित्तल बता रहे हैं कि पलक जन्म से ही दृष्टिबाधित थी, जबकि बड़ी बेटी भावना की एक आंख की रोशनी थी। जब वह आठ साल की हुई तो दूसरी आंख की रोशनी भी चली गई। निजी कंपनी में सुपरवायजर मनीष बताते हैं कि वर्ष 2021 में परिवार संग तीर्थ से लौटने के दौरान होशियारपुर के नजदीक कार दुर्घटना में दोनों बच्चियों की मां ज्योति मित्तल की मौके पर मौत हो गई थी। वह भी अच्छा गाती थीं। प्रशासन ने दोनों बच्चियों की तरक्की का आश्वासन दिया है। यह बड़ी बात है।

पढ़ने में भी होशियार हैं दोनों

स्कूल फार द ब्लाइंड जमालापुर की प्रिंसिपल परमजीत के मुताबिक पलक तीसरी व भावना चौथी में हैं। दोनों पढ़ने में होशियार हैं। पलक ने सात-आठ महीने तक गायकी सीखी। हारमोनियम बजाना भी सीखा। वह जो सीखती, घर आकर भावना को सिखाती। फिर दोनों अभ्यास करते थे।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 12 जनवरी, 2025
आजकल
14
www.jagran.com

19 यूरोपीय देशों ने क्लोनिंग निषेध समझौते पर हस्ताक्षर किए

1998 में आज ही के दिन पेरिस में 19 यूरोपीय देशों ने मानव क्लोनिंग पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। ब्रिटेन व जर्मनी इससे अलग रहे। स्काटलैंड में डाली नामक भेड़ की क्लोनिंग के बाद मानव क्लोनिंग की आशंकाओं को देखते हुए यह समझौता हुआ था।

7.0 तीव्रता के भूकंप ने हैती में ली दो लाख से अधिक जान

2010 में आज ही 7.0 तीव्रता की शक्तिशाली भूकंप ने हैती को तबाह कर दिया था। 35 सेकेंड तक रहे इस भूकंप में दो लाख से अधिक लोग मारे गए थे। वहीं दस लाख से अधिक लोग बेघर हो गए थे। इसे इतिहास में दर्ज सबसे विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं में से एक माना जाता है।

नेली ने भारत की आजादी में दिया था अहम योगदान

नेली सेनगुप्ता (एडिथ एलेन ग्रे) का जन्म 1886 में आज ही इंग्लैंड में हुआ था। 1909 में भारतीय स्वतंत्रता सेनानी जतिंद्र मोहन सेनगुप्ता से विवाह के बाद भारत आ गईं। 1921 में पति के साथ असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। 1933 में कोलकाता में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 48वें वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष चुनी गईं। खादी को बढ़ावा देने के लिए घर-घर जाकर खादी बेची। ब्रिटिश विरोधी जनसभा को संबोधित करने के आरोप में उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। 1973 में पद्म विभूषण से सम्मानित हुईं।

कैंसर जीन के हजारों म्यूटेनशन के खतरे की पहचान

अध्ययन ▸ डीएनए को पहचानने और उससे जुड़ने के लिए जिम्मेदार जीन के सभी संभावित वैरिएंट पर ध्यान केंद्रित किया

विज्ञानियों ने लगभग 7,000 वैरिएंट की जांच की

शिकागो, रायटर : कैंसर होने के पीछे कारणों का पता लगाने के लिए विज्ञानी और शोधकर्ता दिनरात अध्ययन करते रहते हैं, जिससे कैंसर के इलाज को और ज्यादा आसान और प्रभावी बनाया जा सके। ऐसे ही एक शोध में एक नए जीन म्यूटेशन का पता लगा है। विज्ञानियों ने बीआरसीए2 कैंसर जीन में हजारों म्यूटेशन की भूमिका की पहचान की है। ऐसे निष्कर्ष से कैंसर को लेकर चिंतित रोगियों को उनके खतरे के बारे में आश्वस्त किया जा सकेगा। वहीं डाक्टरों को बेहतर, अधिक लक्षित उपचारों की ओर मार्गदर्शन करने में मदद कर सकते हैं। पिछले दिनों प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार यह जानकारी सामने आई।

बीआरसीए2 मानव जीन और उनके प्रोटीन उत्पाद में हानिकारक म्यूटेशन क्षतिग्रस्त डीएनए की मरम्मत के लिए जिम्मेदार जीन ब्रेस्ट, ओवरी, प्रोस्टेट और अग्नाशय के कैंसर के खतरे को काफी हद तक बढ़ा देता है।

70 वर्ष की आयु तक हानिकारक बीआरसीए2 म्यूटेशन को विरासत में पाने वाली लगभग 45% महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर विकसित हो सकता है। पता चला कि जीन में सभी म्यूटेशन हानिकारक नहीं होते हैं, और कई इतने दुर्लभ होते हैं कि डाक्टरों को नहीं पता होता है कि वे खतरे को पैदा करते हैं या नहीं। जर्नल नेचर में प्रकाशित नए निष्कर्ष कई लोगों के लिए उत्तर या राहत प्रदान कर सकते हैं जो यह सोच रहे हैं कि क्या उनका म्यूटेशन घातक साबित हो सकता है या ब्रेस्ट सर्जरी जैसे पूर्व निवारक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने हजारों तथाकथित ''अनिश्चित महत्व के वैरिएंट'' या वीयूएस पर ध्यान केंद्रित किया, जो आनुवंशिक परीक्षणों में दिखाई

प्रतीकात्मक

देते हैं, लेकिन अब तक उनकी पहचान नहीं की गई है, जिससे रोगियों और डाक्टरों को उनके जोखिम और आगे क्या करना है, इस बारे में अनिश्चितता बनी हुई है। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मेयो क्लिनिक के शोधकर्ता फर्गस काउच ने कहा, यह रोगी के लिए निराशाजनक है। क्योंकि बीआरसीए2 जीन बहुत बड़ा है, इसलिए काउच और उनके सहयोगियों ने डीएनए को पहचानने और उससे जुड़ने के लिए जिम्मेदार जीन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के भीतर सभी संभावित वैरिएंट पर ध्यान केंद्रित किया। कुल मिलाकर उन्होंने लगभग 7,000 वैरिएंट की जांच की।

म्यूटेशन की पहचान की गई : विज्ञानियों ने फिर सीआरआइएसपीआर जीन-संपादन उपकरण का उपयोग कर प्रयोगशाला के पाट में मानव कोशिकाओं में बीआरसीए2 जीन के हजारों वैरिएंट डाले और गिना कि कितनी कोशिकाएं मर गईं, यह इस बात का संकेत था कि म्यूटेशन हानिकारक था। एक बार जब उन्होंने वैरिएंट के काम की पहचान कर ली, तो उन्होंने डाटा को आनुवंशिकीविदों और पैथोलाजिस्टों द्वारा उपयोग किए जाने वाले मौजूदा माडल में प्लग किया, ताकि विशिष्ट बीआरसीए2 वैरिएंट से रोगियों के रोग के खतरे को वर्गीकृत किया जा सके।

सभी वैरिएंट में से 91% को वर्गीकृत किया : काउच ने कहा कि वे जीन के इस महत्वपूर्ण भाग में सभी वैरिएंट में से 91% को वर्गीकृत करने में सक्षम थे। उनकी पहचानरोगजनक, संभावित रोगजनक, संभावित सौम्य या सौम्य के रूप में वैरिएंट के रूप में पहचान की गई। इससे वीयूएस श्रेणी में केवल कुछ सौ ही बचे। आनुवंशिक परीक्षण कंपनियां अक्सर अपनी परीक्षण रिपोर्ट को तब अपडेट करती हैं, जब नई जानकारी उपलब्ध होती है। काउच ने कहा, उन्हें उम्मीद है कि अध्ययन कुछ रोगियों को इस बारे में जानकारी प्रदान करेगा कि उनके म्यूटेशन हानिरहित हैं या संभावित रूप से खतरनाक। उन्होंने कहा, यह उनके लिए समस्या का समाधान करेगा। काउच ने कहा कि रोगियों को उनके कैंसर के खतरे के बारे में बेहतर जानकारी मिल सकेगी। इसके अलावा डाक्टर निष्कर्षों का उपयोग यह निर्धारित करने में सक्षम हो सकते हैं कि बीआरसीए2 से संचालित होने वाले कैंसर के कुछ रोगियों को पीएआरपी अवरोधकों जैसे लक्षित उपचारों से लाभ हो सकता है, जो बीआरसीए म्यूटेशन को ले जाने वालों के लिए अच्छी तरह से काम करते हैं।

पुनर्जनन की क्षमता वाले नए कंकाल ऊतक की खोज

- कंकाल ऊतक की खोज से पुनर्जनन चिकित्सा और ऊतक इंजीनियरिंग को क्षमता बढ़ती है आगे
- 3डी प्रिंटिंग की मदद से ऊतकों की इंजीनियरिंग को सटीक रूप से फिट करने के लिए दिया जाता है आकार

कैलिफोर्निया (यूएसए), एएनआइ : आमतौर पर दर्दनाक चोटें, ट्यूमर को निकालने के कारण कंकाल की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कंकाल की मांसपेशियों के फिर से बनने की एक जटिल प्रक्रिया है जो सफल होने के लिए विभिन्न कोशिका प्रकारों, सिग्नलिंग मालिक्यूल्स और भौतिक रासायनिक गुणों पर निर्भर करती है। एक अंतरराष्ट्रीय शोध दल ने नए प्रकार के एक कंकाल ऊतक की खोज की है जो पुनर्जनन चिकित्सा और ऊतक इंजीनियरिंग को आगे बढ़ाने की संभावना प्रदान करता है।

एक अंतरराष्ट्रीय शोध दल ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में इरविन के नेतृत्व में एक नए प्रकार के कंकाल ऊतक की खोज की है जो पुनर्जनन चिकित्सा और ऊतक इंजीनियरिंग की संभावना को आगे बढ़ाता है। अधिकांश नरम हड्डी के लिए एक बाह्य कोशिकीय मैट्रिक्स पर निर्भर करती है, स्तनधारियों के कान, नाक और गले में लिपोकार्टिलेज पाया जाता है। पोकांड्रोसाइट्स नामक वसा से कोशिकाओं से विशिष्ट रूप से भरा होता है। यह सुपर स्थिर आंतरिक समर्थन प्रदान करता है जो ऊतक की ताकत को सक्षम बनाता है। इस बारे में जर्नल साइंस में अध्ययन प्रकाशित किया गया। यह बताता है कि कैसे लिपोकार्टिलेज कोशिकाएं आकार में स्थिर रहते हुए स्वयं के लिपिड भंडार बनाती और बनाए रखती हैं। सामान्य एडीपोसाइट वसा कोशिकाओं के विपरीत लिपो चोंड्रोसाइट्स भोजन की उपलब्धता के जवाब में कभी भी सिकुड़ते या फैलते नहीं हैं। कोशिका जीव विज्ञान के प्रोफेसर और मैक्सिम प्लिकस के संबंधित लेखक यूसी इरविन ने कहा कि लिपोकार्टिलेज का लचीलापन और स्थिरता एक अनुकूल लोचदार गुणवत्ता प्रदान करती है जो लचीले शरीर के अंगों जैसे कि कान या नाक की नोक के लिए एकदम सही है, जो फिर से विकसित होने वाली चिकित्सा और ऊतक इंजीनियरिंग में रोमांचक संभावनाओं को खोलता है, विशेष रूप से चेहरे पर लगी चोटों के लिए। नरम हड्डी के पुनर्निर्माण के लिए अक्सर पसली से ऊतक निकालने की आवश्यकता होती है। भविष्य में रोगी के लिए लिपो चोंड्रोसाइट्स स्टेम कोशिकाओं से हासिल किए जा सकते हैं और आवश्यकताओं के अनुरूप नरम हड्डी के निर्माण के लिए उपयोग किए जा सकते हैं।

प्रतीकात्मक

सीताफल में औषधीय गुण, कैंसर व मधुमेह को रोकने में भी कारगर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल : भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आइसर) भोपाल के बायोलाजिकल साइंसेज विभाग के प्रोफेसर विनीत के. शर्मा की टीम ने सीताफल (शरीफा) का जीनोम अनुक्रमण तैयार कर इसके कई नए औषधीय गुणों की पहचान की है। पता चला है कि इसमें मौजूद एंटी आक्सीडेंट, एंटी फंगल और एंटी वायरल गुण कैंसर, मधुमेह जैसी कई बड़ी बीमारियों के उपचार में कारगर हो सकती है। इनके इस अध्ययन ने सीताफल को अधिक दिनों तक सुरक्षित रखने की राह भी खोली है।

विज्ञानियों का कहना है कि जीन के क्रम को बदलकर इसके गुणों की पहचान की गई है। अब इस फल को लंबे समय तक रखा भी जा सकेगा। इससे इसके परिवहन और भंडारण में भी आसानी होगी। ऐसे में यह अध्ययन न केवल विज्ञानियों के अनुसंधान को आगे बढ़ाएगा, बल्कि किसानों और लोगों के लिए भी लाभकारी साबित होगा। **इन तकनीकों का किया उपयोग :** इस अध्ययन के दौरान विज्ञानियों ने सीताफल के जीनोम की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए आक्सफोर्ड नैनोपोर और इल्लुमिना तकनीकों का उपयोग किया। इसका जीनोम 93.2 मेगाबेस (एमबी) के 950 मान के साथ सात प्यूडोक्रोमोसोम्स में व्यवस्थित किया गया है। इस अध्ययन के माध्यम से सीताफल के औषधीय गुणों विशेष रूप से इसके बायोएक्टिव यौगिकों के बारे में जानकारी मिली है।

सीताफल

आइसर के विज्ञानियों ने सीताफल का जीनोम सिक्वेसिंग कर बताई इसकी अहमियत

फिल्म रिव्यू: गेम चेंजर ✪✪

मुख्य कलाकार : राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एस जे सूर्या, श्रीकांत, सुनील
निर्देशक : शंकर
अवधि : 165 मिनट

गेम बिगाड़ा कहानी ने

इस साल की शुरुआत दक्षिण भारतीय फिल्मों के लिए हिंदी में अभिनेता राम चरण की गेम चेंजर से हुई है। आरआरआर के तीन साल बाद राम चरण ने सोलो हीरो की जिम्मेदारी फिल्म में उठाई। हिंदुस्तानी जैसी हिट फिल्म दे चुके शंकर इस फिल्म से बतौर निर्देशक तेलुगु सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं।

कहानी की बात करें, तो पहले आइपीएस, फिर आईएएस की परीक्षा पास कर कलेक्टर बने राम नंदन (राम चरण) हर उस बिजनेसमैन या सरकारी अफसर की क्लास लगाते हैं, जो भ्रष्ट हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री सत्यमूर्ति (श्रीकांत) को कार्यकाल के आखिरी साल में एहसास होता है कि उसे भ्रष्टाचार नहीं करना है। सत्यमूर्ति का गोद लिया बेटा मोपिदेवी (एस जे सूर्या) मुख्यमंत्री बनना चाहता है, लेकिन ट्विस्ट तब आता है, जब सत्यमूर्ति, राम नंदन को कलेक्टर के पद से बर्खास्त कर मुख्यमंत्री पद का दावेदार बना देता है। हालांकि मोपिदेवी की वजह से राम नंदन मुख्यमंत्री नहीं बन पाता है। कुछ समय बाद राम नंदन चुनाव आयोग का अफसर बन जाता है। मोपिदेवी की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। सत्यमूर्ति क्यों राम नंदन को मुख्यमंत्री के पद के लिए चुनता है, इसका जवाब मध्यांतर के बाद मिलेगा।

बड़े बजट में बनी गेम चेंजर की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी कहानी और रिसर्च की कमी है। आज के दौर में जिन मुद्दों पर शंकर फिल्म में बात कर रहे हैं, वे पुराने से लगते हैं। ईमानदार अफसर और भ्रष्ट नेता की लड़ाई में कोई नयापन नहीं है। मुख्यमंत्री के सामने पुलिस वालों का जमीन पर बैठकर नतमस्तक हो जाना बचकाना लगता है। हालांकि गानों के सेट में जो क्रिएटिविटी है, वह देखते ही बनती है। सिनेमैटोग्राफर तिरू ने एक्शन से लेकर गानों तक सब कुछ भव्य तरीके से शूट किया है। मध्यांतर के बाद आधे घंटे तक फिल्म राम चरण और कहानी में आए नए एंगल की वजह से बांधती है, लेकिन फिर वह पकड़ छूट जाती है।

इस फिल्म की असली गेम चेंजर राम चरण और उनका स्टाइल ही है। पिता-पुत्र के डबल रोल में वह प्रभावित करते हैं। एक्शन और इमोशन दोनों पर ही राम चरण की पकड़ दिखाई देती है। कियारा आडवाणी के हिस्से कम ही सीन आए हैं। वह धूप और जरगंडी.. गाने में अपने डांस से प्रभावित करती हैं। राम नंदन की असली मां पार्वती के रोल में अंजलि छोटी सी भूमिका में प्रभावित करती हैं। एस जे सूर्या टक्कर के विलेन बने हैं। सुनील के पात्र से उम्मीदें थीं, लेकिन साइड सत्यम के रोल में वह साइड में ही रह जाते हैं।

-प्रियंका सिंह

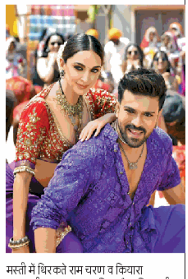

मस्ती में थिरकते राम चरण व कियारा आडवाणी। चित्र सौ.: फिल्म टीम

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

इधर-उधर की

आस्ट्रेलिया में नकली शादी समारोह में हो गई असली शादी

परमानेंट रेसीडेंसी के लिए युवक ने रचा स्वांग। इंटरनेट मीडिया

कैनबरा, एजेंसी : आस्ट्रेलिया में व्हाइट पार्टी के रूप में शुरू हुई एक घटना ने एक महिला के लिए तब चौंकाने वाला मोड़ ले लिया जब उसे पता चला कि जिसे वह प्रैंक समझ रही थी वह उसकी असली शादी थी। दरअसल महिला से आनलाइन डेटिंग पर मिले एक युवक ने सफेद कपड़ों में एक पार्टी में चलने को कहा। पार्टी में महिला ने देखा कि वहां केवल युवक और एक फोटोग्राफर मौजूद थे। तब युवक ने बताया कि वह इंटरनेट मीडिया पर फालोवर्स बढ़ाने के लिए प्रैंक शादी करना चाहता है। दो महीने बाद युवक ने महिला को परमानेंट रेसीडेंसी के लिए आवेदन में उसे आश्रित के रूप में जोड़ने के लिए कहा। महिला के इन्कार करने पर बताया कि जाली हस्ताक्षर के साथ उसने असली शादी की थी।

ब्रेन इंजरी महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक घातक

अनुसंधान

ब्रेन इंजरी को लेकर किए गए एक शोध में कहा गया है कि यह महिलाओं की तुलना में पुरुषों के लिए अधिक घातक साबित होता है। पता चला है कि ब्रेन इंजरी (टीबीआइ) से महिलाओं की तुलना में पुरुषों के मरने की आशंका तीन गुना अधिक है। 2021 में अमेरिकी मृत्यु दर के आंकड़ों पर आधारित शोध में बुजुर्गों के साथ ही कुछ नस्ली और जातीय समूह पर पड़ने वाले प्रभाव का भी अध्ययन किया गया है। निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि आत्महत्याएं टीबीआइ से संबंधित मौतों का सबसे आम कारण बनी हुई हैं। इसके बाद अनजाने में गिरना आदि शामिल है।

शोधकर्ता एलेक्सिस पीटरसन ने कहा कि बुजुर्गों में ब्रेन इंजरी का सबसे बड़ा कारण अनजाने में गिर जाना है। उन्होंने कहा कि ब्रेन इंजरी के कारण होने वाली मौतों के कई कारण हो सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ पुरुषों में इसकी गंभीरता बढ़ती जाती है। दूसरी ओर शोध के दौरान रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं का प्रदर्शन समान उम्र के पुरुषों की तुलना में बेहतर था। नेशनल वाइटल स्टैटिस्टिक्स सिस्टम के डेटा का उपयोग करते हुए विश्लेषण के दौरान 2021 में 69,473 टीबीआइ से संबंधित मौतों की पहचान की गई। पीटरसन ने उन समूहों तक पहुंचने के लिए विशेष रोकथाम रणनीतियों पर बल दिया जो अधिक जोखिम में हो सकते हैं। उन्होंने प्रारंभिक हस्तक्षेप और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील देखभाल के माध्यम से टीबीआइ से संबंधित मौतों को कम करने में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। (आइएएनएस)

प्रतीकात्मक

इंग्लैंड में जमे हुए झरने पर चढ़ते लोग

उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के हेफील्ड के पास पीक डिस्ट्रिक्ट नेशनल पार्क में बर्फ पर चढ़ने वाले लोग जमे हुए झरने किंडर डाउनफाल पर चढ़ते हुए। किंडर डाउनफाल की ऊंचाई करीब 30 मीटर (98 फीट) है। किंडर डाउनफाल एक फेल रेस का मुख्य आकर्षण है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि आने वाले दिनों में तापमान में गिरावट जारी रहेगी। यूके के उत्तरी हिस्सों में तापमान शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच जाएगा। एएफपी

स्क्रीन शाट

रात अकेली है की सीक्वल में साथ आएंगे नवाजुद्दीन व चित्रांगदा

नवाजुद्दीन, चित्रांगदा साथ नजर आएंगे। (@nawazuddin._siddiqui)

इन दिनों जहां बड़े पर्दे पर मसाला और लोकप्रिय फिल्मों की सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्में निर्माता धड़ाधड़ बना रहे हैं। वहीं डिजिटल प्लेटफार्म पर चर्चित रही फिल्मों की सीक्वल में भी फिल्मकारों की दिलचस्पी खूब दिख रही है। अब खबरें हैं कि डिजिटल प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स की तरफ से साल 2020 में प्रदर्शित नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत फिल्म रात अकेली है की सीक्वल पर भी काम शुरू हो गया है। मूल फिल्म का निर्देशन करने वाले हनी त्रेहान के हाथों में ही सीक्वल फिल्म के निर्देशन की भी बागडोर होगी। सीक्वल में अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह की नई भूमिका में एंट्री होगी। इससे पहले नवाजुद्दीन और चित्रांगदा साल 2017 में प्रदर्शित फिल्म बाबूमोशाय बंदूकबाज में साथ काम करने वाले थे। हालांकि, उसमें कुछ अंतरंग दृश्यों में असहजता के कारण चित्रांगदा ने वो फिल्म छोड़ दी थी। अब रात अकेली है 2 के लिए नवाजुद्दीन के साथ-साथ चित्रांगदा ने भी अपनी सहमति दे दी है। फिल्म में नवाजुद्दीन एक बार फिर इंस्पेक्टर जटिल यादव की भूमिका में होंगे। चित्रांगदा की भूमिका के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

चित्रांगदा सिंह। इंस्टाग्राम (@chitrangda)

अपनी गलती पर माफी मांगने में शर्माते नहीं हैं चिराग वोहरा

गलतियां तो हर इंसान से होती हैं, लेकिन अपनी गलती को स्वीकार करना और उससे सीखना बड़ी बात होती है। लुटेरे, स्कैम 1992 : द हर्षद मेहता स्टोरी और क्रैश कोर्स वेब सीरीज के अभिनेता चिराग वोहरा को अपनी गलती पर माफी मांगने में कोई शर्म नहीं आती है। वेब सीरीज फ्रीडम एट मिडनाइट में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भूमिका निभाने वाले चिराग के अनुसार, उन्होंने यह बात महात्मा गांधी से सीखी है। वह कहते हैं, 'गलती करके निकल जाना सही नहीं होता है। अगर मुझसे कोई गलती होती है, तो मुझे उसके लिए माफी मांगने में कोई हिचकिचाहट या शर्म नहीं होती है। जब भी मुझे अपनी गलती समझ में आती है, तो मैं किसी और पल का इंतजार नहीं करता हूं। माफी मांगने से कोई छोटा नहीं होता है। कई बार हमें पता भी नहीं होता है कि हमने कोई गलती की है, अनजाने में कुछ गलतियां हो जाती हैं। फिर आगे चलकर आपको अगर पता चलता है कि आपके कारण कहीं बात बिगड़ी है या किसी को तकलीफ हुई है, तो उससे आगे बढ़कर माफी मांगने में कोई समस्या नहीं है। हां, अगर मुझे लगता है कि मैं सही हूं, फिर कोई मेरा साथ दे या न दे, मैं अकेला ही अपनी राह पर आगे बढ़ता रहता हूं।'

थिएटर व डिजिटल प्लेटफार्म पर भी काम कर रहे हैं चिराग। (@chiragvohra1)

... जब शाह रुख खान बन गए थे मनीषा कोइराला के सलाहकार

सही सलाह देने वाला अगर कोई मिल जाए, तो कठिन रास्ते आसान हो जाते हैं। खासकर फिल्म इंडस्ट्री में आए उन आउटसाइडर्स के लिए, जो मुंबई शहर से ताल्लुक नहीं रखते हैं। मनीषा कोइराला के लिए वह सलाहकार बने अभिनेता शाह रुख खान। दिल से फिल्म में शाह रुख के साथ काम कर चुकीं मनीषा बताती हैं कि शाह रुख काम के शुरुआती दिनों से ही मेरे दोस्त रहे हैं। मैं उनसे एक साल पहले मुंबई में आई थी। मुझे याद है कि मैं उनके घर जाया करती थी, जहां चटाई बिछी होती थी और हम उस पर बैठते थे। उन्होंने मुझे तब सलाह दी थी कि तुम भी अपना घर मुंबई में खरीद लो। उन्होंने कहा कि हम दोनों ही मुंबई के बाहर से आए हैं। इस जगह का होने के लिए हमारे पास रहने के लिए कोई घर होना चाहिए। अपनापन तभी होगा। वह पहले थे जिसने सलाह दी कि अपना घर खरीदो। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में काम करने के बाद अब मनीषा चुनौतीपूर्ण रोल की तलाश में हैं। वह कहती हैं मैंने एक स्क्रिप्ट पढ़ी भी है, लेकिन उसके बारे में नहीं बता सकती हूं। जब मैं इंडस्ट्री में वापसी करना चाहती थी, तो आसान नहीं था। संजय लीला भंसाली ने अगर काम नहीं दिया होता, तो पता नहीं मैं कहां होती। उन्होंने तब मुझ पर विश्वास किया, जब खुद पर मुझे विश्वास नहीं था। अब मैं मेकर्स को यही कहूंगी कि मुझे ऐसा काम दें, जो हीरामंडी के टक्कर का हो, चुनौतीपूर्ण हो।

चुनौतीपूर्ण रोल की तलाश में हैं मनीषा। फाइल

बेटे की फिल्म के लिए आमिर ने छोड़ दिया धूम्रपान

हिंदी सिनेमा के मिस्टर परफेक्शनिस्ट अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद खान ने पिछले साल नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित फिल्म महाराज से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अब सात फरवरी को सिनेमाघरों में उनकी पहली फिल्म लवयापा प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। जुनैद, आमिर और उनकी पहली पत्नी रीना दत्ता के बेटे हैं। फिल्म में उनके साथ दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं। सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही बेटे की पहली फिल्म के ट्रेलर लांच के दौरान आमिर स्वयं पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के लिए एक मन्नत के तौर पर उन्होंने धूम्रपान छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों तक मैं सिगरेट पीता रहा, लेकिन अब पाइप पीता हूं। यह अच्छी चीज नहीं है, किसी को भी यह नहीं करना चाहिए। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने यह बुरी आदत छोड़ दी है। मेरे लिए यह (फिल्म) वजह निकली। इसके लिए समय अच्छा था, मुझे छोड़ना था और मेरे बेटे का करियर भी शुरू हो रहा था। तो मैंने दिल में एक मन्नत मांगी, फिल्म चले या न चले लेकिन पिता होने के नाते मैं अपने बेटे की पहली फिल्म रिलीज होने से पहले यह छोड़ रहा हूं। इस दौरान आमिर ने सिनेमा इंडस्ट्री में बेटे के बढ़ते इस कदम को अपने लिए इमोशनल और गर्व करने वाला पल बताया।

बेटे जुनैद के लिए दो फिल्में प्रोड्यूस कर रहे हैं आमिर। फाइल

****